आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रतिवेदन
2022

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर-342 304, राजस्थान
Website : http://www.aujodhpur.ac.in

महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सिलाई मशीन वितरण

तृतीय दीक्षान्त समारोह

मुख्यमंत्री महोदय द्वारा डेयरी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालयों का ऑनलाईन शिलान्यास

वार्षिक प्रतिवेदन

2022

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर–342 304, राजस्थान

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

प्रो. बी. आर. चौधरी
कुलपति
कृषि, विश्वविद्यालय, जोधपुर

सम्पादक एवं समन्वयक :

डॉ मनमोहन सुन्दरिया
निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

सम्पादक मण्डल :

डॉ. एस. डी. रत्नू, निदेशक अनुसंधान
डॉ. ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा
डॉ. सीता राम कुम्हार, संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर
डॉ. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बायतु, बाड़मेर
डॉ. आर. एल. भारद्वाज, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली
डॉ. रामदेव सुतलिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. पंकज लवानिया, सहायक निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
डॉ. एस.के. मूंड, विशेषाधिकारी, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर
डॉ. बनवारी लाल, विशेषाधिकारी, डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय जोधपुर

प्रकाशक :

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–342 304

मुद्रक :

विनय प्रिण्टर्स, जोधपुर, मो. : 9829021481

विषय सूची

	सन्देश	(i)
	कार्यकारी सारांश	(iii)
1.	विश्वविद्यालय मुख्यालय : एक परिचय	01
2.	अनुसंधान	11
3.	प्रसार शिक्षा	28
4.	शिक्षा	
	⬟ कृषि संकाय	
	• कृषि महाविद्यालय, जोधपुर	47
	• कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली	63
	• कृषि महाविद्यालय, नागौर	76
	• कृषि महाविद्यालय, बायतु–बाड़मेर	91
	⬟ डेयरी संकाय	
	• डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर	99
	⬟ कृषि अभियांत्रिकी संकाय	
	• कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर	104
5.	प्रकाशन	109
6.	क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण एवं भागीदारी	120
7.	पुरस्कार एवं सम्मान	125
8.	मण्डल, परिषद् एवं समितियाँ	127

प्रो. बी.आर. चौधरी
कुलपति

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
मण्डोर, जोधपुर – 342304 (राजस्थान)
Phone : +91-291- 2570711
Email : vcunivag@gmail.com

संदेश

वर्ष 2022 में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की प्रमुख उपलब्धियों का संकलित स्वरूप इस वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा हैं। विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष पर्यन्त शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार की निर्धारित गतिविधियाँ उद्देश्यरूपेण क्रियान्वित हुई तथा आधारभूत एवं ढ़ाँचागत का विकास भी त्वरित गति से हुआ।

राज्य सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, मुख्य प्रवेश द्वार एवं अन्य इकाईयों का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों मे द्वितीय चरण के निर्माण कार्य प्रगतिरत है जिनमे कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर पर 5 करोड़, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर पर 7 करोड़ और कृषि महाविद्यालय, नागौर पर 11 करोड़ चल रहे है। राज्य सरकार द्वारा आगामी कार्ययोजनाओं को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय को 174 हैक्टेयर भूमि आवंटित की है।

नवीन शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना मे विश्वविद्यालय को बहुसंकाय का स्वरूप प्रदान करने हेतु कृषि के अतिरिक्त अन्य सहबद्ध संकाय जैसे डेयरी प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी संकाय स्थापित हुए है। साथ ही सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने हेतु कृषि महाविद्यालय, नागौर मे 2021–22 से एवं कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर मे 2022–23 से बीएससी कृषि स्नातक के 60–60 छात्रों के एक अतिरिक्त बैच की वृद्धि की गई हैं। वर्ष 2022–23 से शस्य विज्ञान, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, उद्यानिकी, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान तथा प्रसार शिक्षा विषयों में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की दो अतिरिक्त सीटे बढ़ाकर चार से छः की गई तथा कीट विज्ञान एवं पौध व्याधि विषयों में विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम को प्रारंभ किया जा रहा है।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेट) 2022 का सफल आयोजन दिनांक 19 जुन, 2022 को किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के बजट में क्रमशः वृद्धि की गई जिनमें 2020–21 में 24 करोड़, 2021–22 में 38 करोड़, 2022–23 मे 51 करोड़ रू आंवटित किये गए। राज्य सरकार बाजरा व अन्य मोटे अनाजों के संवर्द्धन, प्रोत्साहन व नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने की दृष्टि से कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अंतर्गत 5 करोड़ रू की लागत से Centre of Excellence for Millets की स्थापना की जानी है।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम चरण की शैक्षणिक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत आचार्य, सह–आचार्य, सहायक आचार्य पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान की दिशा मे सक्रिय भूमिका निभा रहा है तथा पश्चिमी राजस्थान के अनुकूल 31 नवीन कृषि तकनीकों एवं 4 उन्नत किस्मों को पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेज में सम्मिलित किया गया हैं तथा 3 किस्मों को राज्य स्तर पर चिन्हित किया गया एवं बाजरा परियोजना के अंतर्गत एमपीएमएच–35 बाजरा की संकर किस्म विकसित की गई जिसका लाभ किसानों को मिलेगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मानवीय सिद्धांतो और मूल्यों को अपने जीवन मे अपनाने हेतु भारतीय रेडक्रास सोसाईटी के साथ एमओयू किया गया तथा एमएसएमई प्रौद्योगिकी विकास संस्थान, नागौर के साथ कौशल विकास को बढ़ाने हेतु एमओयू किया गया।

क्षेत्र के किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से कृषि उपज के उचित भण्डारण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण के साथ एमओयू किया गया। बाड़मेर लिग्नाईट माईनिंग कम्पनी लि. द्वारा 8.80 करोड़ की परियोजना प्राप्त हुई तथा जोधपुर नगर निगम, दक्षिण से एन.सी.ए.पी योजना अंतर्गत 1 करोड़ 97 लाख रू की परियोजना भी स्वीकृत हुई हैं।

बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न इकाइयों पर वर्ष 2021–22 की खरीफ एवं रबी मे लगभग 1600 क्विंटल उन्नत बीज उत्पादित किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के सहयोग से दो नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों पाली तथा जालोर जिले में स्थापित किये गये। विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय प्रशासन के सहयोग नवीन गोदित गाँव खुड़ियाला, तहसील बालेसर को स्मार्ट गाँव के रूप में विकसित करने हेतु विभिन्न विकास कार्य संचालित किये जा रहे है।

मैं वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने हेतु डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन) तथा समस्त निदेशकों, अधिष्ठाताओं, क्षेत्रीय निदेशकों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, केन्द्र प्रभारियों, वैज्ञानिकों एवं उनकी पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करता हूँ।

(बी. आर. चौधरी)

कार्यकारी सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2013 में राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई।

विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में छः जिले जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग सम्मिलित है। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। खण्ड–I अ में जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का 'शुष्क पश्चिमी मैदान' का भू–भाग आता हैं। खण्ड–II ब में जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील के अतिरिक्त) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान' का भू–भाग आता हैं। खण्ड–II अ का नागौर जिले का 'भीतरी जल निकास के मैदान' का भू–भाग आता हैं।

विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वर्षा अल्प तथा अनियमित वर्षा, अधिक तापमान, गरम तेज हवाऐं, भूमि अपरदन, सिंचाई हेतु पानी की कमी तथा समस्याग्रस्त पानी एवं भूमि इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करते हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड–I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है। कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का न्यायोचित उपयोग तथा अनुसंधान कार्य एवं कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) द्वारा कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, मूंगफली, सरसों, राजगीरा, गेहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। विश्व स्तरीय निर्यात योग्य फसलें तथा उससे प्राप्त उत्पाद जैसे–जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे–प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर प्रारम्भ किया गया हैं। विश्वविद्यालय में नई क्षमतावान फसलों, जैसे–चिया, किवनोआ, कैओमाइल, चिकोरी, ड्रेगन फ्रूट आदि पर शोध कार्य शुरू किया गया है।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधिनस्थ आठ कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर–नागौर, अठियासन–नागौर, फलौदी–जोधपुर, केशवाना–जालोर, बामनवाड़ा–जालोर, गुड़ामालानी–बाड़मेर, सिरोही एवं रायपुर–पाली) किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा नवीन तकनीकों की जानकारी व कृषि संबंधित समस्याओं का निराकरण करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा का कार्य चार कृषि महाविद्यालयों जोधपुर, सुमेरपुर–पाली, नागौर तथा बायतु–बाड़मेर तथा कृषि अभियांत्रिकी संकाय के अधीन प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियंत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर और डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय के अधीन डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर में संचालित किया जा रहा हैं। इसके अतिरिक्त एक निजी कृषि महाविद्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गई है। वर्तमान में

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में स्नात्तक, स्नातकोत्तर तथा विद्यावाचस्पति शिक्षण स्तर का तथा अन्य महाविद्यालयों में स्नातक स्तर का शिक्षण कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों हेतु बजट (वित्तीय सहायता) राज्य सरकार की योजना, गैर–योजना तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। विश्वविद्यालय अपने कार्य क्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु कृषि अनुसंधान, प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबन्ध मण्डल की पन्द्रहवीं, सोलहवीं, सत्रहवीं तथा अठारहवीं बैठक क्रमशः दिनांक 10.02.2022, 28.02.2022, 17.05.2022 व 10.08.2022 को आयोजित कर विभिन्न प्रस्तावों के अनुमोदन व सहमति प्राप्त की गई। प्रबंध मण्डल के माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का अन्य संस्थानों, विश्वविद्यालयों व विभागों के साथ आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं अनुसन्धान में सतत् विकास हेतु किए गए विभिन्न समझौता ज्ञापनों (MoU's) का अवलोकन के बाद सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

प्रबन्ध मण्डल की पाँचवी बैठक के विशेष एजेण्डा आईटम : कृ.वि.जोध/बोम/2017–18/39 में अनुमोदित निर्णय को अधिक्रमित (Supersede) करते हुए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में सीधी भर्ती द्वारा शैक्षणिक संवर्ग में चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण से कम से कम 2 वर्ष की सेवा की अनिवार्यता रखी जाये, इसके लिये चयनित अभ्यर्थी से कार्यग्रहण करते समय नॉन–ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर 5.00 लाख रूपये (अक्षरे पाँच लाख रूपये) का सेवा बंध (Service Bond) भरवाया जाये। यह बंध पत्र चयनित अभ्यर्थी से इस शर्त के साथ संपादित करवाया जाये कि वह विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण से दो वर्ष की अवधि तक विश्वविद्यालय की सेवा नहीं छोड़ेगा, यदि वह दो वर्ष से पूर्व सेवा छोड़ता है तो उसे विश्वविद्यालय कोष में राशि रूपये 5.00 लाख जमा करवाना अनिवार्य होगा, चाहे वह अभ्यर्थी Lien Period में भी आया हो।

प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के भू–सम्पदा अधिकारी कार्यालय से विभिन्न निर्माण कार्य सुचारू रूप से करवाने हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता स्तर के अधिकारी को निर्माण विभाग के लिए वित्त विभाग की PWF & AR की Schedule of Power (SoP) की समस्त सम्बन्धित शक्तियां विश्वविद्यालय के भू–सम्पदा अधिकारी को प्रदान करने के आदेश क्रमांकः 4805 दिनांकः 27.11.2020 का अनुमोदन सर्वसम्मति से किया गया। इसी प्रकार अधिशाषी अभियंता स्तर से उच्च अधिकारियों के वित्त विभाग की PWF & AR की Schedule of Power (SoP) की समस्त सम्बन्धित शक्तियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्माण कार्यों के लिए गठित कमेटी के आदेश क्रमांकः 7390 दिनांकः 27.03.2021 का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर तथा प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर के भवन एवं अवसंरचना निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा सावंत कुआं कलां में आवंटित भूमि पर किये जाने तथा यह कार्य कार्यालय भू–संपदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से कराये जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। प्रबंध मण्डल के माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर (पाली) तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बामनवाड़ा (जालोर) के भवन एवं अवसंरचना निर्माण कार्य भू–संपदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर कार्यालय से कराये जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अकादमिक परिषद् की सोलहवीं तथा सत्रहवीं बैठक क्रमशः दिनांक 07.02.2022 व 13.05.2022 को आयोजित कर विभिन्न प्रस्तावों के अनुमोदन व सहमति प्राप्त की गई।

अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय

के तृतीय दीक्षान्त समारोह हेतु 163 छात्रों जिसमें 136 स्नातक, 25 स्नातकोत्तर व 02 विद्यावाचस्पति की उपाधियों को सहानुभूति पूर्वक प्रदान किए जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को स्नातक में 01 स्वर्ण पदक तथा स्नातकोत्तर में 06 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को पारित किया गया।

अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर तथा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अनुरूप ही कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में भी स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष से उच्चतर कक्षा में प्रोन्नति हेतु न्यूनतम आवश्यक OGPA अंक क्रमशः 4.0, 4.5, 4.75 अधिगृहित किए जाने के प्रस्ताव को पारित किया। यह भी निर्णय किया गया कि अकाद्मिक सत्र 2021–22 से विद्यार्थी को स्नातक (कृषि ऑनर्स) उत्तीर्ण के लिए सम्पूर्ण डिग्री अवार्ड के लिए न्यूनतम 5.0 OGPA अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। अकाद्मिक परिषद् के सदस्यों द्वारा अकाद्मिक सत्र 2022–23 से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों क्रमशः शस्य विज्ञान, पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी, उद्यानिकी, पौध व्याधि विज्ञान, कीट विज्ञान और प्रसार शिक्षा में अतिरिक्त 02–02 सीटें बढाने एवं साथ ही विद्या वाचस्पति कीट विज्ञान एवं पौध व्याधि विज्ञान में 02–02 सीटों पर प्रारंभ किए जाने के प्रस्ताव को सर्व सहमति से पाठ्यक्रम अनुमोदित किया गया।

अकाद्मिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी संकाय के अधीन महाविद्यालय का नाम ''प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर'' के रूप में परिवर्तित करने तथा डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय के अधीन महाविद्यालय को ''डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर'' के रूप में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को सदन द्वारा सर्व सम्मति से पारित किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अनुसंधान परिषद् की छठी तथा सातवीं बैठक दिनांक 24.12.2021 व 05.08.2022 को आयोजित कर विभिन्न प्रस्तावों का अनुमोदन व सहमति प्राप्त की गई। छठी तथा सातवीं बैठक दिनांक 24.12.2021 व 05.08.2022 को आयोजित की गई। अनुसंधान परिषद् के सदस्यों ने खरीफ–2020 तथा रबी 2020–21 फसल की प्रगति रिपोर्ट की अनुशंसाओं का अनुमोदन तथा आरकेवीवाई योजना के तहत उत्पादों के परीक्षण हेतु प्राप्त वित्तीय सहयोग का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। विश्वविद्यालय में बीज उत्पादन कार्य कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा उचित किस्मों के माध्यम से किया जावे जिससे विश्वविद्यालय की आय में बढ़ोतरी की जा सके। अनुसंधान परिषद् की बैठक में विश्वविद्यालय के अन्तर्गत बीज उत्पादन कार्यक्रम में नवीनतम किस्मों का समावेश किया जाये।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की विस्तार शिक्षा परिषद् की छठी तथा सातवीं बैठक क्रमशः दिनांक 24.12.2021, 05.08.2022 को आयोजित की गई। सप्तम बैठक में डॉ. ए. एस. फरौदा, पूर्व चैयरमैन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड, नई दिल्ली व पूर्व कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं डॉ. टी. एस. राठौड, पूर्व निदेशक आफरी, जोधपुर को माननीय कुलपति द्वारा विशेषज्ञ वैज्ञानिक के रूप में मनोनयन किया गया तथा श्री बाबुलाल परिहार (गॉव रायपुर, जिला पाली), श्री सुखराम (गांव रेण, तह. मेडता सिटी, जिला नागौर) एवं श्री सवाई सिंह (गांव मणाई, तह. मण्डोर, जिला जोधपुर) का चयन किसान प्रतिनिधि के रूप में किया गया। इन बैठकों में निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा की गई गतिविधियों का ब्योरा प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा आगामी वर्ष हेतु कार्य योजना और बजट का अनुमोदन करवाया गया।

इन बैठक में परिषद् के माननीय सदस्य डॉ. अमर सिंह फड़ोदा ने जैविक कृषि में तुलनात्मक रूप से तीन मुख्य सुझाव प्रदान किए यथा–खेतों में जैविक पोषक तत्व

प्रबंधन का अभ्यास, शुद्ध रासायनिक उर्वरक व शुद्ध जैविक अभ्यास किया जाये। साथ ही यह बताया कि पश्चिमी राजस्थान के कृषकों को कृषि वानिकी तंत्र का प्रचलन किया जावें। माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने सुझाव दिया कि पश्चिमी राजस्थान में जो सब्जी उत्पादक किसान है, उनमें जैविक खेती का प्रचार–प्रसार किया जाये तथा साथ ही कृषि उन्नत तकनीकियों का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसार किया जाये।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.), आवश्यकता आधारित अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना बनाने और उत्पादन सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है। जेड.आर.ई.ऐ.सी. द्वारा राज्य के कृषि जलवायु खंड–I अ व खंड–II ब के लिए कुल 33 प्राविधिकाओं को संकुल कृषि प्राविधिकाओं (पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज) में शामिल करने हेतु सिफारिश की गई।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र व कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के संयुक्त प्रयासों से राया (Mustard) में टी जे एम 1 व टी जे एम 2 विकसित की गई है। इसके साथ ही अरण्डी में आर.एच.सी. किस्में 2 तथा तिल में आर.टी. 372 किस्म भी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई है। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा विकसित राजगिरा का उन्नत जीन प्रारूप जिसका वर्तमान में अखिल भारतीय समन्वित क्षमतावान फसल अनुसंधान तंत्र परियोजना के तहत राष्ट्रीय स्तर पर अग्रिम उपज परीक्षण द्वितीय में मूल्यांकन किया जा रहा है।

सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) कालीकट, केरल द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित केन्द्रीय प्रायोजित योजना–मिशन फॉर इन्टीग्रेटेड होर्टीकल्चर डवल्पमेन्ट के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर पर संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत बीजीय मसालों का उच्च गुणवत्तायुक्त 141.93 क्विंटल बीजों का उत्पादन विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर किया गया।

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक का मुख्यालय कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर पर स्थित है। यह परियोजना शत् प्रतिशत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित है। भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना की 57वीं वार्षिक बैठक का आयोजन वर्चुअल मोड के माध्यम से 2–3 मार्च, 2022 को किया गया।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रो के विषय वस्तु विशेषज्ञों के लिए एक दिवसीय ''वन केवीके वन प्रोडक्ट'' कार्यशाला का आयोजन दिनांक 06.01.2022 को माननीय कुलपति डॉ बी.आर. चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। वर्ष 2021 से अलग–अलग तरह के जैविक एवं उन्नत एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद जैसे केर का अचार, पंचकुटा, सौंफ का शरबत एवं मुखवास, शहद, नागौरी पान मेथी, बाजरा बिस्कुट, बाजरा फूली, वैज्ञानिक तरीके से सुखाई गई सब्जियां, मिक्स अचार, अण्डे एवं अन्य को कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के माध्यम से बिक्री हेतु आमजन के लिए आमजन के लिए उपलब्ध है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा अटारी, जोन द्वितीय के सहयोग से दिनांक 2 से 3 नवम्बर, 2022 को जोन द्वितीय की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान, दिल्ली एवं हरियाणा के कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में पूर्व वैज्ञानिक डॉ. देवी सिंह भाटी एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के डॉ. दिनेश कुमार द्वारा विशेष व्याखान प्रस्तुत किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से दो नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना रायपुर (पाली) एवं बामनवाड़ा (जालौर) की स्वीकृति दिनांक 25.12.2021 को प्रदान की गई, परिणामस्वरूप इन दोनों इकाईयों का अस्थायी कार्यालय क्रमशः दिनांक 19 जनवरी, 2022 एवं 15 जनवरी, 2022 को शुभारम्भ किया गया। बामनवाडा में अस्थायी कार्यालय के शुभारम्भ हेतु माननीय कुलपति महोदय के साथ श्री

नारायण सिंह देवल विधायक, रानीवाडा एवं प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह द्वारा भागीदारी की गई। रायपुर में अस्थायी कार्यालय प्रारम्भ करने हेतु निदेशक अटारी डॉ. एस.के. सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ. ईश्वर सिंह की उपस्थिति रही। इन दोनों इकाईयों की आवंटीत जमीनों पर विकास कार्य प्रारम्भ कर दिये गये है और प्रशासनिक भवन में एवं किसान छात्रावास का वर्ष 2022 में इन केन्द्रों पर स्थाई निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 21 नवम्बर, 2022 को माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री टी के मनोज कुमार, अध्यक्ष, भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि श्री एच के डबास थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैंक, राजस्थान राज्य भण्डारण निगम, कृषि मंडी निजी भण्डार गृह मालिक एवं किसानों ने भाग लिया।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिनांक 20 अगस्त, 2022 को लम्पी स्किन डीजीज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता एवं निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. ईश्वर सिंह की उपस्थिति में किया गया। जिसमें निदेशक गण, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष एवं पशुपालन विशेषज्ञों ने भाग लिया। साथ ही समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 24 जागरूकता एवं प्रबंधन कार्यक्रमों का आयोजन कर लगभग 1000 पशुपालकों को इस बीमारी के बारें में जागरूक किया और प्रबंधन हेतु आर्युवेदिक औषधीयों का वितरण किया गया।

राजभवन राजस्थान से प्राप्त निर्देशों के अनुसार कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु तृतीय चरण में ग्राम खुडीयाला, तहसील बालेसर को जनवरी, 2021 से गोद लेकर स्मार्ट गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है।

प्रसार शिक्षा निदेशलाय द्वारा राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न किसान मेलों में किसानों की आय बढ़ाने हेतु उन्नत एवं आधुनिक कृषि तकनीकियों के विभिन्न मॉडल एवं जीवन इकाईयों का प्रदर्शन किया जाता हैं। वर्ष 2022 में कुल 4 कृषि प्रदर्शनीयों का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 8000 किसानों, किसान महिलाओं और युवाओं ने भाग लिया।

किसान कौशल विकास केन्द्र मुख्यालय पर स्थित है और इस केन्द्र द्वारा किसानों को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर उनकी आजीविका और आर्थिक उन्नति के प्रयास किये जा रहे है। इसके अन्तर्गत समन्वित कृषि प्रणाली के विभिन्न घटकों को किसानों के खेतों पर स्थापित करवाया जाता है और उनसे किसानों को अतिरिक्त आमदानी प्राप्त होती है जो उन्हें आर्थिक तौर पर सक्षम बनाती है। इस केन्द्र के अधीन 7 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 19–25 सितम्बर, 2022 के दौरान किया गया जिसमें बाड़मेर, जोधपुर, जालौर, नागौर जिलों के 32 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के पश्चात् बालरवा गांव में दो किसानों ने मशरूम इकाई की स्थापना कर व्यवसायिक गतिविधियां प्रारम्भ की है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीकी साहित्य, विषय विशेषज्ञों की सेवाएं एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के उत्पादों हेतु बिक्री केन्द्र के माध्यम से किसानों को जानकारी दी जा रही है।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रांगण में 76वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारीगण व छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने सम्बोधित किया। इसके उपरांत माननीय कुलपति,

डॉ. बी.आर. चौधरी ने अपने उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय में चल रहे विकास कार्यो के बारे में विस्तार से बताया तथा राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के विकास हेतु हर संभव सहायता प्राप्त होने की बात कही।

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा गोद लिया गांव खुडीयाला तथा केरू गांव के एस सी ग्रामीण युवाओं को रोजगार के साधन के रूप में एक–एक मसाला यूनिट की स्थापना की गई। यूनिवर्सिटी द्वारा स्पाइस यूनिट स्थापना करवाने हेतू वेट ग्राइंडर, पुलविराइजर, ड्राई ग्राइंडर, वेट मशीन, पैकिंग सीलिंग मशीन, पैकिंग बैग्स और सोलर ड्रायर प्रदान किए जिसे 10–10 लोगों का समूह स्पाइस यूनिट का संचालन करता है। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का दशम् स्थापना दिवस दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को उल्लासपूर्ण रूप से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा कृषि एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए कार्यों की प्रशंसा की गई एवं भविष्य में किसानों के लिए आय बढ़ाने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने के दिशानिर्देश देते हुए विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. के.एल. श्रीवास्तव द्वारा भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का किसानों द्वारा अधिक से अधिक उपयोग लिए जाने का आग्रह किया गया एवं विश्वविद्यालय द्वारा योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने के प्रयासों की प्रशंसा की गई।

10 फरवरी 2022 को बायतु–बाड़मेर महाविद्यालय में विश्व दलहन दिवस का आयोजन किया गया। दलहन के महत्व एवं अभिन्न गुणों को आमजन तक पहुँचाने के लिए कृषि महाविद्यालय के छात्रों द्वारा दालों से रंगोली बनाई गयी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. उम्मेद सिंह ने दलहन के महत्व जैसे खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा, वायुमंडल सुरक्षा, मृदा सुरक्षा सुधार एवं मानव स्वास्थ्य सुधार पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दलहन प्रोटीन का मुख्य स्रोत एवं बहुआयामी उपयोगिता होने के कारण इसको गरीब आदमी के उपहार की संज्ञा दी गयी है। विश्व दलहन दिवस का आयोजन विश्व के अधिकतर देशों एवं भारत के कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा किया गया।

कृषि महाविद्यालय बायतु–बाड़मेर के अंतर्गत चल रहे शैक्षणिक कार्य एवं व्याख्यान–कक्ष के डिजिटल स्वरूप का अवलोकन करने एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद करने हेतु श्रीमान हरीश चौधरी, विधायक, बायतु ने 28 जून 2022 को कृषि महाविद्यालय का दौरा किया। कृषि महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष में फर्नीचर एवं प्रोजेक्टर हेतु विधायक कोष से पाँच लाख रूपये स्वीकृत किए थे। विधायक कोष द्वारा महाविद्यालय में फर्नीचर एवं प्रोजेक्टर इत्यादि की व्यवस्थाओं को देखकर श्रीमान हरीश चौधरी ने कहा कि आगामी पीढ़ियों एवं बाड़मेर के कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक समृद्धि के लिए यह संस्थान एक वरदान साबित होगा। उन्होंने महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं कार्मिकों के साथ चर्चा की और संदेश दिया कि कृषि महाविद्यालय यहाँ की जलवायु के अनुसार शोध कार्य कर किसानों की समस्याओं का निवारण करने में मददगार साबित होगा।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्यापकों व वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकाओं में 218 अनुसंधान पत्र, 09 पुस्तक, 18 पुस्तक अध्याय, 68 तकनिकी/लोकप्रिय प्रकाशित लेख, 10 तकनिकी बुलेटिन, 08 संगोष्ठी, सम्मेलन, सेमिनार में प्रकाशित शोध पत्र/सारांश प्रकाशित किये गये हैं।

1. विश्वविद्यालय मुख्यालय : एक परिचय

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2013 में राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रियाकलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग सम्मिलित है। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। खण्ड–I अ में जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का 'शुष्क पश्चिमी मैदान' का भू–भाग खण्ड–II ब में जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील के अतिरिक्त) व जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान' का भू–भाग तथा खण्ड–II अ का नागौर जिले का 'भीतरी जल निकास के मैदान' का भू–भाग आता हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वर्षा अल्प तथा अनियमित, अधिक तापमान, गरम तेज हवाऐं, भूमि अपरदन, सिंचाई हेतु पानी की कमी तथा समस्याग्रस्त पानी एवं भूमि इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड–I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है। कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का न्यायोचित उपयोग तथा अनुसंधान कार्य एवं कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) द्वारा कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, मूंगफली, सरसों, राजगीरा, गेहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। विश्वस्तरीय निर्यात योग्य फसलें तथा उससे प्राप्त उत्पाद जैसे–जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे–प्याज, लहसुन, गाजर, आलू, नई क्षमतावान फसलों जैसे–चिया, क्विनोआ, कैमोमाइल, चिकोरी आदि पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर प्रारम्भ किया गया हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ आठ कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर–नागौर, अठियासन–नागौर, फलौदी–जोधपुर, केशवाना–जालोर, बामनवाड़ा–जालोर, गुड़ामालानी–बाड़मेर, सिरोही एवं रायपुर–पाली) किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा नवीन तकनीकों की जानकारी व कृषि संबंधित समस्याओं का निराकरण करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय में शिक्षा का कार्य छः महाविद्यालयों में किया जा रहा हैं। इनमें चार कृषि महाविद्यालय जोधपुर, सुमेरपुर–पाली, नागौर तथा बायतु–बाड़मेर कृषि संकाय के अधीन कार्यरत है। कृषि अभियांत्रिकी संकाय के अधीन एक प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियंत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर और डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय के अधीन एक डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर में संचालित किया जा रहा हैं। इसके अतिरिक्त एक निजी कृषि महाविद्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गई है। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में स्नात्तक, स्नातकोत्तर तथा विद्या वाचस्पति शिक्षण स्तर तथा अन्य महाविद्यालयों में स्नात्तक स्तर का शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों हेतु बजट (वित्तीय व्यवस्था) राज्य सरकार की योजना, गैर–योजना तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

1.1 विश्वविद्यालय के उद्देश्य

(क) अध्ययन की विभिन्न विधाओं में, विशिष्टतः कृषि, उद्यानिकी व मत्स्य पालन में शिक्षा प्रदान करने के लिए उपबंध करना।

(ख) विशिष्टतः कृषि एवं अन्य सहबद्ध विज्ञानों में शिक्षा का अभिवर्धन और अनुसंधान करना।

(ग) ऐसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों की विस्तार शिक्षा को बढ़ावा देना जिससे राज्य की ग्रामीण जनता को लाभ मिले।

(घ) ऐसे अन्य उद्देश्य जिन्हें विश्वविद्यालय समय–समय पर अवधारित करे।

1.1.1 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधिकारी

क्र. सं.	पदनाम	कार्यरत अधिकारी का नाम	समयावधि
1	कुलपति	प्रो. बी.आर.चौधरी	22.08.2019 से 22.08.2022
		डॉ. के.एल.श्रीवास्तव (अति. प्रभार)	22.08.2022 से 30.09.2022
		प्रो. बी.आर.चौधरी	30.09.2022 से लगातार
2	कुल सचिव	श्री अरूण कुमार पुरोहित, R.A.S. (अति. प्रभार)	01.05.2020 से 13.06.2022
		श्रीमती प्रियंका बिश्नोई, R.A.S.	13.06.2022 से 07.11.2022
		श्रीमती अंजली यादव, R.Ac.S (Link Officer)	08.11.2022 से लगातार
3	वित्त नियंत्रक	श्रीमती अंजली यादव	16.10.2021 से लगातार
4	भू–सम्पदा अधिकारी	श्री जगदीश सिंह कच्छवाहा	24.08.2019 से लगातार
5	निदेशक – अनुसंधान	डॉ. एस. डी. रतनू	27.09.2021 से लगातार
6	निदेशक – प्रसार शिक्षा	डॉ. ईश्वर सिंह	24.10.2017 से लगातार
7	निदेशक – प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन	डॉ. ईश्वर सिंह	05.08.2021 से 29.06.2022
		डॉ. मनमोहन सुन्दरिया	29.06.2022 से लगातार
8	निदेशक – मानव संसाधन विकास	डॉ. वी. एस. जैतावत	22.11.2017 से 25.06.2022
		डॉ. जे.आर. वर्मा	25.06.2022 से लगातार
9	निदेशक – शिक्षा	डॉ. सीताराम कुम्हार	01.09.2021 से लगातार
10	निदेशक – छात्र कल्याण	डॉ. वी. एस. जैतावत	06.09.2019 से लगातार
11	अधिष्ठाता– कृषि महाविद्यालय, जोधपुर	डॉ. सीताराम कुम्हार	01.09.2021 से लगातार
12	विशेषाधिकारी – कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर	डॉ. आर. एल. भारद्वाज	26.09.2021 से 30.04.2022
	अधिष्ठाता – कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर	डॉ. आर. एल. भारद्वाज	30.04.2022 से लगातार
13	विशेषाधिकारी – कृषि महाविद्यालय, नागौर	डॉ. रामदेव सुतालिया	30.09.2021 से 09.03.2022
	अधिष्ठाता– कृषि महाविद्यालय, नागौर	डॉ. रामदेव सुतालिया	09.03.2022 से लगातार
14	अधिष्ठाता– कृषि महाविद्यालय, बायतु	डॉ. उम्मेद सिंह	06.08.2021 से लगातार
15	विशेषाधिकारी – डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय, जोधपुर	डॉ. बनवारी लाल	26.10.2020 से लगातार
16	विशेषाधिकारी – कृषि अभियांत्रिकी संकाय, जोधपुर	डॉ. एस. के. मूण्ड	02.07.2021 से लगातार
17	परीक्षा नियंत्रक	डॉ. मनमोहन सुन्दरिया	06.09.2019 से लगातार
18	अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज)	डॉ. सीताराम कुम्हार	29.06.2020 से 27.06.2022
		डॉ. सेम्यूअल जेब्बरसन	27.06.2022 से लगातार
19	उप कुलसचिव	डॉ. एम. एम. कुमावत	30.4.2020 14.06.2022
		डॉ. प्रदीप पगारिया	04.07.2022 से लगातार

संगठनात्मक ढाँचा

- कुलपति
  - कुल सचिव एवं सचिव प्रबन्ध मण्डल
  - वित्त नियंत्रक एवं सचिव वित्त समिति
  - भू–सम्पदा अधिकारी
  - निदेशक
    - अनुसंधान
    - प्रसार शिक्षा
    - प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
    - मानव संसाधन विकास
    - शिक्षा
    - छात्र कल्याण
    - अनुसंधान
  - परीक्षा नियंत्रक
  - अधिष्ठाता
    - कृषि महाविद्यालय, जोधपुर
    - कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली
    - कृषि महाविद्यालय, नागौर
    - कृषि महाविद्यालय, बायतु–बाड़मेर
    - डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर
    - कृषि प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर

संस्थागत ढाँचा

- शिक्षा
  - कृषि संकाय (4)
    - कृषि महाविद्यालय, जोधपुर, स्थापना–2012
    - कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, स्थापना–2012
    - कृषि महाविद्यालय, नागौर, स्थापना–2015
    - कृषि महाविद्यालय, बायतु, स्थापना–2021
  - डेयरी संकाय → डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर स्थापना–2020
  - कृषि अभियांत्रिकी संकाय → प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर स्थापना–2021
  - किसान एवं कौशल विकास केन्द्र, जोधपुर, स्थापना–2022
- अनुसंधान
  - कृषि अनुसंधान केन्द्र (2)
    - मण्डोर, जोधपुर, स्थापना–1983
    - केशवाना, जालोर, स्थापना–1989
  - कृषि अनुसंधान उप केन्द्र (3)
    - सुमेरपुर, पाली, स्थापना–1972
    - नागौर, स्थापना–1993
    - समदड़ी, बाड़मेर, स्थापना–1995
- प्रसार → कृषि विज्ञान केन्द्र (8)
  - केशवाना, जालोर स्थापना–1985
  - सिरोही, स्थापना–1989
  - अठियासन, नागौर, स्थापना–1992
  - फलौदी, जोधपुर, स्थापना–2012
  - मौलासर, नागौर, स्थापना–2012
  - गुड़ामालानी, बाड़मेर, स्थापना–2012
  - रायपुर, पाली, स्थापना–2021
  - बामनवाड़ा, जालोर, स्थापना–2021

1.3 स्वीकृत, नियुक्त एवं रिक्त पदों का विवरण

राज्य योजना, गैर योजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा संचालित परियोजनाओं एवं विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के पदों का विवरण निम्न प्रकार हैं:–

1.3.1 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर : प्रशासनिक पदों का विवरण (राज्य योजना)

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	कुलपति	1	1	0
2	कुल सचिव	1	0	1
3	वित्त नियंत्रक	1	1	0
4	अधिष्ठाता/निदेशक	5	3	2
5	भू–सम्पदा अधिकारी	1	1	0
6	परीक्षा नियंत्रक	1	0	1
7	अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज)	1	0	1
8	पुस्तकालयाध्यक्ष	1	0	1
9	सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	1	0	1
10	उप कुलसचिव	1	0	1
11	सहायक कुलसचिव	1	0	1
12	विधि अधिकारी	1	0	1
13	सहायक अभियन्ता (सिविल)	1	0	1
14	कोषाधिकारी	1	0	1
15	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	2	0	2
	कुल योग	**20**	**6**	**14**

1.3.2 शैक्षणिक पदों का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	आई.सी.ए.आर.अनु. परियोजना, पी.सी. इकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	आयोजना मद (State Plan)	गैर–आयोजना मद (Non-Plan)	कुल योग		
					स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	आचार्य	0	15	3	18	2	16
2	सह–आचार्य/वरिष्ठ वैज्ञानिक	15	33	17	65	28	37
3	सहायक आचार्य	12	123	31	166	112	54
4	प्राचार्य/व्याख्याता	0	5	0	5	0	5
5	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	0	5	0	5	0	5
	कुल योग				**259**	**142**	**117**

1.3.3. तकनीकी एवं अशैक्षणिक पदों का परियोजनात्मक विवरण

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	आई.सी.ए.आर. अनु. परियोजना, पी.सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	147	83	64
2	राज्य योजना	204	62	142
3	गैर योजना	47	22	25
	कुल योग	**398**	**167**	**231**

विश्वविद्यालय में कुल 677 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से वर्तमान में 315 पद नियुक्त हैं तथा शेष 362 पद रिक्त हैं। कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय सेवा छोड़ने तथा सेवानिवृति के कारण गणना में आंशिक अन्तर सम्भव हैं।

1.4 प्रमुख विभागीय कार्य तथा वर्ष में प्रत्येक कार्य के समदर्श प्रगति

विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों में से प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद् तथा वित्त समिति की विभिन्न बैठकों में लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नानुसार हैं :–

1.4.1 प्रबंध मंडल

1.4.1.1 प्रबंध मंडल की बैठकें

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबन्ध मण्डल की पन्द्रहवीं, सोलहवीं, सत्रहवीं तथा अठारहवीं बैठक क्रमशः दिनांक 10.2.2022, 28.2.2022, 17.5.2022 व 10.8.2022 को आयोजित की गई। इनमें निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए –

* कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की विद्या परिषद् की सोलहवीं बैठक दिनांक : 07.02.2022 तथा सत्रहवीं बैठक दिनांकः 13.05.2022 के कार्यवृत्त विवरण (Minutes) पर विस्तृत चर्चा उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अनुसंधान परिषद् (Research Council) की छठी बैठक दिनांकः 24.12.2021 तथा सातवीं बैठक दिनांकः 05.08.2022 के कार्यवृत विवरण (Minutes) में उल्लेखित सभी एजेण्डा बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की प्रसार शिक्षा परिषद् (Extension Education Council) की छठी बैठक दिनांकः 24.12.2021 तथा सातवीं बैठक दिनांक : 05.08.2022 के कार्यवृत विवरण (Minutes) का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का अन्य संस्थानों, विश्वविद्यालयों व विभागों के साथ आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं अनुसन्धान में सतत् विकास हेतु किए गए विभिन्न समझौता ज्ञापनों (MoU's) का अवलोकन के बाद सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा शैक्षणिक संवर्ग के सीधी भर्ती (Direct Recruitment vide Advt No. AUJ/2021/01 dated 17.09.2021) एवं कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (CAS) के तहत् पदोन्नति हेतु दिनांक 25.02.2022 से 28.02.2022 तक आयोजित साक्षात्कार में चयन समिति द्वारा पद एवं विषयावार अनुशंसित अभ्यर्थियों के सीलबंद लिफाफों को खोलकर इनके चयन का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबन्ध मण्डल की पाँचवी बैठक के विशेष एजेण्डा आईटम : कृ.वि.जोध/बोम/2017–18/39 में अनुमोदित निर्णय को अधिक्रमित (Supersede) करते हुए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में सीधी भर्ती द्वारा शैक्षणिक संवर्ग में चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण से कम से कम 2 वर्ष की सेवा की अनिवार्यता रखी जाये, इसके लिये चयनित अभ्यर्थी से कार्यग्रहण करते समय नॉन–ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर 5.00 लाख रूपये (अक्षरे पाँच लाख रूपये) का सेवा बंध (Service Bond) भरवाया जाये। यह बंध पत्र चयनित अभ्यर्थी से इस शर्त के साथ संपादित करवाया जाये कि वह विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण से दो वर्ष की अवधि तक विश्वविद्यालय की सेवा नहीं छोड़ेगा, यदि वह दो वर्ष से पूर्व सेवा छोड़ता है तो उसे विश्वविद्यालय कोष में राशि 5.00 लाख रूपये जमा करवाना अनिवार्य होगा, चाहे वह अभ्यर्थी Lien Period में भी आया हो।

* कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की वित्त समिति की बैठक दिनांक : 13.05.2022 के कार्यवृत्त विवरण में सभी एजेण्डा बिन्दुओं पर चर्चा उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के भू–सम्पदा अधिकारी कार्यालय से विभिन्न निर्माण कार्य सुचारू रूप से करवाने हेतु सार्वजनिक निर्माण

विभाग के अधिशाषी अभियंता स्तर के अधिकारी को निर्माण विभाग के लिए वित्त विभाग की PWF & AR की Schedule of Power (SoP) की समस्त सम्बन्धित शक्तियां विश्वविद्यालय के भू–सम्पदा अधिकारी को प्रदान करने के आदेश क्रमांकः 4805 दिनांक 27.11.2020 का अनुमोदन सर्वसम्मति से किया गया। इसी प्रकार अधिशाषी अभियंता स्तर से उच्च अधिकारियों के वित्त विभाग की PWF & AR की Schedule of Power (SoP) की समस्त सम्बन्धित शक्तियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्माण कार्यों के लिए गठित कमेटी के आदेश क्रमांकः 7390 दिनांक 27.03.2021 का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल द्वारा सहायक आचार्य एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ के पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या AUJ/2022/02 & 03 दिनांक 13 जनवरी, 2022 के अनुसरण में दिनांक 03.05.2022 से 17.05.2022 तक आयोजित साक्षात्कार में चयन समिति द्वारा पद एवं विषयवार अनुशंसित अभ्यर्थियों के सीलबंद लिफाफों को खोलकर इनके चयन का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। इस अनुमोदन उपरांत कुलसचिव कार्यालय द्वारा संबंधित पद एवं विषयवार नियुक्ति आदेश जारी किए गए।

* प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में नियमित आगामी कुलपति की नियुक्ति हेतु चयन समिति के लिए प्रो. ए.के. गहलोत, पूर्व कुलपति, RAJUVAS, Bikaner को बोर्ड के सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से नामित किया गया।

* प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में विभिन्न शैक्षणिक पदों पर भर्ती हेतु स्कोर कार्ड, शैक्षणिक योग्यता तथा स्क्रीनिंग पैटर्न में पुनरीक्षण/परिशोधन हेतु एक कमेटी गठित कर उसके माध्यम से किये जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के सदस्यों द्वारा डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर तथा प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर के भवन एवं अवसंरचना निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा सावंत कुआं कलां में आवंटित भूमि पर किये जाने तथा यह कार्य, कार्यालय भू–संपदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से कराये जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के माननीय सदस्यों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर (पाली) तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बामनवाड़ा (जालोर) के भवन एवं अवसंरचना निर्माण कार्य भू–संपदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर कार्यालय से किए जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के उपस्थित सदस्यों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से कृषि महाविद्यालयों की सम्बद्धता हेतु नियमों में स्पष्टीकरण हेतु एक कमेटी का गठन किये जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* प्रबंध मण्डल के माननीय सदस्यों द्वारा उक्त वर्णित बैठकों के एजेण्डा बिन्दु अनुसार प्रशासनिक कार्यालय द्वारा जारी किये गये विभिन्न अहम आदेशों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

1.4.2 अकादमिक परिषद् एवं अध्ययन मण्डल

1.4.2.1 अकादमिक परिषद् की बैठकें

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अकादमिक परिषद् की सोलहवीं तथा सत्रहवीं बैठक क्रमशः दिनांकः 07.02.2022 व 13.05.2022 को आयोजित की गई। इन बैठकों में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए –

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डल की चौथी बैठक दिनांकः 01.02.2022 के कार्यवृत विवरण का विस्तृत चर्चा उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अकादमिक परिषद् में मिड–टर्म परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को बाहरी परीक्षकों/गेस्ट फैकल्टी द्वारा जांच करने के बाबत् मानदेय राशि रूपये 10/– प्रति उत्तर पुस्तिका किए जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह हेतु 163 छात्रों जिसमें स्नातक 136, स्नाकोत्तर 25 व विद्या वाचस्पति 02 की उपाधियों को सहानुभूति पूर्वक प्रदान किए जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को स्नातक में 01 स्वर्ण पदक तथा स्नाकोत्तर में 06 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को पारित किया गया।

* विश्वविद्यालय में मिड टर्म तथा अंतिम टर्म परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीकृत मूल्यांकन हेतु हाइब्रिड व्यवस्था लागू किए जाने के प्रस्ताव को पारित किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में पौध व्याधि विषय में विद्या वाचस्पति कोर्स की 02 सीटों पर प्रारंभ किए जाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा JET, Pre- PG and Ph.D. Entrance Examination-2022 के आयोजित किए जाने हेतु पाठ्यक्रम तथा सामान्य दिशा–निर्देश पुस्तिकाओं का अनुमोदन किया गया। इस प्रक्रिया में शुल्क एवं विभिन्न गतिविधियों में शामिल कार्मिकों को मानदेय के प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2021–22 के स्नातक एवं स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों में देरी से प्रवेशित छात्रों को प्रथम सेमेस्टर की मध्यावधि परीक्षा में छूट प्रदान कर इसके अंक अंतिम परीक्षा परिणा में समानुपात रूप से प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

* कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में अकादमिक सत्र 2022–23 में स्नातक पाठ्यक्रम में 60 विद्यार्थियों का एक अतिरिक्त बैच प्रारम्भ किए जाने के प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी, उदयपुर तथा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अनुरूप ही कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में भी स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष से उच्चतर कक्षा में प्रोन्नति हेतु न्यूनतम आवश्यक OGPA अंक क्रमशः 4.0, 4.5, 4.75 अधिगृहित किए जाने के प्रस्ताव को पारित किया। यह भी निर्णय किया गया कि अकादमिक सत्र 2021–22 से विद्यार्थी को स्नातक (कृषि ऑनर्स) उत्तीर्ण के लिए संपूर्ण डिग्री अवार्ड के लिए न्यूनतम 5.0 OGPA अंक प्राप्त करना अनिवार्य किया गया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा अकादमिक सत्र 2022–23 से स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों शस्य विज्ञान, पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी, उद्यानिकी, पौध व्याधि विज्ञान, कीट विज्ञान और प्रसार शिक्षा में अतिरिक्त 02–02 सीटें बढाने एवं साथ ही विद्या वाचस्पति कीट विज्ञान पाठ्यक्रम में 02 सीटों पर प्रारंभ किए जाने के प्रस्ताव को सर्व सहमति से अनुमोदित कर दिया।

* अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी संकाय के अधीन महाविद्यालय का नाम ''प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर'' के रूप में परिवर्तित करने तथा डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय के अधीन महाविद्यालय को ''डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर'' के रूप में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को सदन द्वारा सर्व सम्मति से पारित किया गया।

* कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में कृषि अभियांत्रिकी के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में तथा कृषि सांख्यिकी की केवल प्रायोगिक परीक्षा में केल्कुलेटर के प्रयोग के प्रस्ताव को अकादमिक परिषद् की बैठक में सर्वसहमति से पारित किया गया।

1.4.3 अनुसंधान परिषद्

1.4.3.1 अनुसंधान परिषद् की बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अनुसंधान परिषद् की छठी तथा सातवीं बैठक क्रमशः दिनांक 24.12.2021,

05.08.2022 को आयोजित की गई। इन बैठकों में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए –

* अनुसंधान परिषद् के सदस्यों ने खरीफ–2020 तथा रबी 2020–21 फसल की प्रगति रिपोर्ट की अनुशंसाओं का अनुमोदन तथा आरकेवीवाई योजना के तहत उत्पादों के परीक्षण हेतु प्राप्त वित्तीय सहयोग का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

* विश्वविद्यालय में बीज उत्पादन कार्य कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा उचित किस्मों के माध्यम से किया जावे जिससे विश्वविद्यालय की आय में बढ़ोतरी की जा सके।

* अनुसंधान परिषद् के सदस्यों ने विश्वविद्यालय में खरीफ–2022 तथा रबी 2021–22 के अनुसंधान प्रयोगों के संबंध में निम्नलिखित सुझावों का अनुमोदन किया –

- विश्वविद्यालय के अन्तर्गत अनुसंधान में मूंग व चना की यांत्रिकी कटाई वाली किस्मों का परीक्षण किया जाये।
- विभिन्न फसलों की बायो–फोर्टिफाइड किस्मों को PoP में शामिल किया जाये।
- नैनो यूरिया एवं अन्य जैविक उर्वरकों पर अनुसंधान कार्य किया जाये।
- ड्रोन के माध्यम से छिड़काव किए जाने वाले कीटनाशकों तथा दूसरे द्रव्य जैव रसायनों की मात्रा का प्रमाणीकरण किया जाये।
- लवणीय पानी में उगाई जाने वाली विभिन्न फसल तकनीकों का विकास किया जाये।
- सौंफ एवं मेहन्दी पर अनुसंधान कार्य किया जाये।
- प्लास्टिक कल्चर पर प्रयोग किए जाये।
- संग्रहित अनाजों में लगने वाले कीटों के नियंत्रण पर अनुसंधान शुरू किया जाये।

* अनुसंधान परिषद् के सदस्यों ने विश्वविद्यालय में खरीफ–2022 तथा रबी 2022–23 के अनुसंधान प्रयोगों के संबंध में निम्नलिखित सुझावों का अनुमोदन किया –

- जैविक कृषि हेतु शुद्ध जैविक रसायनों का प्रयोग तथा समन्वित खेती प्रणाली की पहुंच का समावेश करते हुए अनुसंधान किया जाये।
- कृषि वानिकी पर अनुसंधान प्रारंभ किया जाये।
- VAM कवकों को शामिल करते हुए जैविक उर्वरकों पर अनुसंधान शुरू किया जाये।
- ऊत्तक संवर्धन प्रयोगशाला की स्थापना किए जाने का प्रयास किया जाये।
- फसल अवशेष परीक्षण प्रयोगशाला को ओर अधिक क्रियाशील बनाया जाये।
- मेहन्दी काटने वाले यंत्र को विकसित किया जाये।
- अनुसंधान परिषद् की बैठक में विश्वविद्यालय के अन्तर्गत बीज उत्पादन कार्यक्रम में नवीनतम किस्मों का समावेश किया जाये।
- इफको के द्वारा प्रायोजित/वित्त पोषित नैनो–उर्वरक पर अनुसंधान परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया।

1.4.4 प्रसार शिक्षा परिषद्

1.4.4.1 प्रसार शिक्षा परिषद् की बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की विस्तार शिक्षा परिषद् की छठी तथा सातवीं बैठक क्रमशः दिनांक 24.12.2021, 05.08.2022 को आयोजित की गई। इन बैठकों में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए –

* प्रसार शिक्षा परिषद् की बैठकों में सदस्य सचिव–निदेशक प्रसार शिक्षा द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा आयोजित संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षणों, प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों, विचार गोष्ठी, प्रक्षेत्र दिवसों, कृषक वैज्ञानिक संवाद एवं अन्य क्रियाकलापों का विवरण प्रस्तुत किया।

* वर्ष 2021 में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कुल 9304 किसानों को तथा 2787 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन का आयोजन किए जाने का विवरण की चर्चा की गई।

* बैठक में सदस्य सचिव–निदेशक प्रसार शिक्षा ने सदन को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा, आईसीएआर स्थापना

दिवस आदि कार्यक्रम सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किए गए। इसके साथ ही केवीके, गुड़ामालानी, बाड़मेर–II द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से 02 कृषि मेले क्रमशः दिनांक 06.03.2021 तथा 13.11.2021 को सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

* परिषद् के सदस्य डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, अटारी, जोधपुर जोन–II ने सुझाव दिया कि सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर गाय, मुर्गी एवं बकरी पालन की मॉडल युनिट की स्थापना की जाये।

* प्रसार शिक्षा परिषद् की बैठक में माननीय कुलपति महोदय द्वारा निम्नलिखित सुझाव प्रदान किए गये –

- जिन कृषि विज्ञान केन्द्रों पर संभव हो सके, वहां पर मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जाये।
- कृषक सहभागिता कर बीज उत्पादन को बढ़ावा दिया जाये, जिससे विश्वविद्यालय की आय में बढ़ोतरी की जा सके।
- केवीके पर डेयरी यूनिट की स्थापना की जाये तथा गाय की स्थानीय नस्लों को बढ़ावा दिया जाये।

* परिषद् के माननीय सदस्य डॉ. अमर सिंह फड़ोदा ने यह सुझाव प्रदान किए कि जैविक कृषि तुलनात्मक रूप से तीन मुख्य उपचारों यथा– खेतों में जैविक पोषक तत्व प्रबंधन का अभ्यास, शुद्ध रासायनिक उर्वरक व शुद्ध जैविक अभ्यास किया जाये। साथ ही यह बताया कि पश्चिमी राजस्थान के कृषकों को कृषि वानिकी तंत्र का प्रचलन किया जावें।

* प्रो. टी. एस. राठौड़ ने सुझाव दिया कि केन्द्रों पर फसल कैफेटेरिया एवं मशरूम यूनिट की स्थापना की जाये। साथ उन्होंने यह बताया कि जैविक उर्वरक तथा ट्राइकोडर्मा के खेती में बढ़ावा देने के प्रयास किए जाये।

* डॉ. एल.एन. हर्ष ने सुझाव दिया कि कृषि स्नातक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत READY प्रोग्राम को गंभीरता से एवं अधिक रूचिपूर्वक अपनाने पर जोर दिया जाय।

* डॉ. एम.एस. मीणा ने सुझाव दिया कि केवीके वेबसाईट एवं केवीके पोर्टल का समय–समय पर अद्यतन किया जावे।

* माननीय कुलपति ने सुझाव दिया कि पश्चिमी राजस्थान में जो सब्जी उत्पादक किसान है, उनमें जैविक खेती का प्रचार–प्रसार किया जाये तथा साथ ही कृषि उन्नत तकनीकियों का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसार किया जाये।

1.4.5 वित्तीय लेखा समिति

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन शिक्षा, प्रसार शिक्षा एवं अनुसंधान से सम्बन्धित ईकाइयों के लिये वित्त वर्ष 2022–23 के परियोजनावार एवं संस्थावार बजट प्रावधान एव दिसम्बर 2022 तक हुए व्यय का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैं :–

क्र.सं.	बजट मद	बजट प्रावधान (रूपये लाखों में)	दिसम्बर 2022 तक व्यय (रूपये लाखों में)
1	राज्य आयोजना मद	5161.50	2360.50
2	ए.आई.सी.आर.पी. प्रोजेक्ट (AICRP)	170.80	72.50
3	पी. सी. यूनिट (बाजरा) मण्डोर	296.00	162.28
4	समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK's)	752.50	510.70
5	एम.आई.डी.एच. परियोजना (MIDH Project)	21.70	10.81
6	अन्य परियोजनाएं (अनुसंधान केन्द्रों एवं केवीके पर संचालित	120.00	79.50

2. अनुसंधान

2.1 संस्थागत ढांचा

कृषि अनुसंधान निदेशालय का मुख्य कार्य प्रयोगों की योजना, समन्वय, निगरानी एवं आवश्यकता जनित कृषि उत्पादन प्रौद्योगिकी का विकास करना हैं। इस हेतु कृषि जलवायु खण्ड की कृषि आवश्यकताओं के अनुसार शोध कार्य किये जा रहे हैं। अनुसंधान कार्य के लिए निदेशालय विभिन्न स्त्रोतों से वित्तीय सहायता के लिए प्रयास करता है।

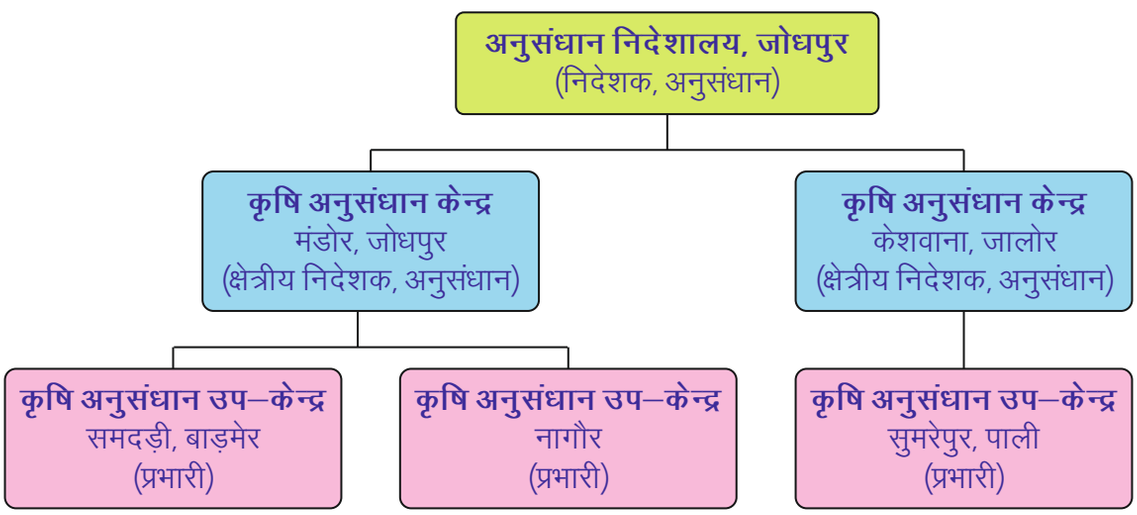

2.2 कार्यक्षेत्र व प्रमुख कार्य

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के क्षेत्राधिकार में 6 जिले आते हैं। जिसमें कृषि जलवायवीय खण्ड–I अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) में बाड़मेर व जोधपुर जिले, खण्ड–II ब (लूणी नदी का अंतर्वर्ती मैदानी क्षेत्र) में पाली, सिरोही व जालोर जिले तथा खण्ड–II अ (अंतर्क्षेत्रीय जलोत्सरण के अंतर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में नागौर जिला शामिल हैं। निदेशालय के प्रत्येक केन्द्र एवं उप केन्द्र के लिए उस क्षेत्र की कृषि परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए नेतृत्व एवं सत्यापीकरण उत्तरदायित्व निर्धारित हैं।

2.3 अनुसंधान निदेशालय के प्राथमिक कार्य क्षेत्र

- प्रमुख खरीफ एवं रबी फसलों की उपयुक्त किस्मों की पहचान, विकास व उन्नत उत्पादन तकनीक विकसित करना।
- विभिन्न फसलों के लिए दबाव सिंचाई प्रणाली का स्वचलनीकरण करना।
- विभिन्न सब्जियों, मसालों एवं औषधीय फसलों में जैविक कृषि तकनीक विकसित करना।
- बागवानी फसलों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकीं का विकास करना।
- कृषि जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु कार्य करना।
- विभिन्न कृषि क्रियाओं का मशीनीकरण कर लागत कम करना।
- प्रजनन एवं उन्नत बीज उत्पादन करना।

2.4 प्रमुख उपलब्धियाँ

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति इस समिति के द्वारा आवश्यकता आधारित अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना बनाने और उत्पादन सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है। जेड.आर.ई.ऐ.सी. द्वारा राज्य के कृषि जलवायु

खंड–I अ व II ब के संकुल कृषि प्राविधिकाओं (पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज) हेतु सिफारिश की गई प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित है :–

2.4.1 खरीफ 2022

1. निम्नलिखित किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया–

- मूंग – केशवानंद मूंग 1
- मोठ – आर एम् ओ 2251

2. मूंग में उपज वृदि हेतु जीवामृत (10 प्रतिशत) घोल का बुवाई के 25 से 30 दिन की अवस्था पर पर्णीय छिड़काव करना चाहिए।

3. तिल के प्रमुख रोगों के प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा 10 ग्राम प्रति किग्रा की दर से बीज उपचार तथा 2.5 किग्रा *ट्राइकोडर्मा* + 100 किग्रा वर्मीकम्पोस्ट के मिश्रण का 250 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से कूंड में प्रयोग और खड़ी फसल में 30–35 दिन व 50–60 दिन की अवस्था पर टेबुकोनाज़ोल 50 प्रतिशत + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25 प्रतिशत के पूर्व मिश्रित उत्पाद का 0.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

4. मूंग में फली बेधक कीट के नियत्रण हेतु इण्डोक्साकार्ब 14.5 एससी का 500 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए।

5. मोठ के *सर्कोस्पोरा* लीफ स्पॉट रोग प्रबंधन के नियत्रण हेतु पाइराक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम + एपॉक्सीकोनाज़ोल 50 ग्राम के पूर्व मिश्रित उत्पाद का 1.5 मिली प्रति लीटर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

6. ग्वार में *अल्टरनेरिया* ब्लाइट के नियत्रण हेतु टेबुकोनाज़ोल 250 ईसी का 0.1 प्रतिशत का पर्णीय छिड़काव करना चाहिए।

7. अरंडी के विभिन्न रोगों एवं कीटों की रोकथाम के लिए बुआई से पहले मृदा में नीम की खली 250 किलोग्राम प्रति हेक्टयर एवं वर्मीकम्पोस्ट 2 टन प्रति हेक्टयर की दर से मिलाना चाहिए। बीज का उपचार *ट्राईकोडर्मा विरिड़ी* 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करना चाहिए । पत्तियों पर छिडकाव के लिए नीम का तेल 5 मिलीलिटर प्रति लीटर पानी में दो बार क्रमशः 75 और 130 दिन की फसल पर करना चाहिए । आवश्यकता पड़ने पर एक हजार लीटर पानी में डीनोकेप 1.0 लीटर एवं मेलाथियान 2.5 लीटर प्रति हेक्टयर की दर से छिडकना चाहिए ।

8. प्याज की फसल में 120 किलो नत्रजन, 60 किलो फॉस्फोरस, 60 किलो पोटाश और 30 किलो गंधक के चूर्ण प्रति हैक्टर सिफारिश की गई।

9. खरीफ प्याज की वृद्धि व विकास के लिए कीट निरोधक नेट में नर्सरी बनाना उचित पाया गया।

10. प्याज की फसल में आवश्यक उर्वरक की 80 प्रतिशत मात्रा बूंद–बूंद सिचाई पद्धति द्वारा 2.5 दिन के अंतराल से 2.5 घंटे तक सिचाई के द्वारा देना उपयुक्त पाया गया।

11. तिल में पर्णीय रोगों के प्रबन्धन हेतु पायरोक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम/लीटर इपोक्सीकोनाजोल 50 ग्राम/लीटर एस. ई. के मिश्रण अथवा टेबूकोनाजोल 50 प्रतिशत + ट्राईफ्लोक्सिस्टोबिन 25 प्रतिशत के मिश्रण का 0.1 प्रतिशत का छिड़काव प्रभावी पाया गया।

12. मूंग में खरपतवार प्रबंधन के लिए फोमसेफेन 11.1 प्रतिशत + फ्लूजीफॉप पी–ब्यूटाइल 11.1 प्रतिशत एसएल का 220 ग्राम और प्रोपाक्विज़ाफोप 2.5 प्रतिशत + इमाज़ेथापायर 3.75 प्रतिशत का 135 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर का छिड़काव प्रभावी पाया गया।

13. तिल में वेब वर्म (*एंटीगैस्ट्रा कैटालोनेलिस*) के खिलाफ *बिवेरिया बेसियाना* ($1X10^8$ बीजाणु/एमएल) की 5 ग्राम/लीटर (500 लीटर पानी/हेक्टेयर) का छिड़काव जैविक तिल की खेती में प्रभावी पाया गया।

14. रोहिड़ा, *टेकोमेला अंडुलाटा* की अच्छी वृद्धि प्राप्त करने के लिए 8–9 मिमी मोटाई वाला 20–25 सेमी लम्बा स्टंप प्लांट (2–5 सेमी स्टेम और 15–20 सेमी टैप रूट) के रोपण की सिफारिश की जाती है।

2.4.2 रबी 2022–23

1. निम्नलिखित किस्मों को संकुल कृषि प्राविधिकाओं (पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज) में शामिल किया गया

- गेहुँ – एच आई 1605 (क्षारीय मृदा व क्षारीय सिंचाई (पी.एच 8.5 व ईसी 6.5 तक) के लिए)
- चना – सी.एस.जे. 515

2. कैमोमाइल की बुवाई और फसल ज्यामिति की अनुकूल तिथि 25 अक्टूबर और 40x10 सेमी. पाई गई।

3. सरसों की फसल में स्कलेरोटीनिया तना सड़न व सफेद रोली रोग के प्रबंधन हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू. पी. का 2 ग्राम प्रति किग्रा की दर से बीजोपचार व रोग दिखाई देते ही मैंकोजेब 75 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. डेढ़ से दो किलो प्रति हैक्टर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें अथवा मेटालैक्सिल 8 प्रतिशत + मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. के मिश्रण का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर प्रथम छिड़काव तथा ट्राईफ्लोक्सिस्टोबिन 25 प्रतिशत + टेबूकोनाजोल 50 प्रतिशत के मिश्रण का 0.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से दूसरा छिड़काव करें।

4. सरसों में मोयला के जैविक प्रबंधन हेतु नीम की खली 150 किलो प्रति हैक्टर की दर से भूमि में मिलावें तथा खड़ी फसल में प्रकोप होने पर गौमूत्र 10 प्रतिशत एवं नीम की निम्बोली 5 प्रतिशत की दर के मिश्रण का छिड़काव करें।

5. चने में झुलसा व जड़ गलन प्रबंधन हेतु ट्राईकोडर्मा विरिड़ी का 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार तथा *ट्राईकोडर्मा विरिड़ी* का 2.5 किलोग्राम 100 किलोग्राम गोबर की खाद के साथ मृदा उपचार व नीम खली 250 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर बुवाई के समय तथा पायरोक्लोस्ट्रोबिन 133 जी/एल + इपोक्सीकोनाजोल 50 जी/एल एस.ई. के मिश्रण का 1.5 मिली./लीटर का छिड़काव करें।

6. असालिया की फसल में तुलासिता रोग के निदान हेतु मेटालेक्सिल पाँच ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार व मेटालेक्सिल 8% + मैन्कोजेब 64% दो ग्राम प्रति लीटर की दर से पर्णीय छिडकाव करें।

7. जीरा की फसल में समन्वित रोग प्रबंधन हेतु कार्बेण्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. का 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार एवं *ट्राईकोडर्मा विरिड़ी* का 2.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम गोबर की खाद के साथ मृदाउपचार तथा ट्रांईफ्लोक्सिस्टोबिन 25 प्रतिशत + टेबूकोनाजोल 50 प्रतिशत के मिश्रण का 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव दोहरायें।

8. जीरा की फसल में अल्टरनेरिया झुलसा एवं छाछया रोग के प्रबंधन हेतु नवीन फंफूदनाशी क्रिजोक्सिम मिथायल 15 प्रतिशत + क्लोरोथेलोनिल 56 प्रतिशत के मिश्रण का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी (1250 ग्राम प्रति हेक्टेयर) की दर से रोग की प्रारंभिक अवस्था में छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव दोहरायें।

9. इसबगोल में मोयला के जैविक प्रबंधन हेतु नीम की खली 150 किलो प्रति हैक्टर की दर से भूमि में मिलावें तथा खड़ी फसल में प्रकोप होने पर गौमूत्र 10 प्रतिशत एवं नीम की निम्बोली 5 प्रतिशत की दर के मिश्रण का छिड़काव करें।

10. चिया में जड़ गलन तथा पर्ण एवं तना झुलसा रोग के समंवित प्रबंधन हेतु *ट्राईकोडर्मा विरिड़ी* का 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करे तथा रोग के प्रारम्भिक लक्षण दिखायी देने पर पायरेक्लोस्ट्रोबिन 13.3 प्रतिशत + इपोक्सीकोनाजोल 5 प्रतिशत के मिश्रण का 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें अथवा कार्बेण्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. का 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से बीजोपचार एवं *ट्राईकोडर्मा विरिड़ी* का 2.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम गोबर की खाद के साथ मृदा उपचार करें तथा पायरेक्लोस्ट्रोबिन 55 प्रतिशत + मेटीराम 5 प्रतिशत के मिश्रण का 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव दोहरायें।

11. सरसों व मेथी में चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू) के प्रबंधन के लिए पाइराक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम + एपॉक्सीकोनाज़ोल 50 ग्राम/लीटर एसई का 0.1 प्रतिशत और हेक्साकोनाज़ोल 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें।

12. गेहूं व जौ में दीमक प्रबंधन के लिए खेत की तैयारी के दौरान फिप्रोनिल 0.3 जी 25 किलो/हेक्टेयर की दर से मृदा में मिलावें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल का 2 मिली/किलो बीज अथवा फिप्रोनिल 5 एससी का 6 मिली/किलोग्राम की दर से बीज उपचार करें। खड़ी फसल में 60 दिन की अवस्था पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल का 500 मिली/हेक्टेयर की दर से मृदा में मिलावें।

13. चने में उत्पादकता बढ़ाने के लिए फूल आते समय और फली शुरू होने के समय जिब्रेलिक अम्ल 3 का 100 पीपीएम का पर्णीय छिड़काव करें।

14. गोभी के लिए अनुकूल पोषक तत्व मात्रा नत्रजन – 125 +फॉस्फोरस–60+पोटाश–50+सल्फर–20किग्रा/हेक्टेयर और फसल ज्यामिति 60 सेमी गुना 60 सेमी उपयुक्त पायी गयी।

15. अनार में जड़ गाँठ सूत्रकृमि का प्रबंधन करने के लिए नीम की खली 20 किग्रा + *पेसिलोमाइसेस लिलियासिनस* 20 किग्रा/हेक्टेयर की दर से छंटाई के समय (रूट ज़ोन के पास) डालें।

16. पूरे क्षेत्रफल में अकेले फसलें उगाने के बजाय 70 प्रतिशत में फसलें, 27 प्रतिशत में फल और सब्जियां व 3 प्रतिशत में पशुपालन तथा सीमा रोपण के रूप में अरडु (*ऐलेन्थस एक्सेलसा*) को उगाकर पारंपरिक खेती प्रणाली की तुलना में समन्वित कृषि प्रणाली में लगभग 3 गुना अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

17. लसोड़ा में पते झाड़ने के लिए जनवरी के पहले और दूसरे सप्ताह के दौरान ईथेरल 4 मि.ली./लीटर की दर से पर्णीय छिड़काव करें।

18. लवणीय पानी का उपयोग सिंचाई के उद्देश्य से सावधानीपूर्वक करने के लिए जैविक मल्चिंग का उपयोग करना चाहिए ताकि मिट्टी में लवण की मात्रा फसल की जड़ क्षेत्र में सबसे कम रहें और ऐसी किस्मों (सीएस 60, एनआरसीएचबी 101, गिरीराज) का चयन उचित रहेगा जो लवण का अवशोषण करके मिट्टी में लवण की मात्रा का संतुलन बनाए रख सके।

19. जीरे की फसल में झुलसा रोग नियंत्रण हेतु टेब्यूकोनाज़ोल 25 प्रतिशत का 500 ग्राम प्रति हेक्टर तथा पायरक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम लीटर + इपोक्सीकोनाजोल 50 ग्राम प्रति लीटर के मिश्रण का 750 ग्राम प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।

2.5 नई विकसित उन्नत किस्म/ जीन प्रारूप

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र व कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के संयुक्त प्रयासों से राया (Mustard) में टीजेएम 1 व टीजेएम 2 द्वारा किस्में। इसके अतिरिक्त कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर अरण्डी विकसित की गई है। आर.एच.सी. 2 तथा तिल की आर.टी. 372 किस्में भी विकसित की गई है।

भा.कृ.अनु.प.– अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, परियोजना समन्वयक इकाई द्वारा शंकर बाजरा की किस्म एम.पी.एम.एच. 35 विकसित की गयी।

एम.पी.एम.एच. 35

- बीज उपज : 2190 किग्रा प्रति हैक्टेयर।
- सूखे चारे की उपज : 5191 किग्रा प्रति हैक्टेयर।

- ❖ फूल आने का समय : 43–45 दिन
- ❖ पकाव अवधि : 73–76 दिन
- ❖ आयरन व जिंक : 46.0 व 35.0 पीपीएम
- ❖ प्रोटीन व वसा : 12.6 व 5.6 प्रतिशत

आर.टी.–372

❖ पकाव की अवधि : 85 से 87 दिन

❖ इस किस्म के बीज सफेद चमकीले होते है, इसके बीजों में 48 प्रतिशत तेल की मात्रा व 1000 बीजों का भार 3.1 ग्राम तक होता है।

❖ औसत उपज : 600–800 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर। यह किस्म में बीमारियों, पर्ण कुंचन, फिलोडी, तना व जड़ गलन एवं फली छेदक कीड़े के लिए सहनशील या मध्यम प्रतिरोधी होती हैं तथा तथा *अल्टरनेरिया* व *स्कोस्पोरा* पत्ती धब्बा व चूर्णी फफूंद रोगों के लिए प्रतिरोधक हैं।

टी.जे.एम. 1

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र व कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के संयुक्त प्रयासों से विकसित उन्नत जीनप्रारूप जिसका राजस्थान के ज़ोन 1ए व 2बी में पिछले पांच वर्षों से

परीक्षण किया गया। अभी हाल ही में राज्य किस्म मूल्यांकन समिति द्वारा इस जीनप्रारूप को पहचाना (Identify) गया है:

- ❖ औसत उपज : 18–20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर।
- ❖ पकाव अवधि : 120–125 दिन
- ❖ तेल की मात्रा : 39–40 प्रतिशत
- ❖ हजार दानों का वजन (औसत) : 5.16 ग्राम

टी.जे.एम. 2

यह उन्नत जीन प्रारूप भी भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र व कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के संयुक्त प्रयासों से विकसित किया गया है। राजस्थान के ज़ोन 1ए व 2बी में पिछले पांच वर्षों से इसका परीक्षण किया गया। अभी हाल ही मे राज्य किस्म मूल्यांकन समिति द्वारा इस जीनप्रारूप को भी पहचाना (Identify) गया है।

- औसत उपज : 18–20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।
- पकाव अवधि : 120–125 दिन
- तेल की मात्रा : 39–39.5 प्रतिशत
- हजार दानों का वजन (औसत) : 5.37 ग्राम

आर.एच.सी. 2

यह संकर किस्म कृषि अनुसधान केन्द्र मण्डोर में अखिल भारतीय समन्वित अरण्डी सुधार परियोजना के अंतर्गत विकसित की गयी हैं। राज्य किस्म मूल्यांकन समिति द्वारा इस जीनप्रारूप की भी पहचान (Identify) की गयी है।

- पकाव की अवधि : 210 दिन
- औसत उपज : 37–38 क्विंटल प्रति हैक्टेयर (सिंचित)
- उखटा व जड. गलन रोग के प्रति रोधी
- हरा तेला के प्रति सहनशील

2.6 नवीन अनुसंधान कार्य

2.6.1. विकसित की जा रही उन्नत किस्में

आर.एम.वाय.एस. 1

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा विकसित पीली सरसों का बाई लोक्युलर उन्नत जीन प्रारूप जिसका पिछले तीन वर्ष से राजस्थान के ज़ोन 1ए व 2बी में परिक्षण किया जा रहा है। राजस्थान की परिस्थितियों में यह जीन प्रारूप अच्छी उपज देता है।

- औसत उपज : 18–20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर।
- पकाव अवधि : 125–130 दिन
- हजार दानों का वजन (औसत) : 5.38 ग्राम

आर.एम.वाय.एस. 2

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा विकसित पीली सरसों का टेट्रा लोक्युलर उन्नत जीन प्रारूप जिसका पिछले तीन वर्ष से राजस्थान के ज़ोन 1ए व 2बीमें परीक्षण किया जा रहा है। वर्ष 2020–21 में अखिल भारतीय समन्वित रेपसीड व मस्टर्ड अनुसंधान परियोजना के तहत यह जीन प्रारूप राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभिक उपज परिक्षण में प्रथम स्थान पर रहा।

- औसत उपज : 18–19 क्विंटल प्रति हैक्टेयर।
- पकाव अवधि : 115–120 दिन
- हजार दानों का वजन (औसत) : 4.43 ग्राम

एम.सी.एस. 19

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा विकसित चिया का उन्नत जीन प्रारूप जिसका पिछले चार वर्षों से राजस्थान के ज़ोन 1ए व 2बी में परीक्षण किया जा रहा है।

- औसत उपज : 7–8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर।
- पकाव अवधि : 128–134 दिन
- 10 मिली बीज आयतन का वजन : 7.06 ग्राम

एम.ए.एस. 12

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा विकसित असालिया का उन्नत जीन प्रारूप जिसका पिछले पांचवर्षों से राजस्थान के ज़ोन 1ए व 2बी में परीक्षण किया जा रहा है।

- औसत उपज : 12–13 क्विंटल प्रति हैक्टेयर।
- पकाव अवधि : 115–120 दिन

आर.एम.ए. 62

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा विकसित राजगिरा का उन्नत जीन प्रारूप जिसका वर्तमान में अखिल भारतीय समन्वित क्षमतावान फसल अनुसंधान तंत्र परियोजना के तहत राष्ट्रीय स्तर पर अग्रिम उपज परीक्षण द्वितीय में मूल्यांकन किया जा रहा है।

- औसत उपज : 11–13 क्विंटल प्रति हैक्टेयर।
- पकाव अवधि : 125–135 दिन
- 10 ml बीज आयतन का वजन : 6.84 ग्राम

2.6.2. नई क्षमतावान फसलें

विश्वविद्यालय ने नई क्षमतावान फसलों जैसे चिया, क्विनोआ, कैमोमाइल, चिकोरी, ड्रैगन फ्रूट आदि पर शोध

कार्य शुरू किया है। चिया की उन्नत शस्य क्रियायों को संकुल कृषि विधियों पीओपी रबी वर्ष 2021–22 में शामिल किया गया।

- ❖ बुवाई का समय : अक्टुबर प्रथम से द्वितीय सप्ताह
- ❖ पादप ज्यामिति : 30 सेमी x 10 सेमी

2.6.3. कदन्न फसलों पर अनुसंधान कार्य

रागी, कोदो, चेना, बारनयार्ड मिलेट एवं लिटिल मिलेट का भारतीय कदन्न अनुसन्धान केंद्र , हैदराबाद के जीन बैंक से मटेरियल ट्रांसफर एग्रीमेंट करके उसका सफल परिक्षण किया गया एवं उससे कम अवधि में पकने वाले उच्च उत्पादन वाले प्रजातियों को चिह्नित किया गया।

2.7 बीजीय मसालों पर सी.एस.एस.–एम.आई.डी.एच. परियोजना

सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) कालीकट, केरल द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित योजना, जो कि केन्द्रीय प्रायोजित योजना–मिशन फॉर इन्टीग्रेटेड होर्टीकल्चर डवल्पमेन्ट के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर पर संचालित की जा रही है। इस योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :–

- ❖ बीजीय मसालों का उन्नत बीज उत्पादन तथा वितरण।
- ❖ बीज विधायन तथा भण्डारण हेतु बुनियादी ढाँचा विकसित करना।
- ❖ अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रसार–प्रचार।
- ❖ प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमीनार, कार्यशाला तथा किसान गोष्ठी इत्यादि का आयोजन कर उन्नत तकनीकी का प्रचार–प्रसार करना।

उक्त उद्देश्यों के अंर्तगत विश्वविद्यालय द्वारा बीजीय मसालों पर कार्य किया जा रहा हैं। जिसका वर्ष 2022 में प्रगति विवरण निम्नलिखित हैं :–

- ❖ योजना के अंतर्गत बीजीय मसालों का उच्च गुणवत्तायुक्त 141.93 क्विंटल बीजों का उत्पादन विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर किया गया।

जीरा व मैथी के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (2021–22)

- रबी, 2021–22 के दौरान जोधपुर, बाड़मेर, सिरोही, जालौर और नागौर जिलों में 70 किसानों के खेतों (प्रत्येक 0.5 हैक्टेयर क्षेत्र में) के 35 हैक्टेयर क्षेत्र में बीज मसाला–जीरा एवं मेथी पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। प्रदर्शित की गयी प्रमुख तकनीकों में जीरा की जीसी–4 एवं मेथी की आर.एम.टी.–305 उन्नत किस्म, बीज उपचार, पोषक तत्व और पौधों की सुरक्षा के उपाय थे।

जीरे एवं मेथी के सभी प्रदर्शनों के तहत फसलों का प्रदर्शन बहुत अच्छा था इन प्रदर्शनों का निष्पादन, विकास मापदंडों, उपज और उपज मापदंडों के संबंध में काफी बेहतर था। उन्नत तकनीक ने किसानों के अभ्यास से औसत बीज उपज में 32.40 एवं 36.50 प्रतिशत की वृद्धि की।

बीजीय मसाला फसलों की उन्नत तकनीक का प्रचार–प्रसार करने हेतु दो कृषक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, गुड़ामालानी, बाड़मेर एवं खुड़ियाला जोधपुर में किया गया। कृषक प्रशिक्षण शिविरों में 120 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्नत कृषि क्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

कृषक प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेते प्रतिभागी

कुलपति महोदय द्वारा स्पाईस कैलेण्डर 2022 का विमोचन

2.8 भा.कृ.अनु.प.–परियोजना समन्वयक इकाई (बाजरा)

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक का मुख्यालय कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर पर स्थित है। यह परियोजना शत प्रतिशत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित है।

भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना की 57वीं वार्षिक बैठक का आयोजन वर्चुअल मोड के माध्यम से 2–3 मार्च, 2022 को किया गया।

01 जनवरी, 2022 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पीएम–किसान सम्मान निधि के तहत 10वीं किश्त जारी करने पर एक लाइव टेलीकास्ट कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में भाकृअनुप–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, पीसी यूनिट के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया।

पीसी यूनिट, भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, जोधपुर ने 01–03 अप्रैल, 2022 के दौरान तिलवाड़ा, बाड़मेर में मल्लीनाथ पशु मेले में भाग लिया और किसानों को बाजरे की विभिन्न संकर व संकुल किस्मों और प्रौद्योगिकी की जानकारी दी गई।

डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, पूर्व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने दिनांक 01.10.2022 को पीसी यूनिट, भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, जोधपुर का दौरा किया।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के किसानों और अधिकारियों द्वारा दिनांक 04.11.2022 को पीसी यूनिट, भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, जोधपुर का दौरा किया गया जहाँ उन्हें बाजरे की विभिन्न संकर व संकुल किस्मों और प्रौद्योगिकी की जानकारी दी गई।

2.8.1 शस्य विज्ञान

वर्ष 2022–23 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम.) कार्यक्रम के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा इस परियोजना के अंतर्गत 400 हैक्टेयर में अग्र पंक्ति प्रदर्शन राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु राज्यों में सफलतापूर्वक लगाये गये।

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, मंडोर द्वारा शस्य विज्ञान से सम्बन्धित 07 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलतापूर्वक लगाये गये।

2.8.2 पादप प्रजनन

परियोजना द्वारा विगत वर्ष में 01 संकर किस्म (एम.पी.एम.एच. 35) (मरु संपदा) अधिसूचना के लिए स्वीकृत की गई।

अखिल भारतीय बाजरा अनुसंधान परियोजना – मण्डोर द्वारा पादप प्रजनन से संबधित 13 प्रयोगों के तहत 285 प्रविष्टियाँ बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलतापूर्वक लगाई गई।

2.8.3 पादप व्याधि विज्ञान

वर्ष 2022 में परियोजना द्वारा पादप व्याधि विज्ञान के 07 प्रयोगों के तहत कुल 294 संकर किस्म/पैतृक पंक्तियों का (Parental Line) बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर परीक्षण किया गया।

2.8.4 पादप कार्यिकी

वर्ष 2022–23 में परियोजना द्वारा पादप कार्यिकी विभाग से संबधित 6 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलतापूर्वक लगाये गये।

2.8.5 पादप जैव प्रौद्योगिकी

वर्ष 2022–23 में परियोजना द्वारा जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित 04 प्रयोग सफलतापूर्वक किये गये।

2.9 क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.) की बैठकें

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति खरीफ–2022 की बैठक कृषि जलवायु खण्ड–I अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) के लिये दिनांक 07 व 08 मार्च, 2022 को तथा खण्ड–II ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) के लिये दिनांक 10 व 11 मार्च, 2022 को आयोजित की गई। इस बैठक में उक्त कृषि जलवायु खण्डों में स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों, काजरी, आफरी व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति रबी–2022–23 खण्ड 1 अ की बैठक दिनांक 06–07 सितम्बर, 2022 को तथा खण्ड 2 ब की बैठक दिनांक 08–09 सितम्बर 2022 को आयोजित की गई। इस बैठक में क्रमशः कृषि जलवायु खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) व खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारीयों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

2.10 तिल पर पंचवर्षीय मूल्यांकन समिति बैठक

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् – भारतीय तिलहन अनुसन्धान संस्थान, हैदराबाद एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना–तिल के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय (10–12 अक्टूबर, 2022) पंचवर्षीय मूल्यांकन समीक्षा बैठक को कृषि अनुसन्धान केंद्र मंडोर, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. ए. आर. पाठक, पूर्व कुलपति जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गयी। डॉ. अनंदा कुमार, डॉ. डी. एम. हेगड़े, डॉ. वी के बरनवाल, डॉ. के एल डोबरिया, डॉ. के वी देशमुख समिति के सदस्य थे। तीन दिवसीय समीक्षा बैठक में 11 केन्द्रो के प्रतिनिधि वैज्ञानिकों ने पांच वर्षों का अनुसन्धान विवरण प्रस्तुत किया जिसका समिति ने मूल्यांकन किया। इसके पश्चात अनुसन्धान क्षेत्र का समिति व विभिन्न केन्द्रों के प्रतिनिधि वैज्ञानिकों द्वारा भम्रण किया गया।

पंचवर्षीय तिल मूल्याकंन समिति के सदस्यों द्वारा अवलोकन

2.11 कार्यशाला/प्रशिक्षणों का आयोजन

क्र.सं.	प्रशिक्षण विवरण	दिनांक	कुल प्रशिक्षणार्थी
अ.	**अन्तर्राज्यीय प्रशिक्षण**		
i.	आत्मा योजनान्तर्गत सिरोही जिले के कृषकों का अन्तर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण आयोजन	19–23.09.2022	30
ii.	उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में उन्नत तकनिकी	14 - 18.11.2022	30
iii.	रबी फसलों में एकीकृत खरपतवार नियंत्रण व एकीकृत उर्वरक प्रबंधन	15 - 16.11.2022	30
iv.	रबी फसलों की उत्पादन तकनीक	17 - 18.11.2022	30
v.	मशरूम उत्पादन की तकनीक	21 - 22.11.2022	30
vi.	रबी में सब्जियों का उत्पादन एवं पौध सरंक्षण	23 - 24.11.2022	30
vii.	सूक्ष्म सिंचाई तकनीक	25 - 26.11.2022	30
ब.	**राज्य प्रशिक्षण**		
viii.	किरमसरिया, जोधपुर में प्रक्षेत्र दिवस (सरसो)	03.02.2022	–
ix.	रबी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकी	22–23 .02 2022	30
x.	रबी फसलों में कीट, रोग एवं खरपतवार प्रबन्धन	25–26.02. 2022	30
xi.	के वी के गुड़ामालानी में बीज मसाला फसलों में अच्छी कृषि पद्धतियों पर किसान प्रशिक्षण	16.02.2022	50
xii.	खुडियाला में मसाला फसलों में वैज्ञानिक फसल उत्पादन तकनीक पर किसान प्रशिक्षण	16.03.2022	70
xiii.	डीईई, जोधपुर द्वारा खुड़ियाला गांव में बाजरा–जीरा फसल क्रम पर किसान प्रशिक्षण	10.03.2022	55
xiv.	डीईई, जोधपुर द्वारा खुड़ियाला गांव में किसानों की शुद्ध आय बढ़ाने के लिए बीज मसाले की खेती पर जागरूकता कार्यक्रम	16.032022	90
xv.	आदान विक्रताओं के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा (DAESI)	14.03.2022 से प्रारम्भ	40
xvi.	कलिंगड़ा /बीजीय मतीरा की उन्नत खेती	12.07.2022	50
xvii.	एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं किसान प्रक्षेत्र दिवस (किर्क हाउस ट्रस्ट)	. 22 09.2022	30
xviii.	एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं किसान प्रक्षेत्र दिवस (किर्क हाउस ट्रस्ट)	23.09.2022	30
xix.	एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं किसान प्रक्षेत्र दिवस (किर्क हाउस ट्रस्ट)	28.09.2022	30
xx.	तिल फसल की खेती पर प्रशिक्षण	6.10.2022	30
xxi.	सरसों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	14.10.2022	35
xxii.	राजगीरा की उन्नत खेती	19.10.2022	50

प्रशिक्षण / किसान प्रक्षेत्र दिवस / अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

माननीय कुलपति द्वारा मशरूम यूनिट का अवलोकन

कृषि अनुसंधान केंद्र में वर्मीकम्पोस्ट इकाई का अवलोकन

2.12 विभिन्न परियोजनाओं में स्वीकृत राशि

2.12.1 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

S.No.	Name of Project	Sanction Amount (In Laks)
1.	Centre of Excellence for Post Harvest Management	10.00
2.	Processing and value addition of super food Chia & Quinoa	95.00
	Total	105.00

2.12.2 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

S.No.	Name of Project	Sanction Amount (In Laks)
1.	Enhancing Farmers' Livelihood Security in Arid Rajasthan through Value addition, Design and Development of Ha rvester for Kair, Moringa and Nagauri Methi at ARS Keshwana, Jalore	235.00
2.	Development and dissemination of technology to strengthen production of cumin and pearlmillet at ARSS, Nagaur under Agriculture University, Jodhpur	107.00
	Total	342.00

2.12.3 अन्य स्वीकृत परियोजनाए

S.No.	Name of Project	Sanction Amount (In Laks)
1.	Field Evaluation of Trombay Crop Genotypes and Research Activities in Agriculture - ARS Mandor	10.00
2.	Effect of IFFCO's Nano - fertilizers on Growth and Yield of Important Kharif and Rabi crops of Zone Ia of Rajasthan	6.86
3.	Consumption of resilient orphan products for healthier diets	21.00
4.	Testing of Pvt. Companies products	106.50
	Total	144.36

2.13 सहमति ज्ञापन (एमओयू)

S.No.	Name of Company	Name of Hybrid/Variety	Date of MOU	Amount (In Laks)
1.	Calix Agri-Genetics Pvt. Ltd., Jaipur	MPMH 17	28.07.2022	2.00
2.	Sampoorana Seeds Pvt. Ltd. Kurnool, A.P.	MPMH 35	18.11.2022	2.00

2.15 बीज उत्पादन

कृषि विश्वविद्यालय अपने अधीनस्थ विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों/संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों पर खरीफ, रबी व जायद में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के प्रजनक, आधार बीज व सत्य चिह्नित (TL) बीज के उत्पादन से विधायन तक के कार्य की देख रेख करता है। साथ ही जहाँ आवश्यकता हो वहाँ पर विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के आधार बीज व प्रमाणित बीज उत्पादन का कार्य भी करता है। विश्वविद्यालय, उन्नत बीज (प्रजनक/आधार बीज) अन्य बीज उत्पादन करने वाले संस्थानों जैसे राजस्थान राज्य बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम तथा निजी बीज उत्पादन करने वाली कम्पनियों को उपलब्ध करवाता है तथा साथ ही अनुसंधान संस्थान व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से राज्य के किसानों को सत्य चिह्नित (TL) बीज बीज उपलब्ध करवाने का कार्य भी करता है। विश्वविद्यालय की वर्ष 2021–22 में बीज उत्पादन प्रगति निम्नानुसार है–

प्रजनक बीज :– वर्ष 2021 खरीफ में तिल की आर.टी. 346, आर.टी. 351 एवं आर.टी. 372 का 0.25, 1.60 व 0.90 क्विंटल बीज क्रमशः एवं संकर बाजरा एम.पी.एम.एच. 17 के नर पैतृक का 0.02 क्विंटल प्रजनक बीज (तालिका 2) उत्पादित किया गया ।

सी.एस./एफ.एस. बीज :– विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2021 में 101.17 (तालिका 3 व 4) तथा रबी 2021–22 में 605.76 क्विंटल आधार/ प्रमाणित बीज (तालिका 6) उत्पादित किया गया ।

टी.एल. (ट्रयूथफुली लेवल्ड) बीज:– विश्वविद्यालय के अलग–अलग केन्द्रों पर विभिन्न फसलों की किस्मों का खरीफ 2021 में कुल 397.52 क्विंटल टी.एल. बीज (तालिका 5) व रबी 2021–22 में कुल 425.82 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया (तालिका 7)। इसी के साथ विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों द्वारा संकर बाजरा, एम.पी. एम.एच. 17 का जायद 2021 में 61.46 क्विंटल बीज (तालिका 1) मण्डोर, सिरोही व सुमेरपुर केन्द्रों पर उत्पादित किया गया।

तालिका 1. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर जायद 2021 में संकर बाजरा बीज उत्पादन (क्विंटल)

किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि विज्ञान केन्द्र, सिराही	कुल बीज
एम.पी.एम.एच. 17 (संकर)	40.10	19.50	1.86	**61.46**

तालिका 2. कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर पर खरीफ 2021 में प्रजनक बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	उत्पादन
बाजरा	एम.पी.एम.एच. 17 (नर पैतृक) एम.आई.आर. 525–2	0.02
तिल	आर.टी. 346	0.25
	आर.टी. 351	1.60
	आर.टी. 372	0.90
	कुल प्रजनक बीज उत्पादन	**2.77**

तालिका 3. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2021 में फसलवार एफ.एस. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही	कृषि महाविद्यालय नागौर	कुल बीज
तिल	आर.टी. 351	0.25	-	0.25
ग्वार	आर.जी.सी. 1038	0.82	-	0.82
मूंग	विराट	-	11.34	11.34
कुल एफ.एस. बीज उत्पादन		**1.07**	**11.34**	**12.41**

तालिका 4. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2021 में फसलवार प्रमाणित (सी एस) बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र नागौर	कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही	कृषि विज्ञान केन्द्र नागौर	कृषि महाविद्यालय नागौर	कुल बीज
मूंग	आई.पी.एम.410–3	-	5.3	-	-	5.3
	आई.पी.एम.02–14	-	-	8.17	-	8.17
	एम.एच. 421	17.6	-	54.72	1.19	73.51
ग्वार	आर.जी.सी. 1038		1.13	-	-	1.13
उडद	पी.यू.		0.65	-	-	0.65
कुल सी एस. बीज उत्पादन		**17.6**	**7.08**	**62.89**	**1.19**	**88.76**

तालिका 5. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2021 में फसलवार टी.एल. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र/उप केन्द्र					कृषि विज्ञान केन्द्र						कृषि महा–विद्यालय जोध/सुमे/नागौर	कुल बीज
		मण्डोर	जालोर	सुमेरपुर	समदड़ी	नागौर	फलोदी	जालोर	सिरोही	गुड़ा मालानी	नागोर	मौला सर		
मूंग	जी.एम. 4	0.52	18.19 12.49#	6.72	2.09	40.80	-	31.00	-	-	-	-	3.40* 21.03**	136.24
	जी.एम. 6	–	–	1.01	–	–	–	16.10	–	–	–	–	–	17.11
	जी.एम. 7	3.40	8.36	3.10	–	–	–	10.55	–	–	–	–	4.35 2.88*	32.64
	एम.एच. 421	–	–	–	–		–		–	–	–	26.86	–	26.86
	एम.एच. 1142	2.12	–	–	–	17.60	–	–	–	–	–	–	–	19.72
	विराट	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	11.34**	11.34
मोठ	आर.एम.ओ. 435	–	–	–	2.67	–	–	–	–	–	–	–	–	2.67
ग्वार	आर.एम.ओ. 2251	–	–	–	0.36	–	–	–	–		–	–	–	0.36
	आर.जी.एम. 112	0.50	–	–	–	–	–		–	–	–	–	–	0.50
	आर.जी.सी. 1033	–	–	–	–	–	15.84	–	–	–	13.2	70.00	–	99.04
	आर.जी.सी. 1038	–	–	–	–	–	–	15.00		–	–	–	–	15.00
	एच. जी. 2–20	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3.94*	3.94
तिल	आर.टी. 351	4.42	–	6.42	0.33	–	–	5.90	1.00	–	–	–	1.01**	19.08
बाजरा	एम.पी.एम. एच. 17	–	–	–	–	4.64	–	–	–	–	–	–	–	4.64
मूंगफली	जी.जे.जी. 19	–	–	–	–	–	8.38	–	–	–	–	–	–	8.38
कुल बीज उत्पादन														**397.52**

+ बिलाड़ा/रसियावास # सहभागिता रूप में * कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर

तालिका 6. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर रबी 2021–22 में फसलवार सी.एस./एफ.एस. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनु. उप केन्द्र	कृषि विज्ञान केन्द्र,		कुल बीज
		सुमेरपुर	गुड़ामालानी	सिरोही	
गेहूँ	राज. 4238	254.98+FS 159.15+CS	-	-	414.13
	डी.बी.डब्ल्यू. 187	-	-	2.45FS	2.45
	कुल गेहूँ बीज	**414.13**	**-**	**2.45**	**416.58**
राया	आर.एच. 725	102.60+FS 25.00FS	-	-	127.60
	गिरीराज	-	3.25FS	-	3.25
	कुल राया बीज	**127.60**	**3.25**	**-**	**130.85**
चना	जी.एन.जी. 2144	38.93CS	-	11.90CS	**50.83**
जीरा	जी.सी. 4	-	-	6.00CS	**6.00**
अरण्डी	जी.सी.एच.7 नर	-	-	1.50CS	**1.50**
कुल बीज उत्पादन (क्विंटल)		**580.66**	**3.25**	**21.85**	**605.76**

तालिका 7. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर रबी 2021–22 में फसलवार टी.एल. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र,		कृषि महा विद्या,			कृषि विज्ञान केन्द्र,			कुल बीज
		मण्डोर	सुमेरपुर	समदड़ी	मण्डोर	सुमेरपुर	नागौर	गुड़ा मालानी	सिरोही	फलोदी	
गेहूँ	जी.डब्ल्यू. 11	24.72 57.38+	-	-	-	-	-	-	-	-	82.10
	एम.पी. 1201	23.54	-	-	-	-	-	-	-	-	23.54
	कुल गेहूँ बीज	**105.64**	-	-	-	-	-	-	-	-	**105.64**
राया	एन.आर.सी.एच.बी. 101	12.73	-	-	-	-	-	-	-	-	12.73
	आर.एच. 725		-	-	-	-	-	-	-	-	
	आर.एच. 749	8.66	-	-	-	-	-	-	-	-	8.66
	सी.एस. 60	-	-	12.80	-	-	-	3.18	-	-	15.98
	पी.एम. 30	-	-	-	-	-	-	6.60	-	-	6.60
	आर.एच. 0406		-	-	-	-	-		13.50		13.50
	एन.आर.सी.वाय.एस. 05–02	-	-	-	-	-	-	0.21	-	-	0.21
	कुल राया बीज	**21.39**		**12.80**				**9.99**	**13.50**		**57.68**
चना	जी.एन.जी. 2144	-	18.98	-	-	-	-	-	-	-	18.98
	आर.एस.जी. 974	-	12.34	-		72.00					84.34
	कुल चना बीज	**-**	**31.32**	**-**	**-**	**72.00**	**-**	**-**	**-**		**103.32**
जीरा	जी.सी. 4	16.19 16.10+	4.77	-	8.20	-	-	-	-	15.20	**60.46**
मैथी	आर.एम.टी. 305	10.09 51.59+	2.77	-	-	-	-	-	-		**64.45**
ईसबगोल	आर.आई. 1	9.32	-	-	-	-	-	5.56	-	12.50	**27.38**
तारामीरा	आर.टी.एम.314/2002	-	-	-		5.50	0.79	0.60	-	-	**6.89**
कुल बीज उत्पादन (क्विंटल)		**230.32**	**38.86**	**12.80**	**8.20**	**77.50**	**0.79**	**16.15**	**13.50**	**27.70**	**425.82**

3. प्रसार शिक्षा

3.1 संस्थागत ढांचा

प्रसार शिक्षा का मुख्य ध्येय प्रशिक्षण, प्रदर्शन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से प्रभावी कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण कर मानव संसाधन विकास, ग्रामीण समुदाय की समृद्धि, कृषक एवं कृषक महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक उत्थान, ग्रामीण युवाओं हेतु कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। यह कार्य कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अधीन कार्यरत प्रसार शिक्षा

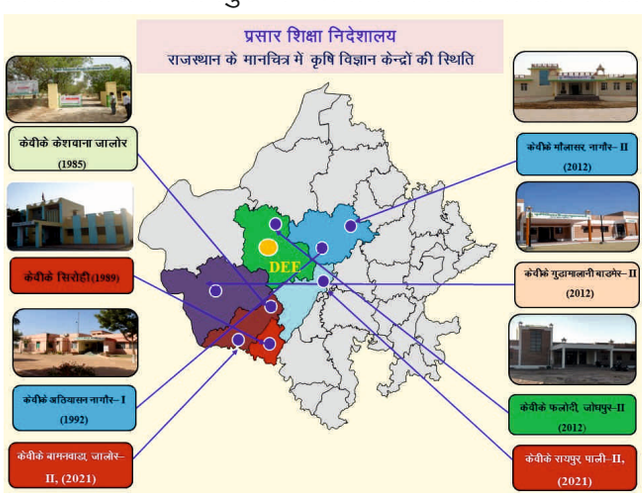

निदेशालय के माध्यम से 08 कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा संपादित किया जा रहा है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय का मिशन कृषकों की आय बढ़ाना, आजीविका सुरक्षा, फसल विविधता जोखिम एवं कृषि की स्थिरता की गुणवत्ता में सुधार हेतु सामाजिक समानता एवं समावेशी विकास करना।

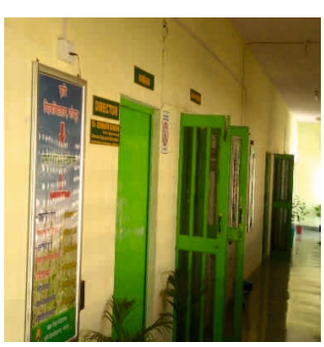

प्रसार शिक्षा निदेशालय

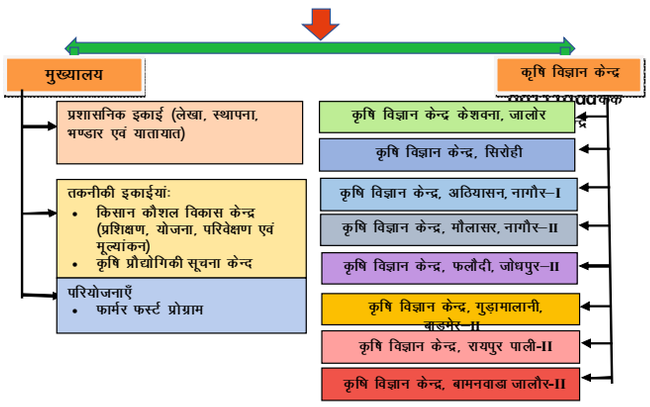

3.2 प्रसार शिक्षा निदेशालय के मुख्य उद्देश्य :

❖ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्रों की विभिन्न गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन, परिवेक्षण व मूल्यांकन करना।

❖ कृषकों के प्रक्षेत्रों पर नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रसार के लिये प्रथम पंक्ति प्रदर्शन व परीक्षण आयोजित कर उनका मूल्यांकन एवं परीक्षण करना।

❖ राज्य के कृषक, कृषक महिलाओं एवं विद्यालय छोड़ चुके युवा वर्ग के कृषक बालकों एवं बालिकाओं हेतु लघु एवं दीर्घ अवधि के रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण आयोजित करना।

❖ राज्य सरकार व गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं व विभिन्न अधिकारियों के लिये अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीकी के पाठ्यक्रम तैयार कर प्रशिक्षण देना।

❖ प्रौद्योगिकी के शीघ्र प्रसार हेतु कृषि साहित्य तैयार करना तथा विविध माध्यमों से कृषि सूचनाएं कृषकों तक पहुँचाना।

❖ जिला स्तर पर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों को सघन कृषि प्रोद्योगिकी सूचना केन्द्र के रूप में विकसित करना।

❖ कृषि विज्ञान केन्द्रों के फार्मों पर उन्नत बीज उत्पादन व उच्च तकनीकी पौधशालाएँ एवं विभिन्न प्रदर्शन इकाईयो को स्थापित करना।

3.3 कृषि विज्ञान केन्द्र :

राजस्थान राज्य के 10 कृषि जलवायु खण्ड़ में से तीन कृषि जलवायु खण्ड़ कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेवा क्षेत्र में आते हैं जिनमें 11 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत है। जिनमें से कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा निम्नलिखित 8 कृषि विज्ञान केन्द संचालित किये जा रहे है।

पाली तथा जोधपुर, स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालन केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर तथा दांता–बाड़मेर का संचालन स्वयं सेवी संस्था (श्योर) द्वारा किया जा रहा हैं।

कृषि जलवायु खण्ड	जिला	स्थान	स्थापना वर्ष	प्रक्षेत्र फार्म (हैक्टेयर)
शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र–I अ	जोधपुर	फलौदी	2012	20
	बाड़मेर	गुड़ामलानी	2012	20
लूनी नदी की अर्न्तवर्ती मैदानी क्षेत्र–II ब	जालोर	केशवाना	1985	62
	जालोर	बामनवाड़ा	2021	16
	सिरोही	सिरोही	1989	31
	पाली	रायपुर	2021	20
अन्तः स्थलीय जलोत्सरण के अर्न्तवर्ती मैदानी क्षेत्र–II अ	नागौर	अठियासन	1992	20
		मौलासर	2012	20

3.4 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यरत कार्मिकों की स्थिति :

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	अध्यक्ष	विषय विशेषज्ञ	फार्म प्रबन्धक	प्रोग्राम सहायक (लेब)	प्रोग्राम सहायक (कम्प्यू.)	स्टेनो	वाहन चालक	सपोर्ट स्टाफ
1.	केशवाना (जालोर)	..	6	..	1	1	..	1	3
2.	सिरोही	..	5	1	1	..	1	1	1
3.	अठियासन (नागौर– I)	1	5	..	1	1	..	1	1
4.	मौलासर (नागौर–II)	1	5	1	1	1	1	2	1
5.	फलौदी (जोधपुर– II)	..	6	1	1	1	1	2	1
6.	गुडामालानी (बाडमेर -II)	1	3	1	1	..	1	1	1
7.	रायपुर (पाली-II)	1	..	..	..	1	..	..	..
8.	बामनवाडा (जालौर-II)	1	..	..	..	..	..	..	..
	कुल	**05**	**30**	**04**	**06**	**05**	**04**	**08**	**08**

कुल स्वीकृत पदों की संख्याः 128 **कुल रिक्त पदों की संख्याः 36**

3.5 प्रसार शिक्षा निदेशालय की गतिविधियां :

3.5.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन :

निदेशालय के तत्वाधान में हर वर्ष एक वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया जाता है, जिसमें केन्द्र द्वारा की गई गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया जाता है तथा आगामी वर्ष हेतु कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जाता है। इस बैठक में सक्षम अधिकारियों के साथ–साथ निदेशक अटारी एवं सभी संपर्क विभागों से अधिकारीयों को आमंत्रित किया जाता है।

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	दिनांक
1	कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन, नागौर– II	29 जुलाई, 2022
2	कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर, नागौर– II	03 अगस्त, 2022
3	कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी, बाड़मेर– II	06 अगस्त, 2022
4	कृषि विज्ञान केन्द्र केशवाना, जालौर	17 अगस्त, 2022
5	कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही	24 अगस्त, 2022
6	कृषि विज्ञान केन्द्र फलोदी, जोधपुर– II	31 अगस्त, 2022
7	कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर, पाली.–II	29 सितम्बर, 2022
8	कृषि विज्ञान केन्द्र बामनवाडा जालौर.–II	29 सितम्बर, 2022

3.5.2 कृषि विज्ञान केन्द्र की मासिक समीक्षा बैठक :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में किया जाता है जिसमें उस माह की गतिविधियों का मूल्यांकन तथा आगामी माह की कार्य योजना के बारे में विस्तृत चर्चा कर रुपरेखा बनाई जाती है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा इस वर्ष 05 अगस्त, 2022 को अपने मानद सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित करवाई गई। इस सप्तम बैठक में डॉ. ए. एस. फरौदा, पूर्व चैयरमैन ASRB व पूर्व कुलपति MPUAT उदयपुर एवं डॉ. टी. एस. राठौड, पूर्व निदेशक आफरी, जोधपुर को माननीय कुलपति द्वारा विशेषज्ञ वैज्ञानिक के रूप में मनोनयन किया गया तथा श्री बाबुलाल परिहार (गॉव रायपुर, जिला पाली), श्री सुखराम (गांव रेण, तह. मेडता सिटी, जिला नागौर) एवं श्री सवाई सिंह (गांव मणाई, तह. मन्डौर, जिला जोधपुर) का चयन किसान प्रतिनिधि के रूप में किया गया। इस बैठक में निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा की गई गतिविधियों का विवरण प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा आगामी वर्ष हेतु कार्य योजना और बजट का अनुमोदन करवाया गया।

3.5.4 ''एक के.वी.के. एक उत्पाद'' कार्यशाला का आयोजन :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों के विषय वस्तु विशेषज्ञों के लिए एक दिवसीय ''वन के वी के वन प्रोडक्ट'' कार्यशाला का दिनांक 06.01.2022 को आयोजन माननीय कुलपति डॉ. बी. आर. चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्रों को अलग–अलग तरह के जैविक एवं उन्नत एवं

एक के वी के एक उत्पाद कार्यशाला में माननीय कुलपति महोदय डॉ बी.आर. चौधरी, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ ईश्वर सिंह एवं वित्त नियंत्रक श्रीमति अंजली यादव दिशा–निर्देश प्रदान करते हुए एवं तैयार उत्पाद दिनांक 06.01.2022

प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद जैसे केर का अचार, पंचकुटा, सौंफ का शरबत एवं मुखवास, शहद, नागौरी पान मेथी, बाजरा बिस्कुट, बाजरा फूली, वैज्ञानिक तरीके से सुखाई गई सब्जियां, मिक्स अचार, अण्डे एवं अन्य को कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के माध्यम से बिक्री हेतु उपलब्ध करवाने की कार्य योजना बनाई गई। वर्ष 2021 से ये उत्पाद कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर बिक्री हेतु आमजन के लिए उपलब्ध है।

3.5.5 पी एम किसान सम्मान सम्मेलन :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा पी एम किसान सम्मेलन का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि की किश्त जारी की गई। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किया गया। इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु लगभग 250 गुड़ामालानी से,

प्रसार शिक्षा निदेशालय में पी एम किसान सम्मान सम्मेलन का ऑनलाइन प्रसारण मे उपस्थित वैज्ञानिक एवं किसान (17.10.2022)

150 नागौर से एवं 100 अन्य कृषि विज्ञान केन्द्रों से किसान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए और कार्यक्रम में भागीदारी निभाई।

3.5.6 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा अटारी, जोन द्वितीय के सहयोग से दिनांक 2 से 3 नवम्बर, 2022 को जोन द्वितीय की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान, दिल्ली एवं हरियाणा के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में पूर्व वैज्ञानिक डॉ. देवी सिंह भाटी एवं भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के डॉ. दिनेश कुमार द्वारा विशेष व्याखान प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण में उपस्थित माननीय कुलपति महोदय डॉ. बी. आर. चौधरी, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. ईश्वर सिंह एवं निदेशक अटारी डॉ एस.के. सिंह, दिनांकः 2–3 नवम्बर, 2022

3.5.7 मरूधरा कृषि पत्रिका :

प्रसार शिक्षा निदेशालय, द्वारा द्वि–मासिक पत्रिका "मरूधरा कृषि" का प्रकाशन ई–पत्रिका के रूप में लगातार किया जा रहा है। इस पत्रिका में राज्य एवं देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों से लेख आमंत्रित कर उन्हें किसानों के लिए उपलब्ध करवाया जाता है।

3.5.8 नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से दो नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना रायपुर (पाली) एवं बामनवाड़ा (जालौर) की स्वीकृति दिनांक 25.12.2021 को प्रदान की गई परिणाम स्वरूप इन दोनों इकाईयों का अस्थायी कार्यालय क्रमशः दिनांक 19 जनवरी, 2022 एवं 15 जनवरी, 2022 को शुभारम्भ किया गया। बामनवाड़ा में अस्थायी कार्यालय के शुभारम्भ हेतु माननीय कुलपति महोदय के साथ श्री नारायण सिंह देवल विधायक, रानीवाड़ा एवं प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह द्वारा भागीदारी की गई। रायपुर में अस्थायी कार्यालय प्रारम्भ करने हेतु निदेशक अटारी डॉ. एस.के. सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ. ईश्वर सिंह की उपस्थिति रही। इन दोनों इकाईयों की आवंटित जमीनों पर विकास कार्य प्रारम्भ कर दिये गये है और प्रशासनिक भवन एवं किसान छात्रावास का निर्माण वर्ष 2022 में प्रारम्भ किया जा चुका है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर, पाली–II एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बामनवाड़ा, जालौर–II के अस्थायी कार्यालयों का शुभारम्भ

3.5.9 गरीब कल्याण सम्मेलन :

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधिनस्थ समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों में गरीब कल्याण सम्मेलन का आयोजन दिनांक 31 मई, 2022 को आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 5000 काश्तकारों ने गरीब कल्याण सम्मेलन में भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुडामालानी, बाडमेर–II पर
गरीब कल्याण सम्मेलन में उपस्थित किसान

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही पर गरीब कल्याण सम्मेलन

3.5.10 प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित किसान मेले :

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों में प्राकृतिक खेती अन्तर्गत किसान भागीदारी प्राथमिकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 26 अप्रैल, 2022 को आयोजित किया गया। जिसमें आठ केन्द्रों पर लगभग 6000 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन, नागौर–I पर
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु किसान मेला

कृषि विज्ञान केन्द्र, गुडामालानी, बाडमेर–II पर
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु किसान मेला

3.5.11 जागरूकता कार्यक्रम :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 21 नवम्बर, 2022 को माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री टी. के. मनोज कुमार, अध्यक्ष, भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि श्री एच.के. डबास थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैंक, राजस्थान राज्य भण्डारण निगम, कृषि मंडी निजी भण्डार गृह मालिक एवं किसानों ने भाग लिया।

3.5.12 लम्पी स्किन डीजीज जागरूकता एवं प्रबंधन कार्यक्रम :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिनांक 20 अगस्त, 2022 को लम्पी स्किन डीजीज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता एवं निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. ईश्वर सिंह की उपस्थिति में किया गया। जिसमें निदेशक गण, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष एवं पशुपालन विशेषज्ञों ने भाग लिया। साथ ही समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 24 जागरूकता एवं प्रबंधन कार्यक्रमों का आयोजन कर लगभग 1000 पशुपालकों को इस बीमारी के बारें में जागरूक किया और प्रबंधन हेतु आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि श्री टी के मनोज कुमार, अध्यक्ष, भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली, माननीय कुलपति महोदय कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं निदेशक प्रसार शिक्षा

लम्पी स्किन बीमारी जागरूकता कार्यक्रम की कार्ययोजना हेतु उपस्थित वैज्ञानिक, माननीय कुलपति एवं निदेशक प्रसार शिक्षा

जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित निदेशकगण, किसान, बैंकर्स, दाल मिल ट्रेडर्स, राज. राज्य भण्डारण निगम के अधिकारी

कृषि विज्ञान केन्द्र गुडामालानी द्वारा स्थानीय गौशाला में आयोजित प्रबंधन कार्यक्रम में मौजूद पशुपालक और विशेषज्ञ

3.5.13 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के अर्न्तगत ग्राम गोद कार्यक्रम :

राजभवन राजस्थान से प्राप्त निर्देशों के अनुसार कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु तृतीय चरण में ग्राम खुड़ियाला, तहसील बालेसर जनवरी, 2021 से गोद लेकर स्मार्ट गांव के रूप में विकसिक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. महेन्द्र कुमार, सह प्राचार्य (कृषि प्रसार) है। इन गाँवों में निम्नलिखित प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

माननीय राज्यपाल, राजस्थान श्री कलराज मिश्र
द्वारा प्रशिक्षणार्थीयों को सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र वितरण

खुडियाला गाँव में स्वच्छता अभियान का आयोजन दिनांकः 17.2.2022

गोदित गांव खुडियाला में वर्ष 2022 में ऑक्सीजोन पार्क के अन्दर लहलहाते छायादार एवं सजावटी वृक्ष एवं पौधे

गोदित गांव खुड़ियाला में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम :

क्र.सं.	कार्यक्रम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	स्वच्छता अभियान	17.02.2022	85
2.	अनुसूचित जाति कि महिलाओ हेतु दुग्ध एवं डेयरी उत्पादो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	02-07.02.2022	50
3.	बाजरा–जीरा फसल पद्धती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10.03.2022	55
4.	उन्नत मसाला उत्पादन प्रौधौगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16.03.2022	60
5.	ग्रामीण युवाओ हेतु उन्नत बकरी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	27.03.2022	50
6.	ग्रामीण युवाओ के स्वरोजगार हेतु मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण	30.03.2022	50
7.	अनुसूचित जाति कि महिलाओ हेतु 7 दिवसीय दक्षता आधारित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-31.03.2022	10
8.	ग्रामीण महिलाओ मे उधमिता विकास हेतु औषधीय एवं सुगंधित पौधौ की व्यवसायिक खेती पर प्रशिक्षण	30.05.2022	50
9.	विश्व पर्यावरण दिवस समारोह	05.06.2022	38
10.	बाजरा फसल प्रदर्शन किट वितरण	14.07.2022	50
11.	ग्रामीण महिलाओ हेतु किचन गार्डनिंग किट का वितरण	27.07.2022	50
12.	वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम	18.08.2022	170
13.	शुष्क फल एवं सब्जियों का मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14.09.2021	25
14.	सरसो फसल प्रदर्शन हेतु आदान वितरण	15.10.2022	66

3.5.14 कृषि प्रदर्शनियों का आयोजन :

प्रसार शिक्षा निदेशलाय ने राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न किसान मेलों में किसानों की आय बढाने हेतु उन्नत एवं आधुनिक कृषि तकनीकियों के विभिन्न मॉडल एवं जीवन्त इकाईयों का प्रदर्शन किया जाता हैं। वर्ष 2022 कुल 4 कृषि प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 8000 किसानों, किसान महिलाओं और युवाओं ने भाग लिया।

कृषि प्रदर्शनियों का आयोजन

3.5.15 प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम :

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को यह परियोजना स्वीकृत की गई जिसका संचालन जोधपुर जिले के तीन गांव बालरवा, मणाई व बिंजवाडिया में वर्ष 2016–17 से किया जा रहा है। इस परियोजना का संचालन विभिन्न मॉड्यूल–फसल आधारित मॉड्यूल, उद्याानिकी आधारित मॉड्यूल, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडयूल एवं मानव संसाधन प्रबंधन मॉडयूल द्वारा किया जा रहा है।

थारशोभा खेजड़ी के प्रदर्शन का अवलोकन

किसानों को बीज किट का वितरण

वर्ष 2022 में कुल 14 प्रकार की तकनीकियों का प्रदर्शन फसल, बागवानी, पशुपालन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन आधारित मॉडयूल के तहत कुल 705 किसानों के खेतों पर प्रदर्शन लगवाकर लाभन्वित किया गया। इस परियोजना में नवीनतम तकनीकी कौशल आधारित 8 कृषक प्रशिक्षणों, 5 कृषक वैज्ञानिक संवाद व अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर समस्त ग्रामवासियों को लाभान्वित किया गया। इस वर्ष कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान अटारी जोन द्वितीय जोधपुर के निर्देशानुसार पुर्व में चयनित बालरवा, मणाई, बींजवाडिया के अलावा बडा कोटेचा गांव को भी इस योजना में शामिल किया गया। इस गांव का बेंच मार्क सर्वे करने के पश्चात् किसानों के आर्थिक उन्नयन हेतु विभिन्न प्रकार के कृषि तकनीकी हस्तान्तरण कार्यक्रम बनाये गये।

प्रदर्शन की तकनीकीः

क्र.सं.	प्रदर्शन की तकनीकी	प्रदर्शनों की संख्या
1.	खरीफ प्याज की किस्म एन एच आर डी एफ रेड 3 का प्रदर्शन	20
2.	पोषण वाटिका किट का वितरण	200
3.	मिर्च की किस्मः आर.सी.एच. – 1 का प्रदर्शन	40
4.	पपीता की किस्मः रेड लेडी – 786 का प्रदर्शन	40
5.	खेत की सीमा पर सहजन किस्मः पी.के.एम. – 1 का प्रदर्शन	20
6.	मूंग की किस्मः एम.एच. 421 का प्रदर्शन	50
7.	बाजरे की किस्मः एम.पी.एम.एच. – 17 का प्रदर्शन	75
8.	ग्वार की किस्मः आर.जी.सी. – 1033 का प्रदर्शन	25
9.	गेहूं किस्मः जी.डब्ल्यु. – 11 का प्रदर्शन	50
10.	सरसो किस्मः आर.एच. – 749 का प्रदर्शन	25
11.	धनिया किस्मः जी डी एल सी– 1 का प्रदर्शन	100
12.	जीरा की किस्मः जी सी. – 4 का प्रदर्शन	25
13.	मैथी की किस्मः आर.एम.टी. – 305 का प्रदर्शन	75
14.	खेत की सीमा पर चन्दन का प्रदर्शन	10
	कुल	**705**

बाजरे की किस्म : एम.पी.एम.एच.–17 का प्रदर्शन, स्थानः मणाई

मूंग की किस्मः एम.एच. 421 के प्रदर्शन, स्थानः बींजवाडिया

किसानों के खेतों पर स्थापित सहजन, बींजवाडिया

ग्रामीण युवाओ के स्वरोजगार हेतु मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण

3.5.16 किसान कौशल विकास केन्द्र :

किसान कौशल विकास केन्द्र मुख्यालय पर स्थित है और इस केन्द्र द्वारा किसानों को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर उनकी आजीविका और आर्थिक उन्नति के प्रयास किये जा रहे है। इसके अन्तर्गत समन्वित कृषि प्रणाली के विभिन्न घटकों को किसानों के खेतों पर स्थापित करवाया जाता है और उनसे किसानों को अतिरिक्त आमदानी प्राप्त होती है जो उन्हें आर्थिक तौर पर सक्षम बनाती है। इस केन्द्र के अधीन 7 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 19–25 सितम्बर, 2022 के दौरान किया गया जिसमें बाड़मेर, जोधपुर, जालौर, नागौर जिलों 32 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के पश्चात् बालरवा गांव में दो किसानों ने मशरूम इकाई की स्थापना कर व्यवसायिक गतिविधियां प्रारम्भ की है। यह केन्द्र डॉ. प्रदीप पगारिया, सह–निदेशक, प्रसार शिक्षा के नेतृत्व में मुख्यालय पर संचालित किया जा रहा है।

किसान कौशल विकास केन्द्र द्वारा आयोजित मशरूम प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर मौजूद श्रीमति प्रियंका विश्नोई एवं निदेशकगण

किसान कौशल विकास केन्द्र द्वारा रोजगारोन्मुखी मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 30.03.2022

3.5.17 कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र :

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीकी साहित्य, विषय विशेषज्ञों की सेवाएं एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के उत्पादों हेतु बिक्री केन्द्र के माध्यम से किसानों को जानकारी दी जा रही है। इस केन्द्र का संचालन डॉ. निशु कंवर भाटी, विषय विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) द्वारा किया जा रहा है।

3.6 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियां :

प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्रशासनिक नियंत्रण मे आठ कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा मुख्य गतिविधियों के तहत कृषक व कृषक महिला तथा ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण, विभिन्न विभागों के प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रशिक्षणों का आयोजन, नवीनतम कृषि तकनीकी को किसानों के खेतों पर समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का आयोजन, प्रक्षेत्र प्रशिक्षण के साथ साथ अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर जिले के कृषकों को उन्नत खेती के साथ साथ अधिक लाभ प्राप्त कर कृषकों को रोजगारोन्मुखी बनाने की ओर अग्रसर है।

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	संस्थागत		असंस्थागत		प्रायोजित	
		प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
1	केशवाना (जालोर)	12	308	23	617	04	162
2	सिरोही	29	615	19	595	06	285
3	अठियासन (नागौर प्रथम)	11	331	22	578	02	85
4	मौलासर (नागौर द्वितीय)	19	503	26	710	01	30
5	गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	08	244	13	391	02	70
6	फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	13	333	24	673	04	155
7	रायपुर, (पाली द्वितीय)	02	37	02	37	02	60
8	बामनवाडा (जालौर द्वितीय)	02	62	01	50	.	.
	कुल योग	**96**	**2,433**	**130**	**3,651**	**21**	**847**

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित किसान

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित किसान

3.6.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषक व कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण :

मुख्यतः कृषि विज्ञान केन्द्र तीन तरह के प्रशिक्षण आयोजित करवाता है जिसमे संस्थागत, असंस्थागत एवं प्रायोजित प्रशिक्षण प्रमुख होते है इस वर्ष इन तीनों तरीकों के प्रशिक्षणों से कुल 7118 कृषक, कृषक महिलाएं व प्रसार कार्यकर्त्ता लाभान्वित हुए।

3.6.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण :

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रसार कार्यकर्ता	
		प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
1	केशवाना (जालोर)	01	29
2	सिरोही	01	45
3	अठियासन (नागौर प्रथम)	02	47
4	मौलासर (नागौर द्वितीय)	–	–
5	गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	02	36
6	फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	01	30
7	रायपुर, (पाली द्वितीय)	–	–
8	बामनवाडा (जालोर द्वितीय)	–	–
	कुल योग	**7**	**187**

3.6.3 समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन :

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत दलहन एवं तिलहन उत्पादन को बढाने हेतु इन फसलों की उन्नत कृषि प्रोद्योगिकी को किसानों के खेतों तक पहुंचाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा इन फसलों के प्रदर्शन इस वर्ष खरीफ और रबी में आयोजित किये गये। प्रत्येक प्रदर्शन में नवीनतम कृषि तकनीकी–उन्नत बीज, पंक्तिबद्ध बुवाई, बीजोपचार, जिंक सल्फेट का प्रयोग, पौध संरक्षण को प्रदर्शित किया गया एवं किसानों के खेतो पर विचार गोष्ठियों का आयोजन कर इनके बारे में जानकारी दी गई। अनाज की फसलों, औषधियों फसल, बीजीय मसाले एवं सब्जियों के कुल 420 अग्र पंक्ति प्रदर्शन कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित किये गये।

गेहूं राज–4120

संकर बाजरा : एम.पी.एम.एच.–14

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अग्र पंक्ति फसल प्रदर्शन :

कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रदर्शनों की संख्या					
	अनाज की फसले	दलहनी फसले	तिलहनी फसले	मसाला फसले	औषधिय फसले	अन्य
केशवाना (जालोर)	20	150	200	25	25	100
सिरोही	25	100	100	20	—	65
अठियासन (नागौर प्रथम)	25	175	100	25	95	50
मौलासर (नागौर द्वितीय)	35	225	200	—	—	90
गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	20	60	40	—	—	10
फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	20	75	125	25	—	80
रायपुर, (पाली द्वितीय)	12	12	—	—	—	25
बामनवाडा (जालोर द्वितीय)	—	—	—	—	—	—
कुल	**157**	**797**	**765**	**95**	**120**	**420**

3.6.4 ऑन फार्म परीक्षण : इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अपने क्षेत्रों में अनुमोदित कृषि प्रोद्योगिकी के आंशिक संसोधन हेतु ऑन फार्म परिक्षण आयोजित किये जाते है। इस वर्ष अरण्डी में सूत्रकृर्मि प्रबंधन, प्याज में खरपतवार नियंत्रण, गेहूं की लवणीय सहनशील किस्मों का परीक्षण व टमाटर की स्वस्थ्य पौध हेतु प्रो ट्रे का परीक्षण एवं अन्य विषयों पर संसोधन करने के लिए कुल 20 ऑन फार्म परीक्षण आयोजित किये गये तथा उनके परिणामों को खण्ड स्तरीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति में प्रस्तुत कर अनुमोदित करवाया गया।

गेहूं की लवणिय सहनशील किस्मों का परीक्षण

3.6.5 श्रमदान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम :

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों के खेतों पर एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया और इस वर्ष लगभग 4500 पौधे लगाये गये।

विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलपति एवं पूर्व कुलपति सहित विश्वविद्यालय पदाधिकारीगणों द्वारा वृक्षारोपण

3.6.6 स्वच्छता अभियान :

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर एक माह तक सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने स्वच्छता अभियान का आयोजन किया और अपने केन्द्रो तथा गांवों में सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाये। इस कार्यक्रम में लगभग 4200 किसानों ने भाग लिया।

3.6.7 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं महिला किसान दिवस का आयोजन :

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कृषक महिलाओं को सम्मान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08.03.2022 एवं महिला किसान दिवस दिनांक 15.10.2022 का आयोजन प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किया गया।

महिला किसान दिवस पर महिलाओं को उन्नत कृषि आदानों का वितरण दिनांकः 15.10.2022, स्थानः कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर नागौर–II

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर तकनीकी व्याख्यान, दिनांक : 08.03.2022 स्थानः कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन नागौर–I

3.6.8 जल एवं मृदा नमूना के परीक्षण :

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है तथा आधुनिक तकनीक से जल और मृदा नमूनों के परीक्षण (मय सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता के साथ) किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र जालोर, सिरोही, अठियासन, मौलासर, फलौदी एवं गुड़ामालानी द्वारा लगभग 3800 मृदा और जल नमूनों का परीक्षण वर्ष 2022 के दौरान किया गया।

3.6.9 समन्वित कृषि प्रणाली हेतु नये मॉडल की स्थापना

इस वर्ष कृषि विज्ञान केन्द्र, जालौर पर बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं नेपियर घास की नवीनतम किस्मों के नये मॉडल स्थापित किये गये। कृषि विज्ञान केन्द्र गुडामालानी पर खजूर, सहजन, सिरोही नस्ल की बकरी एवं कड़कनाथ मुर्गी की नस्ल के नये मॉडल इकाईयों की स्थापना की गई। इसका प्रयोजन कृषि विज्ञान केन्द्रो पर भ्रमण कराकर किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों से अवगत करवाना है। कार्यक्रमों में तकनीकी व्याख्यान, मेंहदी प्रतियोगिता, रंगोली आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित समन्वित कृषि प्रणाली मॉडयुल (मुर्गी पालन इकाई के मॉडल)

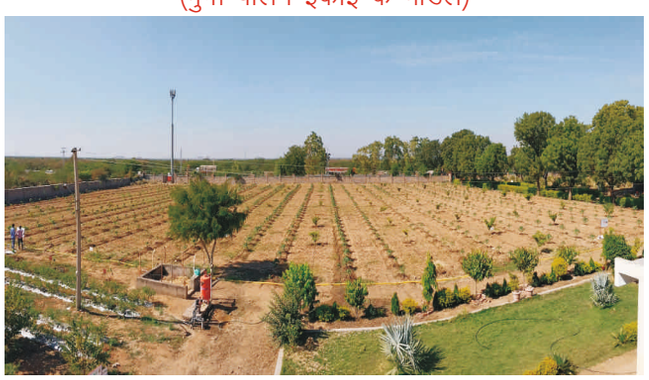

कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही में स्थित अन्तर्राष्ट्रीय बागवानी प्रदर्शन इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही में स्थित संरक्षित खेती के अन्तर्गत खीरा व टमाटर की प्रदर्शन ईकाई

3.6.10 इनपुट डीलर्स के लिए कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा :

इस वर्ष प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं अधिनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा डीलर्स के लिए 40 कक्षा सत्रों एवं 8 क्षेत्र यात्राओं के साथ 48 सप्ताह की अवधि के चार डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक

इनपुट डीलरों के लिए कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा के समापन पर उपस्थित माननीय कुलपति द्वारा स्वर्ण पदक व प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए।

में 40 एग्रो इनपुट डीलरों को पर्याप्त कृषि तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ उन्हें पैरा विस्तार पेशेवरों में बदलने के लिए प्रशिक्षित किया गया ताकि उन्हें क्षेत्र स्तर पर किसानों द्वारा दिन–प्रतिदिन की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाये जा सके।

3.6.11 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पोषण माह एवं पोषण अभियान का आगाज :

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं एवं कृषक महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के पोषण संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा पोषण माह 2022 के अर्न्तगत महिला कृषक जागरूकता कार्यक्रम

3.6.12 हर घर तिंरगा महोत्सव :

आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं अधिनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा हर घर तिंरगा महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही द्वारा आयोजित हर घर तिंरगा महोत्सव

3.6.13 जल शक्ति अभियान :

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों में जल शक्ति अभियान के तहत् विभिन्न कार्यक्रमों आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में किसानों एवं महिलाओं ने भाग लिया गया।

जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही एवं जालोर पर उपस्थित किसान

3.6.14 अन्य प्रसार गतिविधियां :

गतिविधि का नाम	गतिविधियों की संख्या								
	जालोर	सिरोही	अठियासन	मौलासर	फलौदी	गुडामा लानी	बामन वाडा	रायपुर	कुल
वैज्ञानिकों का किसानों के खेत पर भ्रमण	–	30	11	75	30	83	20	10	**259**
जाँच सेवा	–	2	220	410	200	183	—	—	**1015**
कृषक वैज्ञानिक संवाद	7	–	2	2	6	4	—	—	**21**
प्रक्षेत्र दिवस	6	7	9	19	13	11	—	2	**67**
किसान मेला	4	4	2	2	3	3	4	2	**24**
किसान गोष्ठी	6	5	7	7	2	11	2	3	**43**
शैक्षणिक भ्रमण	–	–	1	2	2	2	—	—	**7**
फिल्म दिखाना	10	4	13	11	3	13	—	2	**56**
विशेष दिवस मनाना	5	13	8	7	11	11	5	5	**65**
व्याख्यान	–	36	48	86	30	83	7	1	**291**
रेडियों वार्ता	–	3	5	1	1	5	—	—	**15**
प्रेस विज्ञप्ति	13	60	36	37	35	203	2	6	**392**
प्रदर्शनी का आयोजन	8	4	3	3	4	8	—	–	**30**

3.6.15 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं बाड़मेर लिग्नाईट माईनिंग कम्पनी लि. के मध्य 8.80 करोड़ की परियोजना हेतु समझौता (MoU)

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को 8.80 करोड़ की परियोजना बाड़मेर लिग्नाईट माईनिंग कम्पनी लि. द्वारा एकीकृत ग्रामीण आजीविका पहल के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आय मे सुधार हेतु स्वीकृत हुई। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से वित्त नियंत्रक तथा लिंक अधिकारी कुल सचिव श्रीमति अंजलि यादव तथा बाड़मेर लिग्नाईट माईनिंग कम्पनी लि. की ओर से श्री नरेश कुमार पुरोहित, सह–उपप्रबंधक ने दिनांक 16.12.2022 को समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. चौधरी ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत बाड़मेर जिले की 3 तहसील –शिव, बायतु एवं बाड़मेर के 32 गाँवों मे लगभग 5000 से ज्यादा ग्रामीण परिवारों मे समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाते हुए ग्रामीण परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्तर मे वृद्धि किये जाने का प्रयास किया जायेगा।

3.6.16 अतिथियों का भ्रमण :

श्री टी के मनोज कुमार, अध्यक्ष, भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 21 नवम्बर, 2022 को भ्रमण किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा द्वारा विश्वविद्यालय के द्वारा किये गये कार्यो एवं डब्ल्यू डी आर ए के सहयोग के बारे में विस्तृत आलेख प्रस्तुत किया।

श्री कैलाश चौधरी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार श्री सी आर चौधरी द्वारा दिनांक 11.05.2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन, नागौर पर भ्रमण किया गया एवं केन्द्र की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए किसानों के हित में कार्य करने की सलाह दी।

डॉ ए के सिंह, उप महानिदेशक, कृषि प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने दिनांक 17 सितम्बर, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही द्वारा आयोजित पोषण अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये।

4. शिक्षा

4.1 संस्थागत ढ़ांचा :

शिक्षा निदेशालय का मुख्य कार्य विश्वविद्यालय की शिक्षा सम्बन्धित योजनाओं के क्रियान्ववय, निगरानी एवं आवश्यकता का विकास करना है। निदेशालय की देखरेख में शिक्षा के कार्य महाविद्यालयों के सर्वांगीण विकास की दिशा में संपादित किये जाते है। वर्तमान में शिक्षा के तहत तीन संकाय कार्य कर रहे है।

कृषि संकाय
• कृषि महाविद्यालय, जोधपुर
• कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली
• कृषि महाविद्यालय, नागौर
• कृषि महाविद्यालय, बायतु–बाड़मेर
डेयरी संकाय
• डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर
कृषि अभियांत्रिकी संकाय
• कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर

4.2 कार्य क्षेत्र

शिक्षा निदेशालय द्वारा अध्यापन, अनुसंधान एवं विद्या वाचस्पति विस्तार के शैक्षणिक समन्वय, स्नातक और स्नातकोत्तर में प्रवेश एवं सम्बन्धित परिक्षाओं के प्रबन्ध और नियंत्रण के कार्य को संपादित किया जाता है। साथ ही विश्वविद्यालय में नीतिगत विषयों और स्थानीय अनुदेश से सम्बन्धित पद्धति और शैक्षिक प्रोद्यौगिकी के विकास का कार्य भी निदेशालय संपादित करता हैं निदेशक शिक्षा, अकादमिक परिषद के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

शिक्षा निदेशालय द्वारा अकादमिक परिषद के स्थायी अभिलेखों के रख–रखाव, पाठ्यक्रमों, अभिप्राप्त किये गये ऋणों, उपाधियों, पारितोषिकों या अन्य विशेषज्ञताओं और शैक्षणिक संपादन से सम्बन्धित अन्य मदों और छात्रों के अनुशासन सहित विश्वविद्यालय के छात्रों के कार्य संपादित किए जाते है।

4.3 प्रमुख उद्देश्य

- बहत्तर ढ़ाँचागत सुविधाओं का निर्माण करना।
- विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में बहत्तर शिक्षा प्रदान करना।
- विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने के लिए उच्च और तकनीकी शिक्षा तक पहुँच में सुधार करना।
- शिक्षा सम्बन्धित उपलब्ध सुविधाओं का प्रत्येक विद्यार्थियों तक समान रूप से पहुंचना सुनिश्चित करना।
- पाठ्यक्रम का पुनरुद्धार और नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत व नए संकायों का विकास करना।
- उच्चतर शिक्षा के क्रियान्वयन से सम्बन्धित गतिविधियों का समन्वय और नियंत्रण करना।
- विश्वविद्यालय में शिक्षा सुविधाओं के उचित कार्यान्वयन के लिए नीतिगत दिशा निर्देश तैयार करना।
- मौजूदा उच्च और तकनीकी शैक्षिक संस्थानों का विस्तार और आधुनिकीकरण करना।
- नए और प्रासंगिक पाठ्यक्रमों का विकास करना।

4.4 कृषि महाविद्यालय, जोधपुर

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2012 में कृषि उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से की गई। महाविद्यालय लगभग सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाओं से युक्त है जिसमें आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ (शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, मृदा विज्ञान, मौलिक विज्ञान, फसल संरक्षण एवं पादप रोग विज्ञान तथा प्रसार शिक्षा), पुस्तकालय, आधुनिक अंकिय मंच एवं प्रोजेक्टर युक्त व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन कक्ष, संगणक कक्ष एवं अन्तः संजाल हैं। महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर डिजिटल सीसीटीवी सर्विलेंस की सुविधा से युक्त है। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय में कुल 287 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं, जिनमें कृषि विज्ञान (ऑनर्स) 212 स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के 51 स्नातकोत्तर के एवं 27 विद्यावाचस्पति के विद्यार्थी हैं।

4.4.1 महाविद्यालय में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में श्रेणीवार शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण निम्नानुसार प्रकार हैं:–

अ. शैक्षणिक पदों का श्रेणीवार विवरण

क्र.स./पद	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1. आचार्य (5)	शस्य विज्ञान	1	0	1
	उद्यान विज्ञान	1	1	0
	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1	1	0
	पादप रोग विज्ञान	1	1	0
	कीट विज्ञान	1	1	0
2. सह आचार्य (7)	मृदा विज्ञान	1	0	0
	उद्यान विज्ञान	1	0	1
	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1	1	0
	पादप रोग विज्ञान	1	1	0
	कीट विज्ञान	1	0	1
	शस्य विज्ञान	1	1	0
	प्रसार शिक्षा	1	0	1
3. सहायक आचार्य (32)	शस्य विज्ञान	3	2	1
	उद्यान विज्ञान	2	2	0
	मृदा विज्ञान	2	2	0
	कृषि अर्थशास्त्र	1	2	0
	प्रसार शिक्षा	2	2	0
	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	3	3	0
	कीट विज्ञान	2	2	0
	पादप रोग विज्ञान	2	2	0
	कृषि अभियांत्रिकी (FMPE)	2	2	0
	जैव रसायन विज्ञान	1	1	0
	पादप कार्मिकी विज्ञान	1	1	1
	पादप जैव तकनीकी विज्ञान	1	0	1
	पशुधन उत्पादन	2	2	0
	कृषि सांख्यिकी	1	1	0
	सूक्ष्म जैव विज्ञान	1	1	0
	कृषि वानिकी	1	0	1
	सूत्रकृमि विज्ञान	1	0	1
	बीज विज्ञान एवं तकनीकी	1	0	1
	खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी	1	0	1
	कृषि मौसम विज्ञान	1	1	0
	कम्प्यूटर विज्ञान	1	0	1
	योग	**44**	**32**	**12**

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण

क्र.स.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1.	सहायक कुल सचिव	1	0	1
2.	पुस्तकालय सहायक	1	0	1
3.	निजी सहायक	1	1	0
4.	कनिष्ठ लिपिक	2	1	1
5.	प्रक्षेत्र प्रबंधक	1	1	0
6.	तकनिकी सहायक	2	0	2
7.	प्रयोगशाला सहायक	4	3	1
8.	कृषि पर्यवेक्षक	1	1	0
9.	कार्यालय सहायक	1	1	0
10.	क्रीड़ा प्रशिक्षक	1	1	0
11.	वरिष्ठ लिपिक/लिपिक वर्ग–1	1	1	0
12.	छात्रावास वार्डन	1	0	1
13.	प्रयोगशाला परिचारक	2	0	2
14.	बुक लिफ्टर	1	0	1
16.	पम्प संचालक	1	0	0
	वाहन चालक (रेस्को द्वारा)	2	2	0
	चतुर्थ श्रेणी	2	1	2
	योग	**25**	**13**	**12**

4.4.2 शैक्षणिक कार्यक्रम अंतर्गत विद्यार्थियों की संख्या

4.4.2 वर्ष 2021 में कुल उत्तीर्ण विद्यार्थी संख्या

उपाधि कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु.जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल
1. स्नातक कार्यक्रम	1	–	7	5	34	47
2. स्नातकोत्तर						
(i) शस्य विज्ञान	–	–	–	1	3	4
(ii) उद्यानिकी	–	–	–	1	3	4
(iii) आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	–	1	1	–	2	4
(iv) पादप रोग विज्ञान	–	1	–	–	2	3
(v) कीट विज्ञान	–	2	–	1	–	3
(vi) प्रसार शिक्षा	–	–	–	–	4	4
3. विद्यावाचस्पति	–	–	–	–	–	–
कुल योग	**1**	**4**	**8**	**8**	**48**	**69**

4.4.3 विभाग के अन्य कार्य एवं प्रगति

4.4.3.1 छात्रवृत्ति विवरण 2020–21

सामान्य वर्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		आर्थिक पिछड़ा वर्ग		अनु.जाति		अनु.जनजाति	
छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं
6	17	16	58	9	9	26	17	13	5

कुल विद्यार्थी :176

4.4.3.2 शैक्षणिक शोध प्रक्षेत्र एवं बीज उत्पादन

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के अन्तर्गत प्रक्षेत्र 12.74 हैक्टेयर क्षेत्रफल में है। यह प्रक्षेत्र सभी कृषि सुविधाओं से परिपूर्ण है तथा यहाँ कृषि से सम्बंधित यंत्र जैसे कल्टीवेटर, हेरो, डिस्कप्लाऊ, बहुआयामी सिंचाई, अरण्ड़ी थ्रेसिंग मशीन, बूंद–बूंद सिंचाई, फव्वारा पद्धति भूमिगत सिंचाई पाईप, नलकूप, समतलीकरण फलक, ट्रेक्टर, भूमिगत पानी संचय टंकी, जल विभाजन प्रबंधन और भू–स्तर पानी संचय टंकी उपलब्ध हैं। यहाँ छात्रों व अध्यापकों के अनुसंधान प्रयोग लगाये जाते हैं।

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर प्रक्षेत्र पर रबी में 2021–22 जीरा (जी.सी.–4) का 8.20 क्विंटल सत्य चिह्नित बीज तथा खरीफ 2021 में मूँग (जी.एम.–7) 4.50 क्विंटल आधार बीज उत्पादन किया गया। वर्ष 2022 में शोध प्रक्षेत्र बीज एवं सामान्य बीज विक्रय द्वारा महाविद्यालय को कुल रू. 7,20,825/– की आय हुई।

4.4.4 महत्वपूर्ण दिवस एवं कार्यक्रमों का आयोजन

4.4.4.1 तृतीय दीक्षांत समारोह

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के तृतीय दीक्षान्त समारोह का आयोजन दिनांक 15.02.2022 को आयोजित किया गया। इस समारोह में वर्ष 2020 व 2021 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से उपाधि दी गई। इस समारोह में कुल 7 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण–पदक भी प्रदान किया गया।

दीक्षान्त समारोह के दौरान स्वर्ण–पदक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राएँ :

क्र.सं.	नाम	उपाधि	वर्ष
1.	दशरथ सिंह चुंडावत	कृषि स्नातक	2021
2.	वीरेंद्र	कृषि स्नातकोत्तर (शस्य विज्ञान)	2021
3.	सोनु कुमारी	कृषि स्नातकोत्तर (उद्यान विज्ञान)	2021
4.	पूजा यादव	कृषि स्नातकोत्तर (पादप रोग विज्ञान)	2021
5.	निशा चौधरी	कृषि स्नातकोत्तर (कीट विज्ञान)	2021
6.	लोकेन्द्र सिंह कृष्णावत	कृषि स्नातकोत्तर (उद्यान विज्ञान)	2021
7.	रेणु रानी	कृषि स्नातकोत्तर (प्रसार शिक्षा)	2021

तृतीय दीक्षांत समारोह, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

4.4.4.2 स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रांगण में 76वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारी–गण व छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने सम्बोधित किया । डॉ. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति, ने अपने उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय में चल रहे विकास कार्यो के बारे में विस्तार से बताया तथा राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के विकास हेतु हर संभव सहायता प्राप्त करने पर जोर दिया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

4.4.4.3 सघन पौधारोपण कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के नवीन परिसर मे अधिष्ठाता प्रो. सीताराम कुम्हार के निर्देशन मे सघन पौधारोपण कार्यक्रम 30 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियो के लगभग 200 पौधे रोपित किये। प्रो. सीताराम कुम्हार ने पौधारोपण के उद्देश्य के बारे में जानकारी प्रदान की।

सघन पौधारोपण कार्यक्रम

4.4.4.4 छात्रसंघ चुनाव

विश्वविद्यालय के अधिनस्थ कृषि महाविद्यालय जोधपुर में छात्रसंघ चुनाव 27.08.2022 को निर्विरोध सम्पन्न हुए। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के अधिष्ठाता व निर्वाचन अधिकारी प्रो. सीता राम कुम्हार ने बताया कि महाविद्यालय छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव निर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से निर्विरोध सम्पन्न किया।

4.4.4.5 मशरूम –जैविक खेती पर प्रशिक्षण

कृषि महाविद्यालय जोधपुर द्वारा यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय मशरूम जैविक खेती पर प्रशिक्षण का अयोजन किया गया जिसमे 50 अनुसूचित वर्ग के कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक प्रतिभागी को बैग, स्लिप पैड, पेग प्रशिक्षण सामग्री के रूप में प्रदान की गई। उन्हें जैविक कृषि के बारे में और इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

4.4.4.6 महिला स्वच्छता, स्वास्थ्य और उत्थान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में महिला स्वच्छता, स्वास्थ्य और उत्थान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालयों में अध्यनरत बालिकाओं और महिला कार्मिकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता प्रो सीताराम कुम्हार ने आज के आधुनिक युग मे महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र मे अपेक्षित बताया। कार्यशाला में बालिकाओं और महिला कार्मिकों स्वच्छता, स्वास्थ्य और उत्थान विषय पर जानकारी प्रदान की।

4.4.4.7 एससी–एसपी परियोजना के तहत उद्यमिता एवं प्रदर्शन इकाई की स्थापना

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर ने गोदित गांव खुड़ियाला तथा केरू गांव के एससी युवाओं को रोजगार के साधन के रूप में एक–एक मसाला इकाई की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय द्वारा मसाला इकाई स्थापना करवाने हेतू वेट ग्राइंडर, पुलविराइजर, ड्राई ग्राइंडर, वेट मशीन, पैकिंग सीलिंग मशीन, पैकिंग बैग्स और सोलर ड्रायर प्रदान किए। 10–10 कृषकों का समूह मसाला इकाई का संचालनकर्त्ता है।

निदशेक प्रसार के सानिध्य में मसाला इकाई का वितरण

महामहिम राज्यपाल महोदय का सानिध्य में सिलाई मशीनों का वितरण

4.4.4.8 एससी–एसपी योजना के तहत भंडारण के लिये कोठियों का वितरण

परियोजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोदित गांव खुड़ियाला में एससी–एसपी परियोजना के अंतर्गत अनुसूचित वर्ग के 50 युवाओं को अनाज भंडारण के लिये कोठियों का वितरण किया गया।

एससी–एसपी योजना के अंतरगत भंडारण के कोठियों का वितरण

4.4.4.9 उद्यमिता विकास के लिए एक दिवसीय कुक्कुट पालन प्रशिक्षण व पोल्ट्री यूनिट का वितरण

कृषि महाविद्यालय जोधपुर द्वारा केरू गाँव में एक दिवसीय पोल्ट्री पालन प्रशिक्षण का अयोजन किया गया, जिसमे 50 अनुसूचित वर्ग के मुर्गी पालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रत्येक प्रतिभागी को बैग, स्लिप पैड, पेन प्रशिक्षण सामग्री के रूप में प्रदान की गई।

4.4.4.10 उद्यमिता एवम कौशल विकास हेतु एससी–एसपी परियोजना के अर्न्तगत नर्सरी यूनिट का वितरण

एससी–एसपी उद्यमिता एवम कौशल विकास हेतु एससी–एसपी परियोजना के तहत नर्सरी यूनिट का वितरण

परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय जोधपुर द्वारा बेरू गांव में एक दिवसीय नर्सरी विकास पर प्रशिक्षण का अयोजन किया गया, जिसमें 50 अनुसूचित वर्ग के कृषकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कृषि विकास के द्वारा उत्पादकता टीकाऊपन व आमदनी में वृद्धि के लिए परियोजना के माध्यम से प्रयास किए जाएंगे तथा साथ ही क्षेत्र की परिस्थिति, उपलब्ध संसाधन और कृषक समुदाय की आवश्यकता के अनुरूप तकनीकों का निर्धारण व प्रदर्शनों में कृषकों की सक्रिय भागीदारी के प्रयास किए जाएंगे।

4.4.4.11 पशुपालन आधारित समन्वित कृषि प्रणाली (जनजाति उप परियोजना)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय पोषित जनजाति उप–योजना के तहत पशुपालन आधारित समन्वित कृषि प्रणाली का संचालन सिरोही एवं पाली जिले में किया जा रहा है। वर्ष 2022 में दोनों जिलों में पशुपालन आधारित निम्न इन्टर्वेनशन जनजाति पशुपालकों की आय बढाने के लिए किए गए –

❖ उन्नत किस्म की मुर्गियों का प्रदर्शन – दोनों जिलों के कुल 300 जनजाति पशुपालकों को 6000 मुर्गियों वितरित किया गया। जिसमें प्रत्येक पशुपालक को 20 मुर्गी, एक दाने का बर्तन एवं एक पानी का बर्तन उपलब्ध करवाए गए।

उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि उन्नत मुर्गी पालन बकरी पालन ना केवल बेहतर आय का सतत साधन है वरण कुपोषण व बेरोजगारी को दूर करने का ग्रामीण स्तर पर अच्छा विकल्प है। परियोजना के मुख्य अन्वेक्षक डॉ पंकज लवानिया ने कार्यशाला में उपयोजना क्षेत्र के जनजाति वर्ग को कृषक समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए उन्नत पशुपालन के तौर तरीकों को अपनाने पर जोर दिया।

❖ मल्टी न्युटरेन्ट फीड ब्लॉक – पाली जिले में बाली तहसील के 40 जनजाति के बकरी पालकों को 600 मल्टी न्युटरेन्ट फीड ब्लॉक्स का वितरण किया गया। जिसमें बकरियों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव देखा गया।

❖ संतुलित पशु आहार का प्रदर्शन – 100 पशुपालकों को संतुलित पशु आहार एवं मिनरल मिक्सर का वितरण किया गया तथा गाय–भैंसों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव देखा गया।

❖ बेर के पौधों का प्रदर्शन – पाली जिले में बाली तहसील के 50 किसानों को 300 बेर के उन्नत किस्म (गोला) के पौधों का वितरण किया गया।

❖ सिरोही नस्ल के बकरों का प्रदर्शन – देशी नस्ल की बकरियों के नस्ल सुधार हेतु सिरोही नस्ल के 20 बीजू बकरों का प्रदर्शन/वितरण किया गया।

❖ बांस के पौधों का प्रदर्शन – सिरोही जिले 100 किसानों को 500 बांस के पौधों का वितरण किया गया ताकि पशुओं को वर्ष भर हरा चारा उपलब्ध हो सके।

4.4.4.12 ग्रामीण युवाओं की आय बढ़ाने के लिए ''नर्सरी प्रबंधन'' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति योजना के अंर्तगत 29 मार्च, 2022 को ग्राम–बेरू में ''ग्रामीण युवाओं की आय बढ़ाने के लिए नर्सरी प्रबंधन'' पर एक दिवसीय ऑफ–कैम्पस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। 50 ग्रामीण युवाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

4.4.4.13 कार्यात्मक उद्यानिकी नर्सरी

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में फलों, सब्जियों और मौसमी फलों की नर्सरी संचालित की जा रही है। वर्तमान में

कलमी बेर (किस्म–गोला) के लगभग 300 पौधे और हेज के लगभग 1200 पौधों का उत्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त फूलगोभी, टमाटर, ब्रोकली, खीरा और सर्दियों के वार्षिक फूलों की पौध भी लगाई गयी है।

4.4.4.14 मातृ–प्रखण्ड बाग (मदर ब्लॉक) की स्थापना

वर्ष 2022 के वर्षा ऋतु में कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में अंजीर (किस्म–डायना), अनार (किस्म–भगवा, जालोर सीडलेस), कागजी नींबू, बारामासी नींबू, कुमट, अमरूद (किस्म–बर्फखान, अर्का मृदुला, ललित, स्वेता, हिसार सफेदा, इलाहाबाद सफेदा एवं हिसार सुर्खा), बेर (किस्म–गोला, सेब, उमरान), आँवला (किस्म–एनए–7), बेल (किस्म–एनबी–5), लसोड़ा (किस्म–मरू समृद्धि) एवं आम (किस्म–केशर) इत्यादि फल वृक्षों के 167 पौधों का एक मातृ–प्रखण्ड बाग स्थापित किया गया है।

4.4.4.15 राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

दिनांक 01 से 07 जून, 2022 तक कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) शिविर का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष प्रो. सीता राम कुम्हार ने एनएसएस शिविर के महत्व पर भाषण दिया और छात्रों को समाज के लिए स्वयंसेवकों के रूप में काम करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बनवारी लाल, एनएसएस, समन्वयक, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर ने एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

बताया और शिविर के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। श्री पी आर रेगर, कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस शाखा ने शिविर में स्वयंसेवकों की कार्य योजना और जिम्मेदारी का विवरण प्रस्तुत किया है। समापन समारोह माननीय कुलपति प्रोफेसर बी आर चौधरी, अधिष्ठाता और संकाय अध्यक्ष, डॉ. सीता राम कुम्हार, डॉ बनवारी लाल एनएसएस समन्वयक एवं कृषि महाविद्यालय के संकाय सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। छात्र–छात्राओं को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। दिनांक 24 से 30 जून, 2022 तक एक अतिरिक्त एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) शिविर का कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजन किया गया।

4.4.4.16 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

कृषि महाविद्यालय जोधपुर के एनएसएस शाखा द्वारा दिनांक 21.06.2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर परिसर में मनाया गया। योग प्रशिक्षक, मिस पायल और उनके अधिनस्थों ने हमारे माननीय कुलपति डॉ. बी. आर. चौधरी, अधिष्ठाता और संकाय अध्यक्ष, प्रोफेसर सीता कुम्हार की उपस्थिति में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को योग प्रशिक्षण दिया। माननीय कुलपति डॉ. बी.आर. चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन में अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है।

योग दिवस का आयोजन

4.4.4.17 स्वच्छ भारत अभियान :

अक्टूबर माह में कृषि महाविद्यालय जोधपुर में एक माह का स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। इस महीने भर चलने वाले स्मरणोत्सव के दौरान कॉलेज के छात्रों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें गांधीजी के जीवन और शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसर के साथ–साथ परिसर के आस–पास प्लास्टिक और रेजिन और अन्य सामग्रियों का संग्रह और अपशिष्ट पृथक्करण और निपटान जैसी विभिन्न सफाई गतिविधियाँ की गईं। इसी प्रकार खरपतवारों को उखाड़ना, बाड़ों की कटाई का कार्य किया गया और इस बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग खाद बनाने के लिए किया गया। नए कॉलेज परिसर भवन में लहरदार क्षेत्र को समतल छात्रों द्वारा मैन्युअल रूप से किया गया था। अधिष्ठाता और संकाय अध्यक्ष, डॉ. सीता राम कुम्हार के निर्देशानुसार महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय परिसर की चारदीवारी के साथ–साथ सड़क किनारे विभिन्न प्रजातियों के पौधो का वृक्षारोपण किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत गतिविधियों की झलकियां

4.4.4.18 गांधी जयंती और अहिंसा दिवस समारोह :

अहिंसा दिवस 2 अक्टूबर को प्रति वर्ष मनाया जाता है, महात्मा गांधी का जन्मदिन, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नेता और अहिंसा के दर्शन और रणनीति के अग्रणी। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रशासनिक खंड में महात्मा गांधी जी की जयंती के उपलक्ष्य में यह दिवस मनाया गया। गांधी जयंती के उत्सव कार्यक्रम के लिए सभी कर्मचारी और छात्र विश्वविद्यालय के परिसर में एकत्र हुए। डॉ. एस.के. मूंड और डॉ. जे.आर. वर्मा ने गांधी जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और इस तरह की सावधानीपूर्वक नियोजित गतिविधियों के माध्यम से सत्य, शांति और अहिंसा के संदेश को फैलाने के लिए शिक्षकों और छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

गांधी जयंती और अहिंसा दिवस

4.4.4.19 नवप्रवेशित विद्यार्थियों का अभिविन्यास कार्यक्रम :

महाविद्यालय द्वारा 18 अक्टूबर 2021 को कृषि स्नात्तक, स्नात्तकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति उपाधि कार्यक्रमों में नवीन प्रवेशित आगन्तुक विद्यार्थियों को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के पाठ्यक्रम, कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, खेलकूद, सांस्कृतिक, अकादमिक, अनुसंधान, एनएसएस, उपस्थिति नियम, परीक्षा नियमों इत्यादि की जानकारी हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. सीताराम कुम्हार द्वारा नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए संदेश "कठिन परिश्रम, उच्च शिक्षा एवं समृद्ध जीवन" को नवआगन्तुकों के साथ साझा किया।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का अभिविन्यास कार्यक्रम

अधिष्ठाता महोदय ने अपने उद्‌बोधन में सभी आगन्तुकों का अभिनन्दन किया व विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

4.4.4.20 स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का दशम् स्थापना दिवस दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को उल्लासपूर्ण रूप से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा कृषि एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए कार्यों की प्रशंसा की गई एवं भविष्य में किसानों के लिए की आय बढ़ाने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने के दिशानिर्देश देते हुए विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का दशम् स्थापना दिवस समारोह

अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. के. एल. श्रीवास्तव द्वारा भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का किसानों द्वारा अधिक से अधिक उपयोग लिए जाने का आग्रह किया गया एवं विश्वविद्यालय द्वारा योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने के प्रयासों की प्रशंसा की गई।

4.4.4.21 संविधान दिवस समारोह

संविधान दिवस हर साल 26 नवंबर को भारत के संविधान को अपनाने और संविधान के संस्थापकों के योगदान को सम्मान देने और स्वीकार करने के लिए मनाया जाता है। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर इस दिन को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर को हमारे संविधान के निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान के लिए, जिन्होंने अब तक एक महान लोकतंत्र के रूप में भारत की नियति का मार्गदर्शन करने के उपलक्ष्य में मनाया गया है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सीता राम कुम्हार ने कहा कि हमारे संविधान ने दलितों और अंतिम पंक्ति के लोगों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संविधान की बुनियादी रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह दस्तावेज नागरिकों के बीच बंधुत्व को बढ़ावा देने के अलावा न्याय, समानता और स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

छात्रों ने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी और संकल्प लिया कि वे अपने भीतर न्याय, स्वतंत्रता, बंधुत्व और समानता को बढ़ावा देंगे और अन्य व्यक्तियों को भी इस प्रतिज्ञा को लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

4.4.4.22 कृषि शिक्षा दिवस मनाया

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने दिनांक 03 दिसम्बर 2022 को कृषि शिक्षा दिवस मनाया। इस अवसर पर अधिष्ठाता एवं फैकल्टी चेयरमैन प्रोफेसर सीता राम कुम्हार ने कृषि क्षेत्र, शिक्षण, शोध एवं विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। माननीय कुलपति, डॉ. बी.आर. चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन युवाओं को नौकरी की संभावनाओं के बारे में बताते हुए कृषि को एक पेशे के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किया गया था। डॉ. एस.के. मूंड ने कार्यक्रम के महत्व की जानकारी दी और कहा कि भारत मूल रूप से कृषि पर निर्भर देश है और 62 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। राष्ट्र में कृषि के विकास को और अधिक केंद्रित करना है और छात्रों की वर्तमान पीढ़ी को

कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

कृषि शिक्षा के बारे में जागरूक होना चाहिए और उन्हें पेशे में रुचि दिखाने की जरूरत है। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह ने कहा कि किसान फसलों की खेती कर रहे हैं, लेकिन वैज्ञानिक पद्धति को शामिल करने से कृषि अधिक लाभकारी होगी, डॉ. एस.डी. रतनू, निदेशक अनुसंधान ने भी इस अवसर पर सम्बोधन दिया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय जोधपुर के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

4.4.4.23 विश्व मृदा दिवस समारोह

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा 05 दिसंबर 2022 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। इस आयोजन में मृदा प्रबंधन के साथ बढ़ते मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाई। मृदा जागरूकता बढ़ाने और मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए,

विश्व मृदा दिवस समारोह

विश्व मृदा दिवस 2022 विषय, ''मृदाः जहां भोजन शुरू होता है,'' का उद्देश्य स्वस्थ पारिस्थितिक तंत्र और मानव कल्याण को बनाए रखने के मूल्य की सार्वजनिक समझ को बढ़ाना है। अधिष्ठाता एवं फैकल्टी चेयरमैन प्रोफेसर सीता राम कुम्हार ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मनुष्यों के लिए स्वस्थ मिट्टी के महत्व और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए जैविक पदार्थ और जैव–उर्वरकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. पी.आर. रैगर ने मिट्टी के भौतिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए जैविक खादों, जैव उर्वरकों और हरी खादों के उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे मिट्टी के कटाव को नियंत्रित किया जा सके और किसानों की आय में वृद्धि करने में भी मदद मिल सके। डॉ. सीमा ने "मिट्टी का कटाव रोको–हमारा भविष्य बचाओ" के नारे पर जोर दिया। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य के बेहतर प्रबंधन के लिए हरी खाद, हरी पत्ती की खाद, एफवाईएम जोड़ने जैसी उपलब्ध तकनीकों को भी सूचीबद्ध किया और मृदा प्रदूषण और उनके प्रबंधन के उभरते मुद्दों को दूर करने के लिए विभिन्न गतिविधियों की व्याख्या की। डॉ जे आर वर्मा और डॉ एम एम कुमावत ने भी विचार व्यक्त किए।

4.4.4.24 अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिता

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन कृषि महाविद्यालय, जोधपुर ने अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिता 2022–23 का आयोजन 17–19, दिसंबर 2022 तक किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के तहत सभी 6 संघटक कॉलेजों के 127 छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लिया। इसका उद्घाटन प्रो. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति ने किया, छात्रों को कार्यक्रम के माध्यम से हमारे समाज की समृद्ध संस्कृति को सीखने और संरक्षित करने की सलाह दी। साथ ही, विश्वविद्यालय के डीन, निदेशकों और अन्य शिक्षकों ने भाग लिया और छात्रों को प्रेरित किया।

सभी 6 कॉलेजों के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जैसे शास्त्रीय और हल्का

अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिता 2022–23

गायन, मोनोएक्टिंग, स्किट, पेंटिंग, ड्राइंग, लाइट इंस्ट्रूमेंट, निबंध, वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी और समूह नृत्य। 127 छात्रों ने कार्यक्रमों में भाग लिया और इन्हें भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किया और विजेताओं को योग्यता प्रमाण पत्र दिया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए बाहरी विशेषज्ञों को निष्पक्ष चयन के लिये आमंत्रित किया गया।

4.5.5 कृषि महाविद्यालय में संचालित मुख्य परियोजनाएं

4.5.5.1 एस.सी.–एस.पी. परियोजना

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के द्वारा अनुसूचित समाज को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एससी–एसपी प्रोजेक्ट सन् 2019 से संचालित किया जा रहा है। इस योजना अन्तर्गत अनुसूचित वर्ग के किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के साथ–साथ विभिन्न तरह की जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अनुसूचित वर्ग के किसानों में स्वरोजगार की भावना जागृत होने और समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास किया गया। परियोजना में परंपरागत खेती व अन्य व्यवसाय जैसे–बकरी पालन, मुर्गी पालन, केंचुआ खाद, नर्सरी प्रबंधन व्यवसाय करके अनुसूचित समाज आर्थिक स्थिति और सामाजिक स्थिति में परिवर्तन का प्रयास किया जा रहा है। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा संचालित परियोजना में 2019 से 2021 तक 15 प्रशिक्षण, तीन अभिविन्यास कार्यक्रम, तीन उद्यमिता विकास, दो कोचिंग कार्यशाला, तीन नर्सरी, तीन उद्यमिता केन्द्र, पाँच अनुभव

एस.सी.–एस.पी. परियोजना के तहत बकरी एवं कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना

प्रायोगिक केन्द्र एक मुर्गी प्रबंधन इकाई व 40 मुर्गी पालन इकाईयों की स्थापना की गई है जिसमें लगभग 1000 युवा महिला एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। इस परियोजना में तीन वर्षों में 150 लाख रूपये की अनुदान राशि विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है, जिससे विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु सभी आवश्यक पुस्तकें कृषि महाविद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध करवाई गई।

4.5.5.2 वैश्विक पर्यावरण सुविधा और जैव विविधता परियोजना

कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न कृषि शोध व नवाचारों के साथ स्थानीय स्तर की लुप्त होती किस्मों को बचाने का कार्य भी कर रहा है। रोम के इंटरनेशनल बायोडायवर्सिटी व ग्लोबल इनवायरमेंट फेसेलिटी (जेफ) व कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के बीच फसलों के संरक्षण को लेकर एक संयुक्त कार्यक्रम चल रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत राजस्थान के अलग–अलग स्थानों पर अलग–अलग प्राकृतिक जैव विविधता का संरक्षण करते हुए फसलों को उगाने की बात की गई है, इसके अंतर्गत महाविद्यालय में जैव विविधता के तहत राजस्थान में उगने

जेफ परियोजना के तहत लगाई गए फसल प्रयोग

वाली प्राचीन देसी किस्मों के बीजों को संरक्षित करके उनकी खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस परियोजना अंतर्गत सबसे पहले देशी किस्मों का चयन करके उनकी सूची बनाकर अलग–अलग फसलों को निश्चित माप के ट्रायल प्लॉट में बोया जाता है और उनकी वातावरण के अनुसार बीज बोने से लेकर फसल कटने तक

प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाती है। उसके बाद जो फसल अपने परीक्षण के अनुसार अच्छी साबित होती है, उसे किसानों को उगाने के लिए दिया जाता है। किसान अपने खेतों में चयनित स्थान पर फसल उगाते हैं और उसी प्रकार बीज बोने से लेकर फसल कटने तक प्रगति रिपोर्ट तैयार करते हैं किसानों के पास जिस फसल का संतोषजनक परिणाम आता है, उसे किसान आपस में किसानों को वितरण करते हैं और गांव क्षेत्र में अच्छे बीज का उत्पादन के लिए बीज बैंक की स्थापना की जाती है। इस तरह किसान जो बीज बोता है वह जैव विविधता के प्रति अनुकूल होने के कारण उसमें बीमारियों और कीट पतंगे कम लगते हैं, उत्पादन अधिक प्राप्त होता है और लागत भी कम आती है। इस परियोजना के अंतर्गत बाजरा, अश्वगंधा, मेहंदी, मूंग, मोठ, तिल, सरसों, जीरा आदि फसलों के बीजों का चयन कर किसानों को दिए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय, द्वारा जोधपुर जिले के ओसियां के गोविंदपुरा व मानसागर तथा बाड़मेर के चौहटन के धीरासर व धोंक गांव में कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा सरसों की स्थानीय किस्मों के 150 किलो, चने के 80 किलो व जीरे के 30 किलो बीज तैयार कर किसानों को वितरण किया गया है। किसान इन्हीं फसलों को उगाकर इनसे पैदा होने वाले बीज को बीज बैंक में जमा करेंगे फिर वृहद स्तर पर यह बीज किसानों को दिए जाएंगे। इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के लगभग 2000 किसानों को लाभान्वित करने की योजना है।

4.5.5.3 एससी–एसपी परियोजना के तहत मुर्गी इकाई की स्थापना

कृषि महाविद्यालय जोधपुर के नव–निर्मित भवन पर एससी–एसपी परियोजना के तहत एक मुर्गीपालन युनिट की स्थापना की गई, जिसमें कुल 150 मुर्गियों का पालन किया जा रहा है। इसमें मुख्यतः प्रतापधन एवं कड़कनाथ नस्लों की मुर्गियों का पालन किया जा रहा है। साथ ही इस युनिट की स्थापना से स्नातक में अध्ययनरत विद्यार्थियों को योजना के अंतर्गत मुर्गी उत्पादन प्रोद्योगिकी के संबंध में पढ़ाया जा रहा है।

एससी–एसपी परियोजना के तहत मुर्गी यूनिट

4.5.5.4 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) के तहत फ्रूट हार्वेस्टर, मोरिंगा और नागौरी मेथी लीफ हार्वेस्टर और सोलर प्रोसेसिंग सिस्टम

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को सत्र 2022 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) द्वारा वित्तपोषित परियोजना के तहत ''शुष्क राजस्थान में कैर, मोरिंगा और नागौरी मेथी के मूल्य संवर्धन एवं हार्वेस्टर के डिजाइन और विकास के माध्यम से किसानों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना'' की परियोजना तीन वर्ष के लिए स्वीकृत हुई। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकियों का विकास करना हैं।

मुख्य उद्देश्य :

❖ कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में कैर फलों के सुखाने के लिए कैर फ्रूट हार्वेस्टर, मोरिंगा और नागोरी मेथी लीफ हार्वेस्टर और सोलर प्रोसेसिंग सिस्टम का डिजाइन और विकास करना।

❖ विकसित हार्वेस्टर का प्रदर्शन, मूल्यांकन, ऊर्जा विश्लेषण एवं आर्थिक विश्लेषण करना।

❖ पारंपरिक प्रथाओं और कटाई की विकसित प्रथाओं के बीच तुलनात्मक विश्लेषण करना।

❖ किसानों को विकसित हार्वेस्टर का प्रशिक्षण और प्रदर्शन करना।

❖ किसानों को तकनीकी और उपलब्ध अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करना।

❖ कृषि अनुसंधान केन्द्र, जालोर में कैर का संग्रह और मोरिंगा किस्मों की नर्सरी का विकास करना।

मोरिंगा और नागौरी मेथी के (डी.एस.टी.) के तहत फसल प्रयोग

❖ मूल्य वर्धित उत्पादों की तैयारी और हार्वेस्टर के डिजाइन और विकास के लिए उपलब्ध प्रयोगशाला सुविधा प्रदान करना।

❖ खाद्य और पूरक पशु आहार के मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन करने के लिए क्षमता निर्माण और तकनीकी मार्गदर्शन करना।

❖ संग्रह, प्रसंस्करण, मूल्य वर्धित उत्पादों की तैयारी और बाजार लिंकेज गतिविधियों के विकास के लिए एसएचजी समूह का चयन करना।

❖ विपणन लिंकिंग अनुप्रयोग का विकास करना।

इस परियोजना के तहत विश्वविद्यालय को कुल 2,35,97,356 रूपये की बजट राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से प्रथम वर्ष के लिए 1,28,54,560 रूपये प्राप्त हुए। इस परियोजना के तहत मोरिंगा एवं नागौरी मेथी की प्रायोगिक परीक्षण प्रणाली को कृषि महाविद्यालय, जोधपुर एवं नागौर में प्रारम्भ किया गया है।

4.5.5 छात्र प्लेसमेन्ट्स व अन्य संस्थानों में प्रवेश

महाविद्यालय के छात्र जो सरकारी सेवाओं में चयनित हुए उनका विवरण निम्नुसार हैः–

S.No.	Name	Class	Designation	Selction Year
1.	Ms Rishika Jhalwar	B.Sc. (Ag.) Agri.	Agriculture Supervisor	2022
2.	Mr Vishnu Singh Rathore	B.Sc. (Ag.) Agri.	Agriculture Supervisor	2022
3.	Mr. Dharmendra	B.Sc. (Ag.) Agri.	Agriculture Supervisor	2022
4.	Ms.Madhu Bala	B.Sc. (Ag.) Agri.	Agriculture Supervisor	2022

इनके अतिरिक्त जिन विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के विभिन्न संकायों में स्नातकोत्तर एवं पी.एच. डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया गया उनका विवरण निम्न प्रकार है :–

S. No.	Name	College	Year of Admission	Department
ICAR-JRF				
1.	Arun Meena	CoA-J	2022	Physical Science
2.	Suresh Jat	CoA-J	2022	Plant Sciences
3.	Kapil Parihar	CoA-J	2022	Entomology and Nematology
4.	Nikhil	CoA-J	2022	Agronomy
5.	Khushkarandeep Singh	CoA-J	2022	Agronomy
ICAR				
7.	Tarun Gandhi	CoA-J	2022	Agriculture Economics
8.	Hardeep	CoA-J	2022	Soil Science
9.	Saroj Bhanwariya	CoA-J	2022	Agronomy
10.	Rajesh Samota	CoA-J	2022	Soil Science
11.	Devi Lal	CoA-J	2022	Agronomy
12.	Anuj Kumar	CoA-J	2022	Agronomy
13.	Manisha Yadav	CoA-J	2022	Agronomy

CoA-J: College of Agriculture, Jodhpur

4.5.6 स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची

S. No.	Name of Student(s)	Registration No.	Name of Degree	Title of Thesis	Year of Degree award
	Doctorate Degree				
1	Radhe Shyam Kherwa	18-01-02-02-02	PhD (Ag.) Horticulture	Heterosis and combining ability studies for yield and component characters in Brinjal (*Solanum melongena* L.) over different seasons	2022
	Master's Degree				
1.	Devi Lal Kikraliya	2020MAGROJ02	M.Sc. (Ag.) Agronomy	Bio-efficacy of sorghum extract and herbicide on growth, yield and quality of wheat (*Triticum aestivum* L.)	2022
2.	Anuj Kumar	2020MAGROJ01	M.Sc. (Ag.) Agronomy	Efficacy of Herbicides on Growth and Yield of Chia (*Salvia hispanica* L.)	2022
3	Manisha Yadav	2020MAGROJ03	M.Sc. (Ag.) Agronomy	Herbicidal Weed Management in Chickpea (*Cicer arietium* L.)	2022
4	Vikash Meena	2020MAGROJ04	M.Sc. (Ag.) Agronomy	"Efficacy of herbicides in Fenugreek (Trigonella foenum-graecum L.)"-	2022
5	Somendra Meena	2020MHORTJ03	M.Sc. (Ag.) Horticulture	Effect of Integrated Nutrient Management on Growth, Yield and Quality of Ber (*Ziziphus maur itiana* Lam.)	2022
6	Suman Punia	2020MHORTJ04	M.Sc. (Ag.) Horticulture	Effect of Gibberellic Acid, 4-CPA and NAA on Growth, Yield and Quality of Tomato (*Solanum lycopersicum* L.) *cv.* Ansal	2022
7	Ronak Kuri	2020MHORTJ01	M.Sc. (Ag.) Horticulture	Effect of Zinc and Iron application on Growth and Yield of Garlic (*Allium sativum* L.)	2022
8	Ajjad Khan	2020MPATHJ01	M.Sc. (Ag.) Plant Pathology	Evaluation of Different Species and Substrates for Cultivation of Oyster (*Pleurotus* spp.)	2022
9	Sunita Sharma	2020MPATHJ04	M.Sc. (Ag.) Plant Pathology	Incidence of Root Rot (*Rhizoctonia solani* Kuhn) of Fenugreek (*Trigonella foenum -graecum* L.) and Its Management	2022
10	Gopal Lal Yadav	2020MPATHJ02	M.Sc. (Ag.) Plant Pathology	Studies on Prevalence, Identification and Management of Alternaria blight (*Alternaria* spp.) of Cumin (*Cuminum cyminum* L.)	2022

11	Akshay Kumar Singh Pratihar	2020MENTOJ01	M.Sc. (Ag.) Entomology	Population Dynamics of Insect Pests and Management of Aphid, *Lipaphis erysimi* (Kalt.) in Mustard	2022
12	Shreya Mishra	2020MENTOJ04	M.Sc. (Ag.) Entomology	Population Dynamics of Insect Pests and Management of Aphid in Fenugreek (*Trigonella foenum -graecum* L.)	2022
13	Sarita Dadhich	2020MENTOJ03	M.Sc. (Ag.) Entomology	Bionomics and Management of Predominant Species of Aphid in Cumin (*Cuminum cyminum* L.)	2022
15	Ajay Singh	2020MGPBRJ01	M.Sc. (Ag.) Genetics & Plant Breeding	Genetic Variability and Character Association Studies in Chickpea (*Cicer arietium* L.)	2022
16	Pinky Badgotya	2020MGPBRJ03	M.Sc. (Ag.) Genetics & Plant Breeding	Genetic Analysis for Heat Tolerance in Wheat (*Triticum aestivum* L.)	2022
17	Surendra Kumar	2020MGPBRJ04	M.Sc. (Ag.) Genetics & Plant Breeding	Genetic Variability and Stability Analysis in Mustard (*Brassica juncea* L.)	2022
18	Hitesh Choudhary	2020MGPBRJ02	M.Sc. (Ag.) Genetics & Plant Breeding	Genetic Variability, Correlation and divergence studies in Brassica spp.	2022
19	Ankita Bishnoi	2020MEXTNJ01	M.Sc. (Ag.) Extension Education	Technological Gap in Adoption of Kinnow Production Technology among the Farmers of Sri Ganganagar District of Rajasthan	2022
20	Antima Bera	2020MEXTNJ02	M.Sc. (Ag.) Extension Education	Knowledge and Attitude of Farmers towards Soil Health Cards in Nagaur District of Rajasthan	2022
21	Kamlesh Gurjar	2020MEXTNJ03	M.Sc. (Ag.) Extension Education	Behaviour of onion growers towards Integrated Pest Management Practices (IPM) in Jodhpur district of Rajasthan	2022
22	Ravindra Singh Choudhary	2020MEXTNJ04	M.Sc. (Ag.) Extension Education	Level of soft skills among Under Graduate Students of Agriculture University, Jodhpur	2022

4.5.7 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा विद्यार्थीयों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक शैक्षणिक वातावरण जैसे नियमित कक्षाओं का संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद प्रतियोगिता, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा हैं। छात्र स्थानन के तहत बहुत से छात्र एवं छात्राओं का विभिन्न पदों पर चयन हुआ व अन्य संस्थानों में प्रवेश लिया है।

4.6 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर (पाली)

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–2बी (जालोर, पाली एवं सिरोही जिले) में स्थित हैं। इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2012 में कृषि उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। महाविद्यालय का भवन लगभग सभी आधारभूत सुविधाओं से युक्त हैं जिनमें मृदा विज्ञान प्रयोगशाला, शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, कम्प्यूटर, प्रसार शिक्षा एवं पुस्तकालय है। महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर डिजिटल सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। वर्तमान में महाविद्यालय में कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में कुल 268 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के सातवें बैच ने जून, 2022 में अपनी डिग्री पूर्ण कर लिया है।

4.6.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं :–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण :

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1.	आचार्य	02	01	01
2.	सह–आचार्य	05	03	02
3.	सहायक आचार्य	24	19	05
	कुल पद	**31**	**23**	**08**

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण :

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1.	सहायक रजिस्ट्रार	01	00	01
2.	सहायक अनुभाग अधिकारी	01	00	01
3.	प्रयोगशाला सहायक	04	03	01
4.	निजी सहायक	01	00	01
5.	कार्यालय सहायक	01	00	01
6.	निम्न श्रेणी लिपिक	01	00	01
7.	उच्च श्रेणी लिपिक / लिपिक ग्रेड–1	01	01	00
8.	लिपिक ग्रेड–2	01	01	00
9.	फार्म मैनेजर	01	00	01
10.	तकनीकी सहायक	02	00	02
11.	खेल कोच	01	00	01
12.	प्रयोगशाला उपस्थक	02	00	02
13.	छात्रावास मैट्रॉन	01	00	01
14.	पम्प ऑपेरटर	01	01	00
15.	पुस्तकालय सहायक	01	00	01
16.	कृषि पर्यवेक्षक	01	01	00
17.	फार्म वर्कर	01	01	00
18.	बुक लिफटर	01	00	01
	कुल पद	**23**	**08**	**15**

4.6.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या

अ. छात्रों की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	एम.बी.सी.	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	03[+]	11	46	14	08	04	01[+]	86
द्वितीय वर्ष	02	06	15	06	03	01	00	33
तृतीय वर्ष	04	04	23[+]	07	04	01	02[+]	43
चतुर्थ वर्ष	08[+]	00	24	08	02	01	01[+]	43
कुल योग	**17**	**21**	**108**[+]	**35**	**17**	**07**	**04**[+]	**205**

[+]दिव्यांग सम्बंधित वर्ग समूह में सम्मिलित है।

ब. छात्राओं की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	एम.बी.सी.	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	02	01	13	02	02	00	00	20
द्वितीय वर्ष	02	02	10	03	00	00	00	17
तृतीय वर्ष	01	02	11	01	01	00	00	16
चतुर्थ वर्ष	00	01	07	01	01	00	00	10
कुल योग	**05**	**06**	**41**	**07**	**04**	**00**	**00**	**63**

4.6.3 कुल उत्तीर्ण विद्यार्थी (वर्ष 2022)

डिग्री कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	अन्य पिछड़ा वर्ग	एम.बी.सी.	अनु.जाति	अनु. जनजाति	कुल
स्नातक	8	28	00	03	06	**45**

4.6.4 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2022 की प्रगति

4.6.4.1 छात्रवृत्ति विवरण

कृषि विभाग राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रोत्साहन राशि रु. 12,000/– प्रति वर्ष सभी छात्राओं को दी जा रही है। समाज कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति में अनु. जाति, अनु. जनजाति, अ. पि. व. एवं एस. वी. सी. के छात्रों ने आवेदन कर रखा है।

4.6.4.2 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का 2022 में सरकारी नौकरी में चयन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से उत्तीर्ण निम्नलिखित 35 छात्र–छात्राओं का कृषि विभाग, राजस्थान सरकार में कृषि पर्यवेक्षक के पद पर वर्ष 2022 में नियुक्ति हुई।

हेमराज कुम्हार	राजेश मेघवंशी	अशोक निनामा	चन्द्रभान नागा
साँवरिया लाल सुथार	मीना कुमारी डामोर	पूजा कुमावत	सुनिल कुमार शर्मा
प्रदीप कुमार	राहुल यादव	सरोज चौधरी	प्रद्युमन सिंह
अर्जुन राम	महीपाल पटेल	पूनम	रामबाबू रूहेला
कैलाश कुमार मीणा	सरोज	अर्पित कुमार मीणा	चन्द्रपाल
लक्ष्मण सिंह देवड़ा	रोहित मीणा	सुन्दर लाल दादरवाल	विक्रम कुमार गर्ग
मोहन पाल सिंह	बजरंग सिंह देवड़ा	करण सिंह	मनीष कुमार
अन्जू जाट	पूजा चौधरी	द्वारका राम	सुकन राज
कल्पना	प्रियंका मीणा	अशोक कुमार	

4.6.4.3 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का 2022–23 में स्नातकोत्तर में प्रवेश

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	विषय	विश्वविद्यालय का नाम
1.	पारूल सेठीया	आनुवंशिकी और पादप प्रजनन	राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
2.	मोनिका	सस्य विज्ञान	राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
3.	अजरुद्दीन	कृषि प्रसार शिक्षा	राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
4.	सागर	मृदा विज्ञान	स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बिकानेर, राजस्थान
5.	अजय जाखड़	आनुवंशिकी और पादप प्रजनन	कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
6.	प्रितम	पादप रोग विज्ञान	नागालैंड विश्वविद्यालय
7.	सुभाष चंद्र	कीटविज्ञान	नागालैंड विश्वविद्यालय
8.	सुनिल भाकर	उद्यान विज्ञान	राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
9.	गोविन्द डांगी	कीटविज्ञान	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश
10.	हंसा देवी	कृषि प्रसार शिक्षा	महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
11.	वासुदेव	जैव प्रौद्योगिकी	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश
12.	गजानन्द छिपा	कृषि प्रसार शिक्षा	केन्द्रिय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणीपुर
13.	मोहन लाल	उद्यान विज्ञान	राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

नोट– केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित प्रवेश के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा का परिणाम अभी लम्बित है।

4.6.5 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन

4.6.5.1 राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

स्वामी विवेकानन्द जंयती के उपलक्ष्य में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 12.01.2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर. एल. भारद्वाज ने सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को स्वामी विवेकानन्द जी की जीवनी के बारे में बताते हुए उनके सिद्धांतों को अपनाने हेतु प्रेरित किया।

4.6.5.2 गणतंत्र दिवस

दिनांक 26.01.2022 को प्रातः 7:30 बजे कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन ध्वजारोहण कर किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आर. एल. भारद्वाज, अधिष्ठाता ने सभी को शुभकामनायें देते हुए, सभी को अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा करने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी।

4.6.5.3 मुर्गीपालन प्रबन्धन प्रशिक्षण का आयोजन

दिनांक 08 फरवरी, 2022 को एस.सी.एस.पी. परियोजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तहत में महाविद्यालय पर मुर्गीपालन प्रबन्धन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमे सुमेरपुर के 50 ग्रामीण अनुसूचित जाति के युवाओं ने भाग लिया। अलग–अलग विषय विशेषज्ञों द्वारा कम लागत एवं कम जगह पर मुर्गीपालन करना, उन्नत मुर्गीपालन में आहार प्रबंधन एवं विभिन्न बीमारियां एवं उनमें होने वाले टीकाकरण कार्यक्रम, मुर्गीपालन में संतुलित पोषण, फसल अवशेषों का सदुपयोग एवं मुर्गी फार्म के अपशिष्ट पदार्थों का मृदा स्वास्थ्य में योगदान पर व्याख्यान दिये गए।

4.6.5.4 व्यावसायिक बकरी पालन प्रशिक्षण का आयोजन

दिनांक 05 मार्च, 2022 को एस.सी.एस.पी. परियोजना के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित के तत्वाधान में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में बकरी पालन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सुमेरपुर के 50 ग्रामीण अनुसूचित जाति के युवाओं, महिलाओं एवं किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर. एल. भारद्वाज के द्वारा की गई। डॉ. भारद्वाज ने कम लागत एवं कम जगह पर बकरी पालन, डॉ. एम.पी.वर्मा ने बकरी पालन व्यवसाय में आहार प्रबंधन एवं उनमें होने वाली विभिन्न बीमारियों एवं टीकाकरण कार्यक्रम, डॉ. एच.पी.परेवा ने बकरियों से प्राप्त अपशिष्ट को एक अच्छा खाद तैयार करने आदि के बारे में बताया।

4.6.5.5 युवाओं में मुर्गी पालन व्यवसाय की अहम भूमिका

दिनांक 08 मार्च, 2022 को एस.सी.एस.पी. प्रोजेक्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित के तहत में महाविद्यालय पर मुर्गीपालन प्रबन्धन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुमेरपुर एवं बाली क्षेत्र के 50 ग्रामीण अनुसूचित जाति के युवाओं, महिलाओं एवं किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. एम.पी.वर्मा ने मुर्गीपालन व्यवसाय को ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक उपयोगी व्यवसाय बताया। अलग–अलग विषय विशेषज्ञों द्वारा मुर्गीपालन, उन्नत मुर्गीपालन में आहार प्रबंधन, विभिन्न बिमारियां एवं टीकाकरण कार्यक्रम, मुर्गीपालन में संतुलित पोषण, मुर्गी अपशिष्ट का सुप्रबंधन करके कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाना आदि पर व्याख्यान दिये गए।

4.6.5.6 प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईएलपी) का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के पंचम अधिष्ठाता समिति अनुसंशा अनुसार चतुर्थ वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईएलपी) पर आधारित छात्र रेडी (ग्रामीण उद्यमिता जागरूकता विकास योजना) कार्यक्रम के कुल चार मॉड्युल्स क्रमशः कृषि अपशिष्ट प्रबन्धन (एस एस ए

सी–422) जैविक उत्पादन प्रौद्योगिकी (एग्रोन–421), कुक्कुट उत्पादन प्रौद्योगिकी (एल पी एम–421) एवं वाणिज्यिक उद्यानिकी (हॉर्ट–421) का आरम्भ दिनांक 08.03.2022 से किया गया। इस प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रायोगिक ज्ञान अर्जित कर नौकरी तलाशने के बजाय कृषि में नये–नये नवाचार करके नौकरी देने वाले व्यक्तित्व का निखार करना है। छात्रों में प्रायोगिक अनुभव के माध्यम से कौशल एवं ज्ञान को बढ़ाना, प्रोजेक्ट मोड में काम करने के लिए आत्मविश्वास एवं क्षमता का निर्माण के साथ ही उद्यम प्रबंधन क्षमताओं में वृद्धि करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने कौशल में निपुर्णता, परियोजना बनाना, टीम समन्वय, समस्या समाधान, गुणवत्ता नियंत्रण और विपणन, स्टार्ट अप और उद्यमिता की शुरुआत करने के बारे में स्वयं भागीदारी होकर प्रायोगिक रूप से अध्ययन किया।

4.6.5.7 वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दो दिवसीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता, 2022–23 का शुभारम्भ कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति प्रोफेसर बी.आर. चौधरी के कर कमलों द्वारा दिनांक 28 मार्च, 2022 को किया गया। महाविद्यालय के खेल प्रभारी डॉ. एच. पी. परेवा ने दो दिवस तक चलने वाले वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की विस्तृत रूपरेखा बताई एवं इस दौरान 100,

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

200, 400, 800, 1500 मीटर दौड़, रस्साकशी प्रतियागीता, तस्तरी फेंक, त्रिकूद, लंबी कूद, भाला फेंक, गोला फेंक, कबड्डी, वॉलीबाल, चेस, बैंडमिंटन एवं टेबल टेनिस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। चतुर्थ वर्ष के छात्रों को हराकर महाविद्यालय कर्मचारियों ने रस्साकशी प्रतियोगिता जीती।

4.6.5.8 वार्षिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन 30.3.2022 से 31.3.2022 तक डॉ. एम. पी. वर्मा, सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं उप समितियों के संयोजकों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान एकल नृत्य (शास्त्रीय और लोक), समूह नृत्य (लोक), देशभक्ति गीत (भारतीय), समूह गीत (भारतीय), नाटक, स्किट, माइम, मोनो एक्टिंग, एक्सटेम्पोर, एलोक्यूशन, डिबेट, क्विज, ऑन स्पॉट पेंटिंग, कोलार्ज, पोस्टर मेकिंग, कार्टूनिंग, क्ले मॉडलिंग एवं रंगोली प्रतियोगीताओं का आयोजन किया गया।

4.6.5.9 रैगिंग विरोधी समितियों का गठन

यूजीसी नियमन के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए अप्रेल माह, 2022 में ही कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में विभिन्न रैगिंग विरोधी समितियों का गठन किया गया। संस्था के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रैगिंग विरोधी फ्लेक्स/बैनर चस्पा किए गए। रैगिंग संबंधी

किसी भी शिकायत हेतु अधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों के फोन नंबर एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर कृषि महाविद्यालय एवं कन्या छात्रावास, परिसर में चस्पा किए गए।

4.6.6. शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर ने तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के पंचम अधिष्ठाता समिति अनुसंशा अनुसार 20–29 मई, 2022 तक उत्तर भारत के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण का आयोजन किया। शैक्षणिक भ्रमण का नियंत्रण डॉ. एम. पी. वर्मा और डॉ. एस. सी. मीणा ने किया। दस दिवस के शैक्षणिक के भ्रमण में महाविद्यालय के टीम ने कई शैक्षणिक संस्थानों क्रमशः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय–हिसार, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान–करनाल, भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान–करनाल, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय–लुधियाना, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय–सोलन, गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय–पंतनगर एवं भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान– नई दिल्ली का भ्रमण कर नई–नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

शैक्षणिक भ्रमण

4.6.6.1 विश्व साइकिल दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 3 जून, 2022 को विश्व साइकिल दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने साइकिल चलाकर शारीरिक स्वास्थ्य फिट रखने का संदेश दिया। अधिष्ठाता ने विद्यार्थियों से साइकिल चलाने के बहुआयामी व्यायाम के साथ कई स्वास्थ्य लाभ बताये।

4.6.6.2 सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन 14 जून, 2022 को अधिष्ठाता डॉ. आर. एल. भारद्वाज ने किया जिसमें 59 स्वयंसेवकों को राष्ट्र की सेवा हेतु प्रशिक्षित किया गया। 22 जून, 2022 को एक और सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन किया गया। इन दोनों शिविरों में स्वयंसेवकों के द्वारा निम्नलिखित कार्य संपादित किये गये।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

1. शिविर के दौरान स्वयं सेवकों ने महाविद्यालय के सामने प्रागंण की सफाई एवं समतलीकरण किया साथ ही सभी ने राष्ट्र की सेवा में हमेशा तत्पर रहने की शपथ ली।

2. शिविर के दौरान स्वयं सेवकों को विभिन्न योगाभ्यास जैसे भ्रामरी, अनुलोम – विलोम, कपाल भाती, सूर्य नमस्कार एवं कई अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास किया।

3. स्वयं सेवकों ने जवाई बाँध के प्रवेश द्वार पर साफ सफाई की एवं लोगों से कचरे को कचरा पात्र में डालने का संदेश दिया। इसके साथ ही क्षेत्र मे फैली प्लास्टिक थैलिया, बोतलों आदि को एकत्रित करके प्लास्टिक थैलियाँ का उपयोग नही करने का सन्देश दिया।

4. स्वयं सेवकों ने शिविर के दौरान राष्ट्रीय सेवा भावना से भगवान महावीर हॉस्पिटल, सुमेरपुर में 14 यूनिट रक्तदान किया। इस रक्तदान में स्वेच्छा से महाविद्यालय के स्वयं सेवक क्रमशः संजू चौधरी, अल्का बालोदा, प्रियंका बिश्नोई, रोहीत, यश गोतम, जितेन्द्र, कानाराम, मोहित, सुरेश, अनिश, ललित, सुरेन्द्र, अमरजीत सिंह एवं कर्मचारी श्री सुदर्शन चौधरी ने रक्तदान किया।

5. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के प्रागंण की सफाई, पौधों की निराई–गुड़ाई, खरपतवार नियंत्रण के साथ–साथ खाद एवं जल प्रबंधन।

4.6.6.3 विश्व योग दिवस

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के मुख्य प्रांगण में 21 जून 2022 को विश्व योग दिवस मनाया गया। इस दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न योग क्रियाऐं जैसे अनुलोम विलोम, कपालभाति, भुजंगासन, पद्मासन, उज्जाई, गरूडासन, भ्रामरी, अर्ध चन्द्रासन का अभ्यास करवाया तथा अधिष्ठाता ने नियमित योगाभ्यास करने पर जोर दिया।

4.6.6.4 मुर्गीपालन इकाई का विस्तार

माननीय कुलपति प्रोफेसर बी.आर. चौधरी के द्वारा महाविद्यालय, सुमेरपुर में मुर्गीपालन इकाई का उद्घाटन दिनांक 19.06.2021 को किया था। इस वर्ष इकाई में विस्तार किया गया जिसे छात्र–छात्राओं के प्रायोगिक कार्य करने के साथ–साथ पाली जिले के किसानों को प्रशिक्षण हेतु उपयोग में लिया जा रहा है। वर्तमान में मुर्गीपालन इकाई में कड़कनाथ, अंकलेश्वर, प्रतापधन एवं रोड आयलैण्ड रेड की मुर्गीयाँ है।

4.6.6.5 बकरी पालन इकाई की स्थापना

महाविद्यालय में इस वर्ष बकरी पालन इकाई कि स्थापना कि गई। वर्तमान में बकरी पालन इकाई में सिरोही नस्ल की बकरीओं को उनकी विपरीत वातावरण को सहन करने की क्षमता एवं अपार संभावनाएं जैसे दूध एवं मांस के

लिए उपयोगी होने के कारण सम्मिलित की गई है। इन बकरियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक होती है।

4.6.6.6 मछली पालन इकाई की स्थापना

कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर के फार्म पर बने हुये जल ग्रहण तालाब में इस वर्ष रोहू मछली का पालन कार्य की शुरूआत अगस्त, 2022 से की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य मछली पालन को बढ़ावा देना तथा इस हेतु कृषकों को भी आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण देना है ताकि समन्वित कृषि के द्वारा कृषकों की आय बढ़ाई जा सकें।

4.6.6.7 पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में अधिष्ठाता एवं सभी कर्मचारीयों ने पौधरोपण कार्यक्रम में दिनांक 23.07.2022 को आम (50), टिक (60), अरडू (24), जामुन (10), गुलमोहर (15), दालमोठ (10), बोटलपाम (08), खेजड़ी (03), वेलपत्र (20) एवं इमली (10) इस प्रकार कुल मिलाकर 210 पौधे आम के बागान, मछली इकाई, बकरी इकाई एवं कुक्कुट इकाई के पास लगाये गये।

4.6.6.8 स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के सभी कर्मचारियों ने अपने देश की आजादी के 75 साल पूर्ण करने पर 76वां स्वतंत्रता दिवस समारोह 15.08.2022 को बड़े धूम–धाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.एल. भारद्वाज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी कर्मचारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर कई छात्रों एवं शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

4.6.6.9 राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 19 सितम्बर, 2022 को राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. आर.एल. भारद्वाज, अधिष्ठाता ने कुपोषण जैसी भयंकर समस्या से लड़ने के लिए दैनिक जीवन में विभिन्न प्रकार के फल एवं सब्जियों से प्राप्त होने वाले मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपयोगिता के साथ ही आहार में कैर, सांगरी, कंकोड़, कूमट तथा रागी जैसी विभिन्न प्रकार की मिलेट्स का समावेश करने हेतु प्रेरित किया। डॉ. एम.पी.वर्मा ने पशुधन उत्पाद जैसे दूध, दही, घी, अंडा आदि की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा इसके साथ ही दैनिक जीवन में आवश्यक ऊर्जा की पूर्ति के लिए संतुलित पोषण आहार लेने हेतु संदेश दिया। इस अवसर पर कई सहायक प्राध्यापकों ने बायोफॉर्टीफिकेशन, विभिन्न सब्जियों, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन आदि के द्वारा कुपोषण की समस्या से निजात पाई जा सकती है।

4.6.7 विश्व अहिंसा एवं स्वच्छ भारत मिशन दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को महात्मा गांधी जयंति के उपलक्ष में विश्व अहिंसा दिवस एवं स्वच्छ भारत मिशन–2 मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर. एल. भारद्वाज ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कर कमलों का अनुसरण करने हेतू प्रेरित किया जिसमें सत्य, अहिंसा एवं समर्पण की भावना से राष्ट्र की सेवा करने हेतू शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विश्व शांति एवं अहिंसा हेतू सवधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं अधिकारी/कर्मचारियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा 'दे दी हमें आज़ादी' गीत के माध्यम से महापुरूषों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

4.6.7.1 स्वच्छ भारत मिशन 2.0 का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 1 अक्टूबर, 2022 को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 का आयोजन किया गया, इस दौरान महाविद्यालय के कर्मचारियों ने साफ–सफाई कर स्वच्छ भारत के निर्माण का सन्देश दिया।

4.6.7.2 नव आगन्तुक विद्यार्थियों का अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में शनिवार (5.11.2022) को नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति प्रोफेसर बी.आर. चौधरी रहे। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने सभी नवआगन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत किया और मेहनत एवं लगन के साथ अपने जीवन को सफल

बनाने की बात कही। इस दौरान प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और उन्हें कॉलेज परिवार से संबंधित नियमों से अवगत करवाया गया। डॉ. राजूलाल भारद्वाज ने महाविद्यालय में चल रही प्रयोगशालाएं, मछली पालन इकाई, बकरी पालन इकाई, मुर्गीपालन इकाई, अजोला इकाई एवं फॉर्म पर फसलों के उत्पादन के बारें में विस्तृत परिचय दिया। डॉ. एच. पी. परेवा ने महाविद्यालय में वर्ष भर आयोजित की जाने वाली खेल प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी और विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित भी किया। डॉ. एस. सी. मीणा ने अकादमिक एवं समय–सारिणी, परीक्षा के बारे में बताया। डॉ. एम.पी.वर्मा ने समय–समय पर आयोजित की जाने वाली सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों के आयोजन के बारे में एवं रैगिंग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना और छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी डॉ. धन सिंह ने दी।

4.6.7.3 कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने कृषि महाविद्यालय में भ्रमण किया

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 15.11.2022 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर के कक्षा ग्यारहवीं के कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान कृषि महाविद्यालय में मृदा विज्ञान प्रयोगशाला, शस्य विज्ञान प्रयोगशाला, कीट विज्ञान प्रयोगशाला, उद्यान विज्ञान प्रयोगशाला, बकरी पालन इकाई, मुर्गीपालन इकाई, मछली पालन इकाई आदि का

संबंधित अधिकारी ने भ्रमण करवाते हुए सबंधित विषय की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. अरविन्द कुमार बसवाल ने आम, अनार, बैर, अमरूद, नींबू आदि में नवीनतम प्रायोगिक अन्वेषण की जानकारी देते हुए बच्चों को भविष्य में अपने जीवन में रोजगार प्राप्त करने की तकनीक बताई। डॉ. एम.पी.वर्मा ने पशुपालन से संबंधित जानकारी देते हुए पशुपालन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बताये। डॉ. नेमाराम ने विभिन्न फसलों में लगने वाले कीड़ों से होने वाले नुकसान व उनकी रोकथाम करके फसल उत्पादन में वृद्धि करने के उपाय बताये। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर के प्रधानाचार्य श्री गजेन्द्र सिंह राणावत एवं कृषि व्याख्याता श्री भगवान स्वरूप बारोलियां ने सभी छात्रों को कृषि महाविद्यालय के भ्रमण करने के बाद उच्चतर अध्ययन हेतु सभी छात्रों को प्रोत्साहित किया।

4.6.7.4 कृषि छात्रों ने उच्चतम अध्ययन के लिए जानकारी प्राप्त की

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 17.11.2022 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर के कक्षा बारहवीं के कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य श्री गजेन्द्र सिंह राणावत एवं कृषि व्याख्याता श्री भगवान स्वरूप बारोलियां के साथ भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान कृषि महाविद्यालय की विभिन्न प्रायोगिक प्रयोगशालाएं जैसे :– मृदा विज्ञान, शस्य विज्ञान, कीट विज्ञान, उद्यान विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान नवीनतम जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही महाविद्यालय चल रही बकरी पालन इकाई, मुर्गीपालन इकाई, मछली पालन इकाई, अजोला इकाई का भ्रमण कर ज्ञान का विस्तार किया।

4.6.7.5 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 20 से 22 नवम्बर, 2022 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 100, 200, 400, 800, 1500 मीटर दौड, 4 गुणा 100, 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़, तस्तरी फेंक, त्रिकूद, लंबी कूद, भाला फेंक, गोला फेंक, कबड्डी, वॉलीबाल, बैंडमिंटन एवं टेबल टेनिस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एथेलेटिक ट्रेक एवं अन्य मैदान की तैयारी सहायक प्राध्यापक एवं खेल प्रभारी डा. एच.पी.परेवा एवं सहायक श्री योगेन्द्र कुमार बुडानिया एवं विद्यार्थियों ने मिलकर किया। अधिष्ठाता, डॉ. आर. एल. भारद्वाज ने विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में भविष्य निखारने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सतत् अभ्यास की आवश्यकता बताई एवं स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन होने की बात कही। खेलकूद प्रतियोगिता का परिणाम जिसमें 100, 200 मीटर दौड़ में प्रथम एवं 800 मीटर दौड में द्वितिय स्थान प्राप्त कर चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थी टिकम सिंह शेखावत सर्वश्रेष्ठ एथलिट रहा।

4.6.7.6 वार्षिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन 23 नवम्बर, 2022 को डॉ. एम. पी. वर्मा, सहायक निदेशक छात्र कल्याण एवं उप समितियों के संयोजकों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान एकल नृत्य (लोक), समूह नृत्य (लोक), देशभक्ति गीत (भारतीय), समूह गीत (भारतीय), नाटक, स्किट, माइम, मोनो एक्टिंग, एक्सटेम्पोर, एलोक्यूशन, डिबेट, क्विज, ऑन स्पॉट पेंटिंग, कोलार्ज, पोस्टर मेकिंग, कार्टूनिंग, क्ले मॉडलिंग एवं रंगोली प्रतियोगीताओं का आयोजन किया गया।

4.6.7.7 संविधान दिवस का आयोजन

दिनांक 26.11.2022 को महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ एम. पी. वर्मा ने सविधान दिवस के महत्व के बारे में बताया और विद्यार्थियों को जाति व क्षेत्र विशेष के आपसी मतभेद को भुलाकर एकजुट रहने के बारे में संदेश दिया। डॉ. राजेंद्र राठौड़ ने समस्त विद्यार्थियों व कर्मचारियों को संविधान दिवस की शपथ दिलवाई। डॉ. लोकेश कुमार जैन ने संविधान की गरिमा, एकता व

अखंडता को बनाए रखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। डॉ. एच. पी. परेवा ने संविधान के मूलकर्त्तव्यों व डॉ. नेमाराम ने मूल अधिकारो के बारे में अवगत करवाया। छात्र इकाई प्रभारी डॉ. प्रियंका ने विद्यार्थियों से संविधान दिवस पर ''भारत लोकतंत्र की जननी'' पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करवाया व उत्कर्ष विद्यार्थियों का चयन किया गया।

4.6.7.8 कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्मदिवस के अवसर पर कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 3 दिसंबर, 2022 को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना तथा मेधावी छात्र–छात्राओं को कृषि की ओर प्रेरित करना था। इस अवसर पर, डॉ. एम. पी. वर्मा एवं डॉ. एच. पी. परेवा, ने सभी छात्रों, कर्मचारियों का स्वागत किया और छात्रों को कड़ी मेहनत करने और किसान समुदाय के लाभ के लिए कृषि को व्यवसाय के रूप में शामिल करने का आह्वान किया।

4.6.7.9 विश्व मृदा दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 5.12.2022 को विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता, डॉ. राजूलाल भारद्वाज ने मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों एवं सूक्ष्म जीवों की क्रियाविधि के बारें में जानकारी दी। डॉ. एम. पी.वर्मा ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगिता के बारें में बताया व पशुओं से प्राप्त होने वाली गोबर की खाद को पूर्ण तरीके से सड़ाकर मृदा में लंबें समय तक पोषक तत्वों की

उपलब्धता के बारें में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एच.पी.परेवा ने किया तथा उन्होंने मृदा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही विद्यार्थियों से स्वस्थ मृदा पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।

4.6.8 अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकुद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर की 48 विद्यार्थियों की टीम ने दिनांक 10 से 12 दिसम्बर, 2022 तक आयोजित अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकुद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, नागौर में भाग लिया। कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर की टीम का अभ्यास एवं प्रबंधन डॉ. एच. पी. परेवा के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. बी. आर. चौधरी, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने किया। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर की टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए ओवर आल द्वितिय स्थान पर रही। श्री टिकम सिंह शेखावत, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर को सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष) पदक से सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय टीम के साथ किरण हिंगोनीया, डॉ. एस. सी. गुर्जर एवं कैलाश चन्द्र टाडा ने प्रबंधन के साथ साथ कोचिंग का भी कार्य किया।

4.6.9 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

1. महाविद्यालय में शस्य विज्ञान, प्रसार शिक्षा, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, कम्पयुटर, उद्यान विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान की प्रयोगशालाओं में विस्तार किया गया।

2. स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय तथा अनुसंधान उप–केन्द्र परिसर में स्वच्छता का पूरे वर्ष विशेष ध्यान रखा गया है।

3. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं ने जेट प्री–पीजी, 2022 एवं अन्य परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन कर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त किया।

4. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के 35 छात्रों का कृषि विभाग, राजस्थान सरकार में चयन।

5. महाविद्यालय परिसर एवं खेल–कूद मैदान आदि जगहों पर वृक्षारोपण किया गया।

6. इस वर्ष महाविद्यालय के खेल–कूद मैदान में कबड्डी मैदान एवं लम्बी कूद का मैदान तैयार किया गया है।

7. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में कुक्कुट पालन इकाई की स्थापना एवं विस्तार किया गया है।

8. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में बकरी पालन इकाई की स्थापना की गई है।

9. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में मछली पालन इकाई की स्थापना कि गई है।

10. विभिन्न तकनीकों का जोन द्वितिय–ब में शामिल होना।

11. महिला छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।

12. महाविद्यालय के भवन के द्वितीय चरण का निर्माण कार्य लगभग इस वर्ष के अन्त तक पूर्ण होने कि सम्भावना है।

13. महाविद्यालय में विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता 60 से बढ़ाकर 120 की गई।

4.6.10 आधारभूत सुविधाएँ

4.6.10.1 छात्रावास

वर्तमान में महाविद्यालय में एक छात्रावास छात्राओं के लिए उपलब्ध हैं जिसकी क्षमता 55 है। इस छात्रावास में वर्तमान में 52 छात्राऐं आवास कर रही है। यह छात्रावास कृषि अनुसंधान उप केन्द्र के पुराने भवन में संचालित किया जा रहा हैं। छात्रावास में टेलीविजन, वाटर कुलर, कम्प्यूटर, जिम एवं इन्डोर खेलों की पर्याप्त व्यवस्था है। छात्राओं के लिए महाविद्यालय में नवीन छात्रावास का निमार्ण कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसमें 35 कमरे एवं इसमें 70 छात्रायें रह सकती है।

4.6.10.2 पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ओपन सेल्फ पद्धति के द्वारा संचालित है एवं वर्तमान में 4095 पुस्तकें, उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं एवं तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं को भी उपलब्ध कराया जा रहा हैं। वर्तमान में महाविद्यालय में द्वितीय चरण का निर्माण लगभग पूर्ण होने जा रहा है।

4.6.10.3 वाहन सुविधा

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में एक बस, एक बोलेरो, दो ट्रेक्टर की सुविधा है। बस से छात्र–छात्राओं को कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रायोगिक कक्षाओं के लिए बाहर भ्रमण के लिए भी ले जाया जाता है। बस की बैठने की क्षमता 56 सीट है। बोलेरों का उद्देश्य महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों तथा यात्राओं के लिए है। ट्रेक्टर का उपयोग फार्म पर की जाने वाली गतिविधियों तथा कृषि इंजिनियरिंग की कक्षाओं के लिए छात्र–छात्राओं के प्रायोगिक अध्ययन में उपयोगी है।

4.6.10.4 कम्प्यूटर प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला सूचारू रूप से संचालित की जा रही है साथ में इन्टरनेट की व्यवस्था भी है। जिसमें 28 कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है। कम्प्यूटर प्रयोगशाला सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है।

4.6.11 विश्वविद्यालय के अधिकारियों का भ्रमण

4.6.11.1 राजस्थान युवा बोर्ड अध्यक्ष का भ्रमण

माननीय श्री सीतारामजी लांबा, राज्य मंत्री एवं अध्यक्ष राजस्थान युवा बोर्ड, राजस्थान सरकार ने दिनांक 28 मार्च, 2022 को कृषि महाविद्यालय पहुंचकर क्रमशः बीज उत्पादन, बीज व्यवस्था, कृषि में चल रहे नये अनुसंधान, नूतन किस्मों के परीक्षण तथा शैक्षणिक कार्यों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर पर चल रही क्रीड़ा प्रतियोगिता के खिलाड़ियों की हौसला अपजाई की साथ ही छात्र–छात्राओं को पढ़ाई तथा खेलों के प्रति जागरूक रहते हुए कठोर परिश्रम करने का आह्वान किया। मौके पर ही छात्र–छात्राओं की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को मेडल पहनाकर हौसला बढ़ाया।

4.6.11.2 कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का भ्रमण

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर पर दिनांक 30.07.2022 को राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की कुलसचिव प्रियंका विश्नोई ने दौरा कर कर्मचारियों से पूर्व वर्शों में किये गये कार्यों एवं पौधारोपण की जानकारी ली। कुलसचिव ने कृषि महाविद्यालय के बेर, अनार, आम, नींबू के बगीचों, मछली पालन इकाई, बकरी पालन इकाई एवं मुर्गीपालन इकाई का भ्रमण भी किया। विश्नोई ने नवनिर्मित कन्या छात्रावास एवं कृषि महाविद्यालय के नवीन भवन का निरीक्षण किया।

4.6.12 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर अपने शिक्षकगणों, कर्मचारीयों एवं विद्यार्थीयों की सहायता से सफलता के नए आयाम पाने को अग्रेसित है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नियमित कक्षाएं एवं अत्याधुनिक तकनीक शिक्षण, विद्यार्थियों के उत्साह एवं लगन को बढ़ाता है।

4.7 कृषि महाविद्यालय, नागौर

माननीय मुख्यमंत्री महोद्य की बजट घोषणा वर्ष 2015–16 के बिन्दु संख्या–77 की पालना में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन कृषि महाविद्यालय, नागौर की स्थापना की गई। कृषि महाविद्यालय, नागौर में कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में कुल 333 विद्यार्थी वर्तमान मे अध्यनरत हैं। कृषि महाविद्यालय अपने नवनिर्मित परिसर में संचालित किया जा रहा है जो कि आधुनिक तकनीक द्वारा निर्मित किया गया है एवं उच्च तीव्रता के भुकंप और तापीय विकिरणों के प्रति प्रतिरोधी है। महाविद्यालय में आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन प्रयोगशाला, सामान्य विज्ञान प्रयोगशाला, मृदा विज्ञान प्रयोगशाला, पादप रोग विज्ञान प्रयोगशाला, कीट विज्ञान प्रयोगशाला, उद्यान विज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य विज्ञान व प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, संग्रहालय विस्तार शिक्षा प्रयोगशाला एवं कम्पयूटर प्रयोगशाला), पुस्तकालय, आधुनिक (प्रोजेक्टर युक्त) व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन कक्ष, अध्ययन कक्ष हैं। कृषि महाविद्यालय में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के उद्धेश्य को साकार करते राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय अनुभवी प्राध्यापक हैं।

महाविद्यालय के उद्धेश्य :

1. उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कराना।
2. शिक्षा के साथ साथ अन्य गतिविधियों (खेल–कूद, राष्ट्रीय सेवा योजना) में विद्यार्थीयों की सहभागिता बढ़ाना।
3. विद्यार्थीयों को उच्च शिक्षा एवं रोजगार हेतू प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाना।
4. ग्रामीण इलाकों तक कृषि की वैज्ञानिक तकनीक की पहुँच सुनिश्चित करना।

4.7.1 स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण :–

कृषि महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं :–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण :–

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1.	सहायक आचार्य	22	17	05
2.	सह–आचार्य	06	04	02
3.	आचार्य	01	00	01
4	सह–पुस्तकालय अध्यक्ष	1	0	1

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण :–

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1.	सहायक अनुभाग अधिकारी	01	01	00
2.	प्रयोगशाला सहायक	04	03	01
3.	निजी सहायक	01	0	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	03	01	02
5.	वरिष्ठ लिपिक	01	01	00
6.	प्रयोगशाला तकनिकी सहायक	02	0	02
7.	पम्प ऑपेरटर	0	0	00
8.	पुस्तकालय सहायक	01	0	01
9.	कृषि पर्यवेक्षक	01	01	0
10.	वाहन चालक	01	00	01
11.	कार्यालय सहायक	01	00	01
12.	क्रीड़ा प्रक्षिशिक	01	0	01
13.	तकनिकी सहायक	02	0	02
14	बुक लिफ्टर	01	0	01
15	फार्म वर्कर	01	0	01
16	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	04	0	04

4.7.1.1 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या :–

4.7.1.2 स्नात्तक कार्यक्रम :–

अ. छात्रों की संख्या :–

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एम.बी.सी.	अनु.जाति	अनु. जनजाति	आ.क.व.	कुल
प्रथम वर्ष	03	41	3	12	02	06	67
द्वितीय वर्ष	01	45	0	13	02	06	67
तृतीय वर्ष	.	19	02	07	02	-	30
चतुर्थ वर्ष	02	21	01	10	01	01	36
कुल योग	**06**	**126**	**06**	**42**	**07**	**13**	**200**

ब. छात्राओं की संख्या :–

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एम.बी.सी.	अनु.जाति	अनु. जनजाति	आ.क.व.	कुल
प्रथम वर्ष	00	23	02	11	00	03	39
द्वितीय वर्ष	01	30	01	06	02	04	44
तृतीय वर्ष	-	22	01	05	-	-	28
चतुर्थ वर्ष	02	17	-	02	01	-	22
कुल योग	**03**	**92**	**05**	**24**	**03**	**07**	**133**

4.7.2 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2021–22 की प्रगति :–

4.7.2.1 विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन :–

कक्षा	विद्यार्थीयों की संख्या एवं प्राप्तांक 50 से कम	51 से 60	61 से 70	प्रतिशत 70 से अधिक	कुल विद्यार्थी
बी.एससी.(ऑनर्स) कृषि					
प्रथम वर्ष	-	-	-	-	-
द्वितीय वर्ष	17	31	52	12	112
तृतीय वर्ष	02	15	27	15	59
चतुर्थ वर्ष	-	04	27	27	58

4.7.2.2 छात्रवृत्ति विवरण :–

कृषि महाविद्यालय, नागौर के छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रकार को छात्रवृति प्राप्त हुई जिसमें कृषि विभाग राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रोत्साहन राशि स्वरूप कुल 100 छात्राओं को रूपये 12000/– प्रति वर्ष की दर से छात्रवृत्ति दी गई इसके साथ ही महाविद्यालय के अंतर्गत पढ़ने वाले 17 विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा योजना की तरफ से छात्रवृत्ति दी गई तथा समाज कल्याण विभाग के द्वारा ओबीसी कैटेगरी में 04, एसबीसी में 01, एससी में 31 और एसटी के 4 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई। वर्तमान अकादमिक सत्र के अंतिम डेटा आना अभी शेष हैं।

4.7.2.3 मेरिट/अन्य पुरस्कार :–

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित संयुक्त पीजी प्रवेश परीक्षा में कृषि महाविद्यालय, नागौर की ओर से विद्यार्थियों का उत्कृष्ट परिणाम रहा और इस परीक्षा के अंतर्गत महाविद्यालय के 2 छात्रों ने सफलता हासिल की जिनमें राजलक्ष्मी एवं शंकर लाल चौधरी शामिल है, साथ ही महाविद्यालय के छात्रों ने आई.सी.ए.आर. की परीक्षा में भी सफलता हासिल की एवं अन्य परीक्षाएं जो कि उच्च स्तरीय है उनमें अंकिता, प्रशांत, हरदयाल, जीया चौधरी मुख्य है, जिनको देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय में रैंक हासिल कर प्रवेश मिला है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची :

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	परीक्षा उत्तीर्ण	रैंक	स्नातकोत्तर विषय आवंटित	कॉलेज/विश्वविद्यालय आवंटित
1	राजलक्ष्मी	प्री पी जी कृषि एंट्रेंस टेस्ट 2022	652	मृदा विज्ञान	एम पी यू टी उदयपुर
2	प्रदीप गोस्वामी	प्री पी जी कृषि एंट्रेंस टेस्ट 2022	51	कृषि अर्थशास्त्र	एम पी यू टी उदयपुर
3	नंदकिशोर विज्ञान	प्री पी जी कृषि एंट्रेंस टेस्ट 2022	11	सस्य विज्ञान	एम पी यू टी उदयपुर
4	कविता मीणा	प्री पी जी कृषि एंट्रेंस टेस्ट 2022	184	कीट विज्ञान	एस के एन ए यू जॉबनर
5	शंकरलाल	प्री पी जी कृषि एंट्रेंस टेस्ट 2022	33	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	एस के एन ए यू जॉबनर
6	जिया चौधरी	जी ए टी – बी 2022	89	पादप जैव प्रौद्योगिकी	यू ए एस धारवाड़
7	फिरोज	ए आई ई ई ए पी जी 2022	51	नेमेटोलॉजी	कॉलेज आवंटित होना ह
8	प्रशांत	जे एन के वी वी और आर वी एस वी वी एमपी पीजी और पी एच डी जे ई ई 2022	409	कृषि अर्थशास्त्र	जे एन के वी वी एमपी
9	अंकिता	जे एन के वी वी और आर वी एस वी वी एमपी पीजी और पी एच डी जे ई ई 2022	429	कृषि प्रसार शिक्षा	आर वी एस वी वी एमपी
10	रोहित यादव	एस एच यू ए टी एस 2022	313	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	एस एच यू ए टी एस

4.7.3 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन / पंखवाडा :

4.7.3.1 सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर आयोजित

कृषि महाविद्यालय, नागौर में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शुभारंभ अधिष्ठाता डॉ. रामदेव सुतलिया के सानिध्य में हुआ । शिविर के प्रभारी डॉ. रेखा सोडाणी ने शिविर में सात दिनों में किए जाने वाले कार्य की रूपरेखा से अवगत कराया। डॉ. सोडानी ने बताया कि कृषि संकाय के तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं के लिए यह विशेष शिविर आयोजन 23 से 29 जून 2022 तक होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय को ऑर्डिनेटर डॉ. बनवारी लाल ने विद्यार्थियों को सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रोफेसर वी.एस. जेतावत, डॉ. महेश पुनिया, डॉ. विकास पावड़िया, डॉ. एस. के. बैरवा, डॉ. नीशु जोशी, प्रेमराज एवं रतनलाल उपस्थित थे। शिविर में स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया तथा गोदित गांव गोगेलाव में साफ सफाई करके स्वच्छ भारत का संदेश दिया। स्वंयसेवकों ने साफ सफाई, पौधों के थाँवले बनाना, पुस्तकालय का स्वच्छीकरण कर अपनी भूमिका अदा की।

4.7.3.2 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह :

21 जून 2022 को एनएसएस इकाई कृषि महाविद्यालय, नागौर द्वारा कॉलेज परिसर में 'योग फॉर वेलबीइंग' विषय के साथ योग दिवस मनाया गया।

4.7.3.3 बालवा गांव में जागरूकता रैली का आयोजन :

कृषि महाविद्यालय, नागौर की एनएसएस इकाई द्वारा बालिकाओं को बचाने, वृक्षारोपण को बढ़ावा देने, पर्यावरण को बचाने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए 29 जून 2022 को गोद लिया गांव बालवा में जागरूकता रैली का आयोजन किया।

4.7.3.4 राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2022 के अंतर्गत पोषण के प्रति जन जागरण हेतु रैली का आयोजनः

कृषि महाविद्यालय नागौर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने नागौर के बालवा गांव में राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2022 के अंतर्गत संतुलित पोषण के प्रति जन जागरण हेतु रैली का आयोजन किया।

4.7.3.5 राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन :

आजादी के अमृत महोत्सव पर कृषि महाविद्यालय नागौर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों के लिए पोषण माह सितंबर 2022 पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया इकाई के स्वयंसेवकों ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर लक्ष्मी, दूसरे स्थान पर रोशनी शर्मा एवं प्रियंका जाट रही तथा तीसरे स्थान पर शिवानी शर्मा रही। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामदेव सुतलिया ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला एवं स्वयंसेवकों को सामुदायिक सेवा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने की सीख दी। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. शक्ति सिंह भाटी ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यप्रणाली एवं राष्ट्रीय पोषण माह के बारें में जानकारी दी।

4.7.3.6 राष्ट्रीय राजमार्ग के समानान्तरण ट्री गार्ड सहित पौधे लगवाए:

कृषि महाविद्यालय, नागौर सदैव विभिन्न कंपनियों के प्रतिष्ठानों से उनकी कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाता रहता है। इस वर्ष कृषि महाविद्यालय, नागौर में 10 किस्मों के 400 पौधों का रोपण किया गया। कृषि महाविद्यालय के दीवार के पास पास नेशनल हाईवे पर 800 मीटर में जन सहभागिता से तारबंदी करके तीन स्तरों में वृक्षारोपण किया गया जिसमें प्रथम स्तर में विभिन्न किस्मों की बोगनविलिया, द्वितीय स्तर पर बड़े नीम के पौधे तथा तृतीय स्तर में विभिन्न फूलों वाले पौधे जैसे हार सिंगार, चांदनी, कनेर (पीली, लाल, सफेद), गुड़हल, रातरानी, चंपा इत्यादि का रोपण किया गया। महाविद्यालय में जेएसडब्ल्यू के सहयोग से 100 पौधे नीम के ट्री गार्ड सहित महाविद्यालय की दीवार के पास दूसरी तरफ लगाए गए थे । समाजसेवी महादेव हॉस्पिटल के चेयरमैन हापू राम चौधरी, प्रज्ञा प्रोडक्ट्स के भोजराज सारस्वत, नागौर प्रोडक्ट के बनवारी अग्रवाल, इफको के लालाराम, मयूर लालवानी, यूनियन बैंक, वृक्ष प्रेमी धनराज खोजा तथा महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्र संघ अध्यक्ष की सहभागिता एवं वित्तीय सहायता से किया गया।

4.7.3.7 महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव

कृषि महाविद्यालय नागौर में छात्रसंघ चुनाव करवाये अगस्त माह में निश्चित प्रकिया को अपनाते हुए पूर्ण करवाये गये। सभी चुने हुए पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी डॉ. रामदेव सुतलिया द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। विश्वविद्यालय के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रोफेसर वी एस जैतावत ने शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक महाविद्यालय के चुनाव करवाने के लिए स्टाफ को धन्यवाद तथा निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई प्रेषित की। राजस्थान सरकार, जयपुर के आदेश की अनुपालना में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा दिये गये दिशानिर्देशानुसार महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव सत्र 2022–23 का सफल आयोजन करवाया गया। इस चुनाव में विभिन्न कक्षाओं के कक्षा प्रतिनिधि के चुनाव करवाये गये। जिनमें से श्री धनेश कुमार चौधरी को अध्यक्ष, श्री अलंकेश्वर सैनी को सचिव व श्री राहुल जाखड़ को संयुक्त सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को अधिष्ठाता डॉ. रामदेव सुतलिया द्वारा पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

4.7.3.8 महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया :

कृषि महाविद्यालय नागौर में गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास से मनाया गया एवं इस दिन महाविद्यालय के डीन, डॉ रामदेव सुतलिया ने महाविद्यालय के विभिन्न स्टॉप एवं छात्रों को संविधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं राष्ट्र निर्माण में संविधान में लिखी बातों को मूर्त रूप में जीवन में अपनाने की बात कही एवं साथ ही मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तवयों को व्यवहारिक जीवन में समझने हेतु प्रोत्साहित किया।

4.7.3.9 महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस धुमधाम से मनाया :

कृषि महाविद्यालय, नागौर में 76 वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम सें मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता महोदय का उद्भाषण हुआ एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। साथ ही अधिष्ठाता महोदय ने विश्वविद्यालय की गत वर्ष की उपलब्धियों को बताया एवं समस्त स्टाफगणों को दृढ़ संकल्पित होकर विश्वविद्यालय की उन्नति हेतु कार्य करने के लिए आह्वान किया।

4.7.3.10 लम्पी त्वचा रोग पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित :

कृषि महविद्यालय, नागौर के द्वारा किसानों व पशु पालकों को 27 अगस्त 2022 को पशुओं में फैल रही लम्पी त्वचा रोग कि रोकथाम व बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया जिसमे नागौर जिले के विभिन्न गांवों के किसान, किसान महिला व पशु पालकों ने भाग लिया।

4.7.3.11 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक भ्रमण आयोजित :

कृषि महाविद्यालय, नागौर के कृषि स्नात्तक तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं का दिनांक 8 से 18 मई 2022 तक उत्तर भारत में स्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली, श्री गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखण्ड, भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून, डॉ. यशवंत सिंह परमार उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, मशरूम अनुसंधान संस्थान, सोलन, हिमाचल प्रदेश, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल हरियाणा आदि शैक्षणिक संस्थाओं के विभिन्न गतिविधियों से रूबरू करवाया गया तथा वहां चल रहे अनुसंधान के बारे में बताया।

शैक्षणिक भ्रमण 8 से 18 मई 2022

4.7.3.12 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का दशवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया :

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का दशवां स्थापना दिवस दिनांक 14 सितम्बर 2022 को कृषि महाविद्यालय,

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का 10वां स्थापना दिवस मनाया गया

नागौर में बड़ी धूम–धाम से मनाया गया। स्थपना दिवस समारोह में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ व छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागौर द्वारा गत वर्ष 2021–22 में महाविद्यालय में कृषि स्नात्तक की कक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले छात्र–छात्राओं तृतीय वर्ष की छात्रा कु. बिन्दु जयपाल, द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. अनोख स्वामी व प्रथम वर्ष की कु. ममता शेषमा को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई।

4.7.3.13 अंतर कक्षीय सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा का आयोजन :

महाविद्यालय में 21 से 23 नवंबर तक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें क्ले

मॉडलिंग, फाइन आर्ट पोस्टर मेकिंग, कोलार्ज मेकिंग रंगोली प्रतिस्पर्दा एवं विभिन्न निबंध साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरस्कृत किया गया ।

4.7.3.14 विश्व मृदा दिवस का दिवस का आयोजन :

5 दिसंबर को कृषि महाविद्यालय नागौर में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्ष्मी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ रामदेव ने मृदा के संरक्षण की आवश्यकता एवं गुणवत्ता को बनाने हेतु सभी स्टाफ गणों सभी से आग्रह किया।

4.7.4 स्टूडेंट रेडी / इन–प्लांट प्रशिक्षण / इंटर्नशिप / अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम :

स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तिम वर्ष में अध्ययनरत विद्याथियों का ग्रामीण प्रशिक्षण हेतु ए.आर.एस. एस. सुमेरपुर, के.वी.के. फलोदी व के.वी.के. रायपुर से सम्बद्ध किया गया। इसके तहत विद्याथियों को सम्बंधित क्षैत्रों में ग्राम आवंटित किए गयें। स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुभव हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित इकाइयों का संचालन किया गया।

1- GPB-421, Seed Production and Technology

2- PPATH-421, Mushroom Cultivation Technology

3- HORT-421, Commercial Horticulture

4- SSAC-421, Agriculture Waste Managemen

4.7.4.1 खेल कूद प्रतियोगिता :

अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि महाविद्यालय नागौर में पांचवी अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2022–23, 10 से 12 दिसंबर 2022 तक आयोजित करवाई गई जिसमें कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के 6 महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस खेल प्रतियोगिता में कुल 308 प्रतिभागियों ने भाग लिया इसमें विभिन्न गेम्स एवं स्पोर्ट्स का आयोजन करवाया गया जो इस प्रकार हैं वॉलीबॉल महिला एवं पुरुष फुटबॉल पुरुष कबड्डी महिला एवं पुरुष बैडमिंटन महिला एवं पुरुष टेबल टेनिस महिला एवं पुरुष एथलेटिक्स इस पांचवी अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2022–23 में कृषि महाविद्यालय नागौर ने ओवर

ऑल चौंपियनशिप हासिल की तथा कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर पाली रनर अप रहा, इसमें छात्र टीकम सिंह शेखावत कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी एवं नूतन खेरवाल कृषि महाविद्यालय नागौर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी रहे।

4.7.5 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ:

4.7.5.1 कृषि महाविद्यालय, नागौर को मिली आइसीएआर से मान्यता

कृषि महाविद्यालय, नागौर जो कि वर्ष 2015 से कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से संगठक कॉलेज के रूप में स्थापित है, को इस वर्ष भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा मान्यता प्रदान की गई। आइसीएआर की मान्यता प्राप्त करने हेतु चार वर्ष पाठ्यक्रम का न्यूनतम एक बैच पूरा होना जरूरी है। कुलपति डॉ बी आर चौधरी के निर्देशन में की गई मेहनत की बदोलत यह मान्यता मिली है। कृषि शिक्षा में

आइसीएआर की मान्यता मिलना अत्यंत महत्वपुर्ण है, क्योंकि अब यहां उर्तीण होने वाले विद्यार्थी ना केवल उच्च शिक्षा हेतु सरकारी संस्थानों में प्रवेश पा सकेंगे अपितु सरकारी नौकरियाँ भी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही आसीएआर नयी दिल्ली द्वारा विभिन्न प्रकार की वितिय सहायता भी प्रदान की जायेगी जिससे महाविद्यालय के संसाधनों में वृद्धि होगी। अध्ययनरत विद्यार्थीयों का भी बहु आयामी विकास होगा, क्योंकि राज्य से बाहर के विद्यार्थी भी अब महाविद्यालय में प्रवेश पा सकेगें।

4.7.5.2 खाद बीज विक्रेताओं के लिए डिप्लोमा कार्यशाला का समापन

महाविद्यालय में एक वर्षीय खाद बीज विक्रेता कार्यक्रम का कार्यक्रम समापन कुलपति बी.आर.चौधरी द्वारा प्रतिभागीयों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं उनके द्वारा डिप्लोमा धारीयों को ईमानदारी के साथ अपने खाद बीज के व्यापार को बढाने का संदेश दिया।

4.7.5.3 विद्यार्थियों हेतु सात दिवसीय कौशल एवं व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में एस.सी.एस.पी. कॉम्पोनेंट के अंतर्गत एस.सी. श्रेणी के विद्यार्थियो के कौशल एवं व्यक्तिगत विकास व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन फरवरी माह में किया गया। विद्यार्थियों के जीवन में व्यक्तित्व विकास के महत्व को देखते हुए देश के विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों, राजस्थानर प्रशासनिक अधिकारियों, बैंक ऑफिसर, प्रोफेसर, कृषि अधिकारी आदि द्वारा व्याख्यान दिये गये। कार्यक्रम में डॉ. सौरभ जोशी ने समन्वयक की भूमिका अदा की। उन्होने विद्यार्थियों से निरन्तर सीखने की अपेक्षा रखने की बात कही।

4.7.5.4 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) के मध्य एमओयू

कृषि महाविद्यालय, नागौर समेत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के साथ एमओयू हुआ है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता रामदेव सुतलिया ने बताया कि विश्वविद्यालय जोधपुर के अन्तगर्त आने वाले सभी सेंटर एवं कॉलेजो का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के साथ एमओयू हस्ताक्षर हआ। इस एमओयू के कृषि महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ कृषि से जुड़े लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापित करने वाले ग्रामीणों को इसका फायदा मिलेगा। इसके अलावा मंत्रालय के तकनीकी विकास केन्द्रों (पीपीडीसी) की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओ एवं उद्यम स्थापित करने के लिए स्किल विकास से जुड़े पाठ्यक्रमों में कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक तथा प्राध्यानपको का सहयोग मिलने से इससे जुड़े उद्यमी फायदा ले सकेगें।

4.7.5.5 महाविद्यालय को नवीन एन.एस.एस. यूनिट का आवंटन

राजस्थान सरकार के आदेश अनुसार अगस्त माह में कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को चार नवीन एनएसएस इकाई आवंटित की गई जिनमें से एक यूनिट कृषि महाविद्यालय नागौर को आवंटित हुई है साथी वर्तमान में अब एनएसएस की दो यूनिट महाविद्यालय में संचालित हो रही है।

4.7.5.6 महाविद्यालय बीज उत्पादन हेतु राजस्थान राज्य बीज एवं जैविक प्रमाणीकरण संस्थान द्वारा प्रमाणित

कृषि महाविद्यालय नागौर को राजस्थान राज्य बीज एवं जैविक प्रमाणीकरण संस्था द्वारा बीजों के आयात निर्यात बेचान भंडारण हेतु प्रमाणित किया गया है जिससे जिससे न केवल आसपास के किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज प्राप्त हो सकेंगे अपितु प्राप्त होने वाले बीजों की विश्वसनीयता की बनी रहेगी। निश्चित रूप से आने वाले समय में उल्लेखनीय कदम होगा।

4.7.5.7 कृषि महाविद्यालय, नागौर में नवीन शैक्षणिक स्टाफ की हुई नियुक्ति :

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विभिन्न शैक्षणिक पदों (प्राध्यापक, सहप्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक) पर हाल ही में नियुक्ति की गई है, जिससे कृषि महाविद्यालय, नागौर को भी निम्नलिखित शैक्षणिक स्टाफ प्राप्त हुआ। वर्तमान में महाविद्यालय में शैक्षणिक स्टाफ व विद्यार्थियों का अनुपात आइसीआर द्वारा प्रस्तावित अनुपात के अनुकूल हो गया है।

कृषि महाविद्यालय,नागौर में नवीन शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति।

क्रमांक	कार्मिक का नाम	कार्मिक का पद
1.	डॉ सुरेश कुमार खींची	सह प्राध्यापक कीट विज्ञान
2.	डॉ श्रीकृष्ण बेरवा	सह प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान
3.	डॉ बी एल मीणा	सह प्राध्यापक सस्य विज्ञान
4.	डॉ कुलदीप सिंह राजावत	सहायक प्राध्यापक उद्यान विज्ञान
5.	डॉ शिव सिंह मीणा	सहायक प्राध्यापक मृदा विज्ञान
6.	डॉ अजेश कुमार	सहायक प्राध्यापक पशु उत्पादन
7.	डॉ राकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक कीट विज्ञान
8.	डॉ शीतल राज शर्मा	सहायक प्राध्यापक अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन
9.	सोनाली मीणा	सहायक प्राध्यापक पादप रोग विज्ञान
10.	मंजू वर्मा	सहायक प्राध्यापक उद्यान विज्ञान

4.7.5.8 सम्माननीय महानुभावों का महाविद्यालय में आगमन :

महाविद्यालय में समय–समय पर विशिष्ट अतिथि गण अकैडमिशियन एवं प्रशासनिक अधिकारी भ्रमण पर आते रहे हैं एवं अपने अनुभवों से महाविद्यालय की उन्नति हेतु आवश्यक सुझाव दे रहे हैं वर्तमान सत्र में निम्नलिखित अतिथि गण महाविद्यालय पर पधारे है।

क्रमांक	विशिष्ट अतिथि का नाम	विशिष्ट अतिथि का पद
1.	श्री हिम्मतराम भांबू	पदमश्री अवार्डी भारत सरकार
2.	श्री जगदीश सिंह	मेंबर गवर्निंग बॉडी आईसीएआर
3.	श्री भोजराज सारस्वत	मेंबर स्पाइस बोर्ड गवर्नमेंट ऑफ इंडिया
4.	डॉ आरपी जागीर	बीओएम मेंबर कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर
5.	डॉ सुधांशु व्यास	डीन एसपी कॉलेज ऑफ न्यूट्रिशन एंड कम्युनिटी साइंस एस डी ए यू एसके नगर
6.	डॉ आई ऐन पटेल	डीन खाद्य प्रौद्योगिकी कॉलेज एस डी ए यू एसके नगर

पदमश्री हिम्मतराम भांबू का कृषि महाविद्यालय नागौर के विद्यार्थियों के साथ

श्री जगदीश सिंह मेंबर गवर्निंग बॉडी आईसीएआर का कृषि महाविद्यालय नागौर के शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ क्षेत्र की विभिन्न कृषि संबंधित समस्याओं एवं संभावनाओं पर विचार विमर्श किया

श्री भोजराज सारस्वत मेंबर स्पाइस बोर्ड गवर्नमेंट ऑफ इंडिया कर्मचारियों के साथ कृषि महाविद्यालय नागौर में वृक्षारोपण कार्यक्रम

डॉ. आर.पी. जागीर बीओएम मेंबर कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का कृषि महाविद्यालय नागौर के शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ क्षेत्र विचार विमर्श एवं कृषि शिक्षा को उन्नत बनाने हेतु तरीकों को सुझाया

डॉ आई ऐन पटेल डीन खाद्य प्रौद्योगिकी कॉलेज एस.डी.ए.यू. एस.के. नगर कर्मचारियों के साथ कृषि महाविद्यालय नागौर में भ्रमण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

4.7.6 आधारभूत सुविधाएँ :–

वाहन सुविधा – कृषि महाविद्यालय, नागौर में एक बस, एक बोलेरो, एक ट्रेक्टर की सुविधा है। जिनमें से बस की सुविधा छात्र–छात्राओं को कॉलेज तक लाने, ले जाने में तथा कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रायोगिक व शैक्षणिक कक्षाओं की बाहरी भ्रमण में काम में ली जाती है। बस की सिटिंग केपेसिटी 56 सीटर है। बोलेरों जीप का उद्देश्य कॉलेज डीन एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों तथा यात्राओं के लिए है। ट्रेक्टर का उपयोग कॉलेज फार्म पर की जाने वाली गतिविधियों तथा ट्रेक्टर इंजिनियरिंग की कक्षाओं के लिए छात्र–छात्राओं के प्रयोगिक अध्ययन में उपयोगी है।

- ❖ महाविद्यालय में सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला इन्टरनेट सुविधा सहित सूचारू रूप से संचालित की जा रही है जिसमें 25 कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है।
- ❖ महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं युक्त पुस्तकालय है जिसमें विद्यार्थियों के व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी सुविधा प्रदान की गई है।
- ❖ महाविद्यालय में संचालित कक्षाओं में इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गई है।
- ❖ विद्यार्थियों के उपयोग हेतु शीतल एवं शुद्ध जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है।
- ❖ विद्यार्थियों के शिक्षण हेतु प्रत्येक कक्षा में एल सी डी प्रोजेक्टर की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।
- ❖ महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निर्देशानुसार शैक्षणिक वातावरण में सुधार के उपायों को लागू कर लिया गया हैं।
- ❖ महाविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन द्वारा सुनिश्चित की जा रही हैं।

4.7.6.1 छात्रावास :

वर्तमान में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं हेतु छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है परन्तु छात्रों हेतु 144 निर्माण कार्य चालू है।

4.7.6.2 बालिका छात्रावास का निर्माण :

कृषि महाविद्यालय नागौर मैं 84 बेड का बालिका छात्रावास निर्माण कार्य प्रगति पर है छात्रावास के पास एक भोजनशाला का निर्माण भी किया जा रहा है जिसमें एक बड़ा डायनिंग हॉल कॉमन रूम मैनेजर कक्ष किचन मय स्टोर व टीटी कक्ष का निर्माण किया जाएगा।

4.7.6.3 परीक्षा कक्ष :

वर्तमान में महाविद्यालय में 50 विद्यार्थियों के बैठने की क्षमता वाला परीक्षाकक्ष मोजूद है जिसमें CCTV कैमरे भी निगरानी हेतु लगाए गये हैं।

4.7.6.4 सभागार कक्ष :

कृषि महाविद्यालय में 500 सीटिंग कैपेसिटी का एक भव्य ऑडिटोरियम बनाया गया जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु एक विशाल स्टेज भी बनाया गया है जिसके दोनों तरफ छात्र–छात्राओं हेतु अलग अलग ड्रेसिंग रूम मय सुविधाओं का निर्माण किया गया एवं ऑडिटोरियम में प्रवेश हेतु चार अलग–अलग प्रवेश द्वार रखे गए हैं।

4.7.6.5 पुस्तकालय :

कृषि महाविद्यालय नागौर में पुस्तकालय आधुनिक सुविधाओं के साथ सुचारू रूप से संचालित है। इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 7000 और विभिन्न 13 मैग्जीन उपलब्ध हैं। कॉलेज लाइब्रेरी में उपस्थित सभी किताबों का डिजिटलीकरण करवा दिया गया है एवं लाइब्रेरी में सैरा सुविधा उपलब्ध है। ये सभी पुस्तकें कृषि स्नातक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम को समाविष्ट करती है। पुस्तकों में लगभग 90 प्रतिशत किताबें अंग्रेजी भाषा में व 10 प्रतिशत किताबें हिन्दी भाषा में उपलब्ध है। पुस्तकालय में नियमित रूप से हिन्दी व अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र उपलब्ध होते हैं व साथ ही साथ पुस्तकों का व्यवस्थापन विशेष क्रम में किया गया है। पुस्तकालय में छात्रों की सुविधा हेतू वर्तमान समसमयिक पत्र–पत्रिकाओ के साथ कृषि शिक्षा की। नवीन तकनीकी ज्ञान प्रदान करने हेतु इंटरनेट सुविधा भी उपलब्ध करवाई गयी हैं।

4.7.6 शैक्षणिक एवं शोध फार्म :

कृषि महाविद्यालय, नागौर के फार्म पर खरीफ 2022–23 के दौरान किसानों को मूंग कि किस्म GM-4 का 15.5 क्विंटल का उन्नत बीज उपलब्ध करवाया एवं मूंग कि किस्म GM-4 (TL), मोठ कि किस्म RMO-435 (FS) एवं ग्वार कि किस्म RGC-1033 (TL) का बीजोत्पादन किया गया।

4.7.7 छात्रोपयोगी सहशैक्षणिक गतिविधियां :

4.7.7.1 व्यक्तित्व विकास हेतु व्याख्यान :

कृषि महाविद्यालय नागौर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी व्यक्तित्व विकास के लिए छात्र–छात्राओं हेतु अनेक व्याख्यान आयोजित किए गए कोरोना–काल के हालातों को देखते हुए व्याख्यान का आयोजन वर्चुअल माध्यम से कराया गया जिनमें इस वर्ष राजस्थान प्रशासनिक सर्विसेज परीक्षा में चयनित प्रतिभागी, विदेशों में पढ़ने वाले रिसर्च स्कॉलर आदि के व्याख्यान शामिल है। श्री अशोक शर्मा के द्वारा विद्यार्थियों को स्वरोजगार के क्षेत्र में कैरियर को लेकर व्याख्यान दिया गया। श्री मनोज चौधरी जो की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत है के द्वारा विद्यार्थियों को विदेश में कृषि शिक्षा के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा श्री कुणाल जो कि भारतीय रिजर्व बैंक में मॉनिटरिंग एवं रिसर्च में अधिकारी हैं ने बैंक की एवं प्रशासनिक सर्विसेज में युवाओं को कैरियर बनाने हेतु प्रोत्साहित किया साथ ही इन्होंने विद्यार्थियों को साक्षात्कार में ध्यान रखने हेतु बातों को विशेष तौर पर समझाया। मध्यम इंटरप्राइजेज मंत्रालय के द्वारा भी विद्यार्थियों के लिए प्रशासन व रोजगार के साधनों को खोजने हेतु एक सेमिनार का आयोजन किया गया। पदम श्री हिम्मताराम जी जिनका ट्री मेन के नाम से भी जाना जाता है ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक बनने एवं इस कार्य हेतु कृषकों को प्रोत्साहित करने हेतु व्याख्यान दिया।

4.7.7.2 छात्र प्लेसमेन्ट्स व अन्य संस्थानों में प्रवेश :

कृषि महाविद्यालय में विद्यार्थी प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल स्थापित है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का कम्पनियों द्वारा प्लेसमेंट होता है। कोरोना के हालातों को देखते हुए महाविद्यालय में वर्चुअल माध्यम से कई साक्षात्कार करवा कर विद्यार्थियों को प्लेसमेंट देने हेतु प्रयास किये गए। महाविद्यालय के अधिकतर विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं जिससे वह भविष्य में शोध, अकादमिक और प्रशासनिक क्षैत्र में जा सकें। अनेक विद्यार्थियों ने कृषि पर्यवेक्षक परीक्षा में इस वर्ष सफलता हासिल की।

4.7.8 सार संक्षेप :

महाविद्यालय को आईसीएआर द्वारा मान्यता मिलना निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है जिससे यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी ना केवल उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पा सकेंगे अपितु अखिल भारतीय स्तर पर सरकारी नौकरियों के लिए भी पात्र होंगे। आईसीएआर से मान्यता प्राप्त होने पर राज्य के बाहर के विद्यार्थी भी महाविद्यालय में प्रवेश पा सकेंगे जिससे विद्यार्थी परस्पर अधिक प्रतिस्पर्धा महसूस करेंगे जो उनके कैरियर में और निखार लाएगा। महाविद्यालय को 10 नवीन शैक्षणिक स्टाफ प्राप्त हुए जिससे महाविद्यालय में टीचर स्टूडेंट अनुपात काफी बेहतर हो गया लगभग सभी विषयों के शिक्षक महाविद्यालय के पास मौजूद है। महाविद्यालय मैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं प्लेसमेंट पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि यहां से पढ़ने वाला विद्यार्थी भविष्य में नवीन उपलब्धियों को प्राप्त करें। महाविद्यालय की शिक्षक गण विभिन्न माध्यमों द्वारा बाहरी बजट के लिए भी प्रयासरत है जैसे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त किए हैं जिससे स्थानीय समस्याओं के समाधान में भी मदद मिलेगी अपितु खेती के नवीन आयाम भी तलाशे जा रहे हैं। निश्चित रूप से कृषि महाविद्यालय नागौर कृषि क्षेत्र में एक उच्च गुणवत्ता का शैक्षणिक संस्थान बनने को तत्पर है एवं इस हेतु माननीय कुलपति महोदय के दिशा निर्देश में दिन प्रतिदिन कृषि क्षेत्र में कुछ बेहतर करने को तत्पर है साथ ही प्रयास है कि महाविद्यालय से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थी सामाजिक जीवन में भी देश की उन्नति में सहभागी बने।

4.8 कृषि महाविद्यालय बायतू–बाड़मेर

कृषि महाविद्यालय, बायतु की स्थापना 06 अगस्त, 2021 में कृषि उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई। महाविद्यालय का भवन निर्मित होने तक सुचारु रूप से पठन–पाठन का संचालन के लिए अस्थाई तौर पर राजस्व परिसर भवन में किया जा रहा है। महाविद्यालय परिसर इंटरनेट की सुविधा से युक्त है। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय में कुल 112 विद्यार्थी स्नातक (ऑनर्स) कृषि डिग्री पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् हैं।

4.8.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं :–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण :

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	अधिष्ठाता / प्राचार्य	01	01	00
2	सह–आचार्य	02	01	01
3	सहायक आचार्य	10	08	02
	योग	**13**	**10**	**03**

ब. गैर शैक्षणिक पदों का विवरण :

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	01	0	01
2	निजी सहायक	01	0	01
3	सहायक लेखाधिकारी–द्वितीय	01	0	01
4	अनुभागाधिकारी	01	0	01
5	लिपिक ग्रेड प्रथम	01	0	01
6	लिपिक ग्रेड द्वितीय	01	0	01
7	फार्म मैनेजर	01	0	01
8	प्रयोगशाला सहायक	03	0	03
9	कृषि पर्यवेक्षक	01	0	01
10	वाहन चालक (रेस्को द्वारा)	01	0	01
11	मशीन विद मैन	01	0	01
12	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी / चौकीदार / प्रयोगशाला अटैंडेट	04	0	04
	कुल योग	**17**	**0**	**17**

4.8.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या

4.8.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम छात्रों की संख्या

स्नातक	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	अ.पि.व.	अति पि.व.	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	01	09	05	00	29	01	01	46
द्वितीय वर्ष	01	11	11	01	19	01	00	44
कुल योग	**02**	**20**	**16**	**01**	**48**	**02**	**01**	**90**

4.8.2.2 स्नात्तक कार्यक्रम छात्राओं की संख्या

स्नातक	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	अ.पि.व.	अति पि.व.	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	00	01	00	02	06	00	01	10
द्वितीय वर्ष	00	02	03	00	06	01	00	12
कुल योग	**00**	**03**	**03**	**02**	**12**	**01**	**01**	**22**

4.8.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2022 की प्रगति

4.8.3.1 ढाँचागत विकास के प्रमुख कार्य नव–स्थापित कृषि महाविद्यालय, बायतु में निम्नांकित सुविधाओं को स्थापित किया गया है।

- महाविद्यालय के अंतर्गत चल रहे शैक्षणिक कार्य एवं व्याख्यान–कक्ष को डिजिटल स्वरूप देने के लिए प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर स्क्रीन एवं डिजिटल पोडियम लगाए गये। इसके लिए श्रीमान हरीश चौधरी, विधायक, बायतु ने विधायक कोष से पाँच लाख रूपये दिए।
- विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर (आर्म कुर्सी, टेबल) एवं पोर्टेबल स्पीकर इत्यादि की व्यवस्था श्रीमान हरीश चौधरी, विधायक, बायतु के द्वारा विधायक कोष से पाँच लाख रूपये देने के पश्चात की गई।
- श्री महेंद्र चौधरी, जिला प्रमुख, बाड़मेर द्वारा छात्राओं के रहने की व्यवस्था के लिए आवंटित छात्रावास की आवश्यक मरम्मत करवाई गयी।
- महाविद्यालय के लिए आवंटित अस्थाई भवन एवं व्याख्यान–कक्षों का रंग–रोगन कराया गया।
- दिनांक 29 मार्च, 2022 को कृषि महाविद्यालय, बायतु का राजस्थान स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर पंजीकरण किया गया।
- दिनांक 29 जुलाई, 2022 को कृषि महाविद्यालय, बायतु का जी एस टी (वस्तु एवं सेवा कर) पर पंजीकरण किया गया।

4.8.3.2 शैक्षणिक एवं शोध प्रक्षेत्र बीज (उत्पादन)

कृषि महाविद्यालय, बायतु के भवन एवं प्रक्षेत्र के लिए 30.00 हैक्टयर भूमि बाटाडू में आवंटित की गई है। आवंटित भूमि (खसरा संख्या 1382/1351) की जमाबंदी (खेवट/खतोनी) कृषि महाविद्यालय, बायतु के नाम जारी हो गई। भविष्य में यहाँ छात्रों व अध्यापकों के अनुसंधान लगाये जाने सुनिश्चित किये जायेंगे।

4.8.4 महत्वपूर्ण दिवस एवं कार्यक्रमों का आयोजन

4.8.4.1 हर्षोल्लास के साथ मनाया 73वां गणतंत्र दिवस

महाविद्यालय में 73वां गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर अधिष्ठाता प्रो. उम्मेद सिंह ने महाविद्यालय के प्रांगण में तिरंगा फहराया तथा सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होंने उद्‌बोधन में कहा कि आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत देश का संविधान लागू हुआ था जिससे भारत देश एक लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया था। इसके साथ ही अधिष्ठाता ने श्री हरीश चौधरी, विधायक बायतु द्वारा महाविद्यालय में अत्यावश्यक फर्नीचर व्यवस्था के लिए दी गई पाँच लाख की राशि एवं श्री महेंद्र चौधरी, जिला प्रमुख, बाड़मेर द्वारा छात्राओं के रहने की व्यवस्था के लिए आवंटित छात्रावास की मरम्मत करवाने हेतु आवश्यक फंड प्रदान करने पर आभार प्रकट किया।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

4.8.4.2 कृषि महाविद्यालय बायतु में हर्षोल्लास से मनाई बसंत पंचमी

05 फरवरी 2022 को महाविद्यालय में विद्या एवं कला की देवी माँ सरस्वती की पूजा करते हुए हर्षोल्लास से बसंत पंचमी मनायी गयी। बसंत पंचमी का त्यौहार हर वर्ष माघ के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के सभागार में माँ सरस्वती देवी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पूजा करते हुए की गई। कार्यक्रम के मुख्य अध्यक्ष डॉ. मनोहर लाल मीणा ने माँ सरस्वती की महिमा का गुणगान करते हुए विद्यार्थियों को संदेश दिया कि विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिदिन वंदना करने से मनोकामनायें पूरी होती है। कार्यक्रम को कोविड के प्रोटोकॉल की पालना करते हुए आयोजित किया गया।

बसंत पंचमी कार्यक्रम

4.8.4.3 विश्व दलहन दिवस

10 फरवरी 2022 को महाविद्यालय में विश्व दलहन दिवस का आयोजन किया गया। दलहन के महत्व एवं अभिन्न गुणों को आमजन तक पहुँचाने के लिए कृषि महाविद्यालय के छात्रों द्वारा दालों से रंगोली बनाई गयी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. उम्मेद सिंह ने दलहन के महत्व जैसे खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा, वायुमंडल सुरक्षा, मृदा सुरक्षा सुधार एवं मानव स्वास्थ्य सुधार पर प्रकाश डाला इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दलहन प्रोटीन का मुख्य स्रोत एवं बहुआयामी उपयोगिता होने के कारण इसको गरीब आदमी के उपहार की संज्ञा दी गयी है विश्व दलहन दिवस का आयोजन विश्व के अधिकतर देशों एवं भारत के कृषि

शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. सौरभ जोशी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व दलहन दिवस–2020 का विषय 'युवाओं को टिकाऊ कृषि खाद्य प्रणाली प्राप्त करने में सशक्त बनाने के लिए दालें' रखा गया है।

विश्व दलहन दिवस कार्यक्रम

4.8.4.4 विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस

महाविद्यालय में 07 जून 2022 को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया। हर साल की तरह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की ओर से इस वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस थीम 'सुरक्षित भोजन, बेहतर स्वास्थ्य' है, जिसका तात्पर्य है कि सुरक्षित भोजन बेहतर मानव स्वास्थ्य की कुंजी है। कार्यक्रम संचालक डॉ. ममता नेहरा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया एवं समन्वयक डॉ. सीमा यादव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर प्रस्तुति दी।

4.8.4.5 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

महाविद्यालय में 21 जून 2022 को 8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान देव कुमार पोटलियाँ, योग गुरु एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय बायतु थे। श्रीमान पोटलिया ने विभिन्न आसन जैसे पद्मासन, वज्रासन, वक्रासन, ताड़ासन, वृक्षासन इत्यादि एवं प्राणायाम जैसे नाड़ी शोधन, शीतली, उज्जायी, कपालभाती, भ्रामरी इत्यादि सिखाये।

4.8.4.6 बायतु विधायक श्री हरीश चौधरी ने किया डिजिटल क्लासरूम का अवलोकन

महाविद्यालय के अंतर्गत चल रहे शैक्षणिक कार्य एवं व्याख्यान–कक्ष के डिजिटल स्वरूप का अवलोकन करने एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद करने हेतु श्रीमान हरीश चौधरी, विधायक, बायतु ने 28 जून 2022 को कृषि महाविद्यालय का दौरा किया। कृषि महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष में फर्नीचर एवं प्रोजेक्टर हेतु विधायक कोष से पाँच लाख रूपये स्वीकृत किए थे।

बायतु विधायक श्री हरीश चौधरी ने किया डिजिटल क्लासरूम का उद्घाटन

4.8.4.7 हर्षोल्लास से मनाया गया स्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव

कृषि महाविद्यालय, बायतु में 06 अगस्त 2022 को हर्षोल्लास से प्रथम स्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव–2022 मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कृषि महाविद्यालय, बायतु के सभागार में माँ सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं वंदना करने के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान हरीश चौधरी, विधायक, बायतु, विशेष अतिथियों में श्री महेन्द्र चौधरी, जिला प्रमुख, बाड़मेर, श्री सिमरथा राम चौधरी, प्रधान, पंचायत समिति, बायतु एवं श्री गोमा राम पोटलिया,

स्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

सरपंच, पंचायत चिमनजी रहें एवं अध्यक्षता प्रोफ़ेसेर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने की। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने महाविद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22 का अनावरण किया।

4.8.4.8 76वां स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन

महाविद्यालय द्वारा 76वां स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर प्रोफेसर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने ध्वजारोहण किया तथा उद्‌बोधन में कहा कि आज हम सब भारत की आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहें है जो प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष पूरे होने और यहाँ के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की और से की गयी एक पहल है। इसके पश्चात प्रोफेसर सिंह ने बताया कि आज ही के दिन 15 अगस्त 1947 को भारतीयों को अंग्रेजो के अत्याचारों व अमानवीय व्यवहारों से मुक्ति मिली थी लेकिन यह इतना आसान नहीं थी, इसके लिए ना जाने कितने क्रांतिकारियों ने हंसते हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी जिनके बलिदान को आज के दिन पूरे भारत में याद किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

4.8.4.9 लम्पी त्वचा रोग पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय द्वारा 26 अगस्त 2022 को गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी त्वचा रोग के बचाव एवं उपचार की जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आई एस नरुका, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, जालोर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ भँवर सिंह बेनीवाल, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, बायतु रहें। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने बताया कि लम्पी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सभी पशुपालकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ बेनीवाल ने बताया कि लम्पी त्वचा रोग एक वायरल बीमारी है एवं यह रोग पॉक्स वायरस– लम्पी स्किन डिजीज वायरस के कारण होता है। यह रोगग्रस्त पशु के पूरे शरीर में दो से पाँच सेंटीमीटर व्यास की गाठों के रूप में दिखाई देता है तथा समय पर उपचार नहीं मिलने पर पशु की मृत्यु भी हो जाती है। इसके साथ ही लम्पी त्वचा रोग के संक्रमण से बचाव के उपाय एवं उपचार के तरीक़े बताए।

लम्पी त्वचा रोग पर जागरूकता कार्यक्रम

4.8.4.10 राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, बायतु में सितम्बर, 2022 के प्रथम सप्ताह को 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने बताया कि हर साल 1 सितम्बर से 7 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है ताकि अधिक से अधिक लोगों को अपने स्वास्थ्य और पोषण युक्त आहार के प्रति सजग कर सकें। इसे मनाने के पीछे का उद्देश्य है कि लोग अपनी हेल्थ और खानपान को लेकर जागरूक हो तथा लोग स्वस्थ शरीर के महत्व को समझें और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। इसके पश्चात् प्रो. सिंह ने बताया कि इस साल राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 की थीम 'सेलिब्रेट ए वर्ल्ड ऑफ फ्लेवर' है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम

4.8.4.11 हिंदी दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, बायतु द्वारा 14 सितम्बर 2022 को हिंदी के महत्व को प्रसारित करने एवं जनमानस तक हिंदी भाषा एवं संस्कृति को बढ़ाने हेतु हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर उम्मेद सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया की हिंदी भाषा पर मजबूत पकड़ होनी चाहिये एवं शुद्ध वर्तनी का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि भाषा के साथ संस्कृति भी जुड़ी होती है, अतः हिंदी भाषा हमारी संस्कृति को जोड़ने का काम करती है। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता में करीना गुर्जर एवं अनुवाद प्रतियोगिता में कन्हैया राम द्वारा प्रथम स्थान ग्रहण करने पर पुरस्कृत किया।

4.8.4.12 राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, बायतु में दिनांक 24 सितम्बर

विश्व अहिंसा दिवस कार्यक्रम

दिवस भी मना रहें हैं और उनकी सादगी से सभी को प्रेरणा लेने की पूरजोर आवश्यकता है।

4.8.4.14 राष्ट्रीय एकता दिवस पर किया गया एकता के लिए दौड़ का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, बायतु द्वारा 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता के लिए दौड़ (रन फ़ॉर यूनिटी) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफ़ेसेर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने की। इस पावन अवसर पर प्रोफ़ेसर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस हर वर्ष 31 अक्टूबर को भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की याद में मनाया जाता है जो भारत के एकीकरणकर्ता थे।

4.8.4.15 छात्र अभिविन्यास कार्यक्रम–2022 का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ कृषि महाविद्यालय, बायतु में दो दिवसीय छात्र अभिविन्यास कार्यक्रम 17 एवं 18 अक्टूबर, 2022 को कृषि स्नातक प्रथम वर्ष में नव–प्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं प्रोफेशन की जानकारी से अवगत करने के लिये मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कृषि महाविद्यालय, बायतु के सभागार में माँ सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण करके राष्ट्रगान एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ की गयी।

4.8.4.16 कृषि महाविद्यालय में अंतर–कक्षा खेल–कूद एवं सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ कृषि महाविद्यालय, बायतु में 21–25 नवम्बर, 2022 तक पाँच दिवसीय अंतर–कक्षा खेलकूद, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। अधिष्ठाता प्रोफेसर उम्मेद सिंह की अध्यक्षता में 21 नवम्बर, 2022 को कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि श्री सिमरथा राम चौधरी, प्रधान, बायतु रहे।

4.8.4.17 भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, बायतु में 26 नवम्बर 2022 को भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता नेहरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर उम्मेद सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया तथा संविधान के अधिकारों और कर्तव्यों की पालना की

अंतर–कक्षा खेल–कूद एवं सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

निष्ठा–शपथ दिलवायी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के. सी. बैरवा ने संविधान दिवस पर प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें उन्होने भारतीय संविधान के इतिहास, महत्व और मूल्यों पर प्रकाश डाला।

प्रोफेसर उम्मेद सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान देश के नागरिक को धर्मनिरपेक्ष, जातिवाद आदि से ऊपर उठकर मूलभूत अधिकारों, अपने कर्तव्यो और देश हित में निष्पक्ष कार्य करने की सलाह देता है। भारतीय लोकतंत्र और संविधान सम्बंधित ज्ञान में वृद्धि करने के लिए विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमे सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। "भारतः लोकतंत्र की जननी" विषय पर डॉ. केशा राम, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बायतु द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कार्यक्रम के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

4.8.4.18 राष्ट्रीय दुग्ध दिवस कार्यक्रम :

कृषि महाविद्यालय, बायतु के अंतर्गत 26 नवम्बर, 2022 को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय ने की। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि अमूल डेयरी की नींव रखने वाले डॉक्टर वर्गीज कुरियन के योगदान को याद करते हुए उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में मनाया जाता है।

4.8.4.19 कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, बायतु द्वारा कृषि शिक्षा के महत्व एवं इसके प्रति भविष्य की आवश्यकता की जागरूकता के लिए 3 दिसम्बर को कृषि शिक्षा दिवस–2022 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर उम्मेद सिंह एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय ने कृषि के संसाधनों की कमी एवं बढ़ती आबादी तथा घटती जोत को मध्य नजर रखते हुए उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों से आग्रह किया कि कृषि शिक्षा की उच्चतम गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक प्रायोगिक पाठ्यक्रम एवं प्रयोगशालाओं द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। साथ ही कृषि शिक्षा को रोजगार उन्मुख की बनाने की आवश्यकता है।

4.8.4.20 विश्व मृदा दिवस

कृषि महाविद्यालय, बायतु द्वारा 5 दिसम्बर को मृदा स्वास्थ्य एवं मृदा संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों, किसानों एवं जनमानस को जानकारी प्रदान करने हेतु ''विश्व मृदा दिवस–2022'' के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री मनोज, एस.डी.एम., बायतु मौजूद रहे। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभितेज सिंह शेखावत ने इस वर्ष का 'मूल कथ्यः मृदा जहां भोजन शुरू होता है' (थीम– 'सोइल्सः व्हेयर फूड बिगिन्स) पर विद्यार्थियों को प्रस्तुती के माध्यम से जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनोज ने रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मृदा पर होने वाले दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया तथा आह्वान किया कि मृदा सभी मानव जाति के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है एवं हमारी प्रकृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

4.9 डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर

राज्य सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अंतर्गत पत्र संख्या प1(1) कृषि–3/2020 दिनांक 05.06.2020 को डेयरी प्रौद्योगिकी नवीन संकाय की स्थापना हेतु 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया, जिसके तहत डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना की गई है। जिसके बाद कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अंतर्गत पत्र संख्या कार्यालय पत्र क्रमांक संख्या एफ /एयूजे/स्था./बीओएम–17/2022/13643–13651 दिनांक 31.05.2022 को 17वें अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर कुलपति महोदय द्वारा कॉलेज का डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर नामांकरण किया गया।

डेयरी प्रौद्योगिकी संकाय का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के दुग्ध उद्यमियों एवं किसानों को दुग्ध व्यवसाय में नवाचार के माध्यम से आमदनी बढ़ाने एवं विद्यार्थियों को डेयरी विषय में उच्च अध्ययन हेतु एक संस्थान की उपलब्धता कराना है।

डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय चार वर्षीय बी.टेक प्रोफैशनल डिग्री प्रदान करता है।यह पाठ्यक्रम छात्र–छात्राओ को डेयरी उत्पादों के प्रसंस्करण और निर्माण के सभी पहलुओं को सीखने का अवसर प्रदान करता है। छात्र–छात्राओ को दूध और उत्पादों के प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण और डेयरी प्रसंस्करण केउपकरणों के इंजीनियरिंग पहलुओं में गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। सभी कोर्स सेमेस्टर सिस्टम के अंतर्गत आते हैं। एक शैक्षणिक वर्ष में लगभग 18 सप्ताह की अवधि के दो सेमेस्टर होते हैं। सातवे और आठवें सेमेस्टर के दौरान, छात्र–छात्राओ को डेयरी प्लांट संचालन और प्रबंधन पर इन प्लांट प्रशिक्षण का प्रावधान है। इस क्षेत्र में डेयरी उत्पादों और प्रसंस्करण को अधिक उन्नत, उच्च तकनीक और उपयोगी बनाने के लिए ''प्रौद्योगिकी'' का उपयोग शामिल है। दूध और इसके उत्पादों के लिए जैव रसायन, जीवाणु विज्ञान, पोषण के विज्ञान को लागू करके दूध, आइसक्रीम, दही आदि जैसे डेयरी उत्पाद तैयार किए जाते हैं।बी.टेक डेयरी प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम कार्यक्रम विशेष रूप से 12वीं उच्च माध्यमिक स्तर पर भौतिकी, रसायन, गणित के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले और डेयरी प्रौद्योगिकी में गहरी रुचि रखने वाले युवा विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है। पाठ्यक्रम के पीछे मुख्य उद्देश्य युवा छात्र–छात्राओ को डेयरी से संबंधित उत्पादों के लिए आवश्यक डेयरी उत्पादन, प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण जांच के प्रत्येक विवरण से अवगत कराकर प्रशिक्षित करना है। बी.टेक डेयरी प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल हैं, जिनमें डेयरी प्रौद्योगिकी की मूल बातें, दूध का भौतिक रसायन, डेयरी सूक्ष्म जीव विज्ञान का परिचय, पनीर प्रौद्योगिकी और डेयरी इंजीनियरिंग आदि शामिल हैं।

4.9.1 महाविद्यालय में स्वीकृत, कार्यरत् एवं रिक्त पदों का विवरण

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण :

क्र.सं.	पद	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1.	आचार्य (2)	डेयरी प्रौद्योगिकी	1	0	1
		डेयरी व्यापार एवं वाणिज्य प्रबंधन	1	0	1
2.	सह आचार्य (4)	डेयरी प्रौद्योगिकी	1	0	1
		डेयरी अभियांत्रिकी	1	0	1
		डेयरी केमिस्ट्री	1	0	1
		डेयरी माइक्रोबायोलोजी	1	0	1
3.	सहायक आचार्य (11)	डेयरी प्रौद्योगिकी	3	0	3
		डेयरी अभियांत्रिकी	3	0	3
		डेयरी केमिस्ट्री	2	1	1
		डेयरी माइक्रोबायोलोजी	2	1	1
		डेयरी वाणिज्य प्रबंधन/कृषि वाणिज्य प्रबंधन	1	0	1
		कुल योग	**17**	**2**	**15**

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1.	अधीक्षक	1	0	1
2.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	1	0	1
3.	स्टेनो	1	0	1
4.	प्रयोगशाला सहायक	6	0	6
5.	तकनिकी सहायक	3	0	3
6.	लिपिक वर्ग–2	3	0	3
7.	सहायक लेखाधिकारी	1	0	1
8.	चतुर्थ श्रेणी	2	0	2
9.	वाहन चालक (रेक्सको)	1	0	1
10.	मशीन विथ मैन*	1	0	1
	कुल योग	20	00	20

4.9.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की संख्या

उपाधि कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल
1. स्नातक प्रथम वर्ष	2	6	2	0	20	30
2. स्तानक द्वितिय वर्ष	3	2	2	0	21	28
कुल योग	5	8	4	0	41	58

4.9.3. महाविद्यालय के अन्य कार्य एवं प्रगति

4.9.3.1 छात्रवृत्ति विवरण

सामान्य वर्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		आर्थिक पिछड़ा वर्ग		अनु. जाति		अनु. जनजाति	
छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं
0	0	02	03	0	02	0	0	01	0

कुल छात्रवृत्तिः 08

4.9.3.2 वर्ष 2022 में नव नियुक्त अध्यापक

डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर में शैक्षणिक पदों पर नियुक्तिकी नियुक्ति विज्ञापन संख्या AUJ/2022/02 के अनुसार दिनांक 13 जनवरी 2022 की अनुसार की गयी । जिसमे डॉ रेखा रानी (डेयरी केमिस्ट्री), श्रीमती मनोरमा कुमारी (डेयरी माइक्रोबायोलॉजी) में की गयी।

4.9.3.3 छात्र–छात्राओ की उपलब्धियां

बी.टेक. (डेयरी टेक्नोलॉजी) की छात्रा याना गहलोत ने कार्टून मेकिंग प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस प्रति कामधेनु विश्वविद्यालय द्वारा अयोजित नारा और कार्टून बनाने की प्रतियोगिता में बी.टेक डेयरी प्रौद्योगिकी की छात्रा याना गहलोत ने तृतीया स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया ।

4.9.3.4 स्वतंत्रता दिवस समारोह 2022

आजादी के अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में डेयरी प्रौद्योगिकी के छात्र–छात्राओ ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से सबका दिल जीत लिया।

4.9.3.5 10वां स्थापना दिवस (14 सितंबर 2022)

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के स्थापना दिवस पर डेयरी प्रौद्योगिकी के छात्र–छात्राओ ने श्वेत क्रान्ति प्रसंग पर नाटक प्रस्तुत कर भारत की दुग्ध उत्पादन की तत्कालीन स्थिति से वर्तमान स्थिति के पथ को प्रदर्शित किया गया।

4.9.3.6 आर.डी.डब्ल्यू.ई. (RDWE) कार्यक्रम

बी.टेक डेयरी टेक्नोलॉजी द्वितीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओ को काजरी–कृषि विज्ञान केंद्र में पांच सप्ताह के आरडीडब्ल्यूई (RDWE) प्रथम पाठ्यक्रम के लिए भेजा गया छात्र–छात्राओं को ग्रामीण डेयरी से जुड़े किसानो से मिले और डेयरी एवं इससे जुडी जानकारी प्राप्त कर पशुपालन सम्बन्धित तकनीकी का प्रयोगात्मक रुप से अध्ययन किया गया।

4.9.3.7 छात्र–छात्राओ के कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव

कोरोना के बाद राज्य सरकार ने छात्र संघ चुनावो की बहाली की जिसके बाद कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अंतर्गत आने वाले महाविधालयों में अगस्त माह में छात्रसंघ चुनाव सम्पन्न कराये गये उसी के निमित्त डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय जोधपुर में नियमानुसार 23 अगस्त 2022 को छात्र संघ चुनाव डॉ बनवारी लाल की अध्यक्षता में सम्पन्न कराये गये जिसमें द्वितीय वर्ष पार्ट 2 के छात्र सुरेंद्र कुमार तथा पार्ट 2 की छात्रा याना गहलोत का सीआर पद पर चयन किया गया।

4.9.3.8 ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2022–23

डेयरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में नए बैच में प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट्स का ओरिएंटेशन प्रोग्राम रखा गया जिसमे डेयरी टेक्नोलॉजी के सीनियर बैच ने अपने जूनियर का स्वागत किया और सांस्कृतिक प्रोग्राम ने सबका दिल जीत लिया।

4.9.3.9 राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गतिविधियां

डेयरी महाविधालय मे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयंती के उपलक्ष में महाविद्यालय में स्वच्छ भारत अभियान सेवा पखवाड़ा 01 से 31 अक्टूबर 2022 के अंतर्गत स्वच्छता शिविर रखा गया जहां छात्र–छात्राओ ने मिलकर विश्वविद्यालय परिसर को साफ करके राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक के रूप में योगदान दिया।

4.9.3.10 राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन महाविद्यालय के परिसर मे 31 अक्टूबर 2022 को रन फॉर यूनिटी के रूप में अयोजन किया गया जिसमे सभी विद्यार्थियों और शिक्षको ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

4.9.3.11 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वच्छता अभियान के तहत कला प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वच्छता अभियान के तहत विश्वविद्यालय में कला प्रतियोगिता का अयोजन किया गया, जिसमे सभी महाविद्यालयो के छात्र–छात्राओ ने भाग लिया तथा डेयरी प्रौद्योगिकी के चौथे सेमेस्टर के छात्र–छात्राओ ने दूसरे स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य समन्वयक अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह चाहर ने छात्र–छात्राओ को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में बताया और मानव जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व के बारे में समझाया। इस अवसर पर कला प्रतियोगिता के प्रमाण पत्रो का वितरण भी किया गया।

4.9.3.12 गांधी जयंती समारोह 02 अक्टूबर 2022

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 02 अक्टूबर को हम सबके प्रेरणास्त्रोत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर में मनायी गयी।

4.9.3.13 विद्यार्थियों का डेयरी एवं प्रसंस्करण उधोग यूनिट में भ्रमण

महाविद्यालय के विधार्थियों को विषयानुसार सरस डेयरी जोधपुर का भ्रमण कराकर, डेयरी के विभिन्न घटको का प्रायोगिक अध्ययन कराया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने उत्पादन, प्रसंस्करण, प्रयोग और बिक्री केंद्र की कार्य प्रणाली को समझा।

4.9.3.14 वार्षिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

21 से 23 अक्टूबर, 2022 तक अंतर–कक्षा खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। खेल गतिविधियों का मकसद ताकत, गति, सहनशक्ति, समन्वय, लचीलापन और संतुलन जैसे प्रेरक सक्रियताओं को विकसित करना है। विभिन्न एथलेटिक्स जैसे ऊंची कूद, लंबी कूद, डिस्कस थ्रो,

भाला फेंक, शॉटपुट थ्रो, ट्रिपल जंप, रिले रेस और स्प्रिंट में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

4.9.4 आधारभूत संसाधन

4.9.4.1 डेयरी प्रयोगशाला

डेयरी टेक्नोलॉजी के छात्र–छात्राओ के प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए प्रयोगशाला में विभिन्न उपकरणों की व्यवस्था की गई, जिससे महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले सभी विधार्थी लाभांवित हो सके। प्रयोगशाला में दूध और दुग्ध उत्पादों के विश्लेषण जैसे–वसा, प्रोटीन, लैक्टोज, अम्लता, नमी, राख, पीएच, खनिज जैसे सोडियम, पोटेशियम के विश्लेषण फ्लेम फोटोमीटर द्वारा और अन्य रासायनिक विश्लेषण जैसे विटामिन सी, पानी का बीओडी, एंटीऑक्सिडेंट प्रैक्टिकल आयोजित किए जाते हैं।

4.9.4.2 डेयरी इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

डेयरी उपकरणों/मशीनरी का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए डेयरी इंजीनियरिंग लैब की स्थापना प्रक्रियाधीन है। कॉलेज में अच्छी तरह से सुसज्जित डेयरी इंजीनियरिंग कार्यशाला है जिसमें विभिन्न प्रकार के मापने के उपकरण, फिटिंग उपकरण, बढ़ईगीरी उपकरण, हैकसॉ, वेल्डिंग मशीन और खैराद मशीन शामिल हैं।

4.9.4.3 पुस्तकालय

पुस्कालय में डेयरी प्रौद्योगिकी डेयरी रसायान, डेयरी माइक्रोबॉयोलोजी, डेयरी इंजिनियरिंग, डेयरी विस्तार और प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित पुस्तकें हैं।

4.10 प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर

माननीय मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान द्वारा वर्ष 2020–21 के बजट में की गई घोषणा के तहत कृषि अभियांत्रिकी संकाय (Faculty of Agriculture Engineering) की स्थापना कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के एक संघटक संकाय के रूप में की गयी। इस संकाय के अंतर्गत प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2021–22 से चार वर्षीय स्नातक पाठयक्रम कृषि अभियांत्रिकी में प्रारंभ किया गया। राजस्थान सरकार से वर्ष 2020–21 में इस हेतु नव सृजित सात शैक्षणिक एवं दस अशैक्षणिक पदों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के संविधिक निकाय अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा कृषि अभियांत्रिकी संकाय, जोधपुर को वर्ष 2021 में अनुमोदित कर दिया गया है। राज्य में यह महाविद्यालय वर्ष 1964 में स्थापित कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय (CTAE), उदयपुर के बाद एक और संस्थान है जहाँ कृषि अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में इस महाविद्यालय के स्नातक पाठयक्रम में राजस्थान इंजीनियरिंग एडमिशन प्रोसेस (REAP-2021) के दिशा निर्देशों के अनुसार छात्रों को प्रवेश दिया गया है। चार साल के इस पाठयक्रम को 6 महीने प्रत्येक की अवधि के कुल 8 सेमेस्टर में विभाजित किया गया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) द्वारा कृषि के बहुआयामी क्षेत्रों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों को शामिल कर कृषि अभियांत्रिकी स्नातक पाठयक्रम को तैयार किया गया है। यह पाठयक्रम प्राकृतिक संसाधनों के कुशल उपयोग और भविष्य के लिए इन्हे संरक्षित कर कृषि के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए तकनीकियां प्रक्रिया विकसित करने के लिए अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान और कौशल को एकीकृत करता है। कृषि अभियांत्रिकी के पाँच प्रमुख विभाग हैं : कृषि यंत्र और शक्ति अभियांत्रिकी, मृदा और जल संरक्षण अभियांत्रिकी, सिंचाई और जल निकास अभियांत्रिकी, कृषि प्रसंस्करण और खाद्य अभियांत्रिकी, एवं अक्षय ऊर्जा अभियांत्रिकी। यह महाविद्यालय कृषि मशीनीकरण, जल प्रबंधन, मृदा संरक्षण, मूल्य संवर्धन तथा उत्पादन व कटाई उपरांत प्रक्रियाओं में ऊर्जा प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि को आधुनिक, लाभप्रद और प्रतिस्पर्धी उद्यम बनाने एवं प्रदेश के विद्यार्थियों को सक्षम बनाने हेतु बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के मुख्य उद्देश्य :

- कृषि अभियांत्रिकी, उद्यमशीलता और प्रबंधन के क्षेत्रों में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान।
- छात्रों को कृषि, उद्योग और ग्रामीण विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए शिक्षित एवं सक्षम बनाना।
- कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नीति बनाने में सरकार की सहायता करना।
- कृषि और ग्रामीण उद्योगों के विकास अनुकूल बुनियादी अनुसंधान करना।

उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करना।

4.10.1. महाविद्यालय में स्वीकृत, कार्यरत् एवं रिक्त पदों का विवरण

अ. शैक्षणिक पदों का श्रेणीवार विवरण

क्र.सं./पद	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1. आचार्य (02)	मृदा एवं जल सरंक्षण अभियांत्रिकी	1	0	1
	बुनियादी इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त विज्ञान	1	0	1
2. सह आचार्य (05)	कृषि मशीनरी एवं शक्ति अभियांत्रिकी	1	0	1
	कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	1	0	1
	मृदा एवं जल सरंक्षण अभियांत्रिकी	1	0	1
	सिंचाई एवं निकासी अभियांत्रिकी	1	0	1
	नवीकरणीय ऊर्जा अभियांत्रिकी	1	0	1
3. सहायक आचार्य (12)	कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	2	1	1
	नवीकरणीय ऊर्जा अभियांत्रिकी	2	1	1
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	1	1	0
	जनपद अभियांत्रिकी	1	1	0
	मृदा एवं जल सरंक्षण अभियांत्रिकी	1	0	1
	सिंचाई एवं निकासी अभियांत्रिकी	1	0	1
	कृषि मशीनरी एवं शक्ति अभियांत्रिकी	1	0	1
	बुनियादी अभियांत्रिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान	2	0	2
	कृषि व्यवसाय प्रबंधन	1	0	1
	कुल योग	**19**	**04**	**15**

ब. अशैक्षणिक पदों का विवरणः

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1.	अधीक्षक	1	0	1
2.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	1	0	1
3.	स्टेनो	1	0	1
4.	प्रयोगशाला सहायक	6	0	6
5.	तकनिकी सहायक	3	0	3
6.	लिपिक वर्ग–2	3	0	3
7.	सहायक लेखाधिकारी	1	0	1
8.	चतुर्थ श्रेणी	2	0	2
9.	वाहन चालक (रेक्सको)	1	0	1
10.	मशीन विथ मैन*	1	0	1
	कुल योग	**20**	**00**	**20**

4.10.1.1 स्नातक विद्यार्थियों की संख्या

उपाधि कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल
1. स्नातक प्रथम वर्ष	2	6	2	0	20	30
2. स्नातक द्वितिय वर्ष	3	2	2	0	21	28
कुल योग	5	8	4	0	41	58

4.10.1.2 छात्रवृत्ति विवरण

उपाधि कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	अनु.जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल
1. स्नातक प्रथम वर्ष	2	6	2	0	20	30
2. स्नातक द्वितिय वर्ष	3	2	2	0	21	28
कुल योग	5	8	4	0	41	58

4.10.2 महत्वपूर्ण दिवस एवं कार्यक्रमों का आयोजन

4.10.2.1 स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर में 76वाँ स्वतंत्रता दिवस कोरोना नियमावली को ध्यान में रखते हुए धूमधाम सें मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति महोदय का उद्भाषण हुआ एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। साथ ही कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय की गत वर्ष की उपब्धियों का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों को दृढ़ संकल्पित होकर विश्वविद्यालय की उन्नति हेतु कार्य करने के लिए आह्वान किया।

76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

4.10.2.2 पौधारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधन में स्वच्छता अभियान 1 से 31 अक्टुबर तक प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर में आयोजन किया गया, जिसमें विशेषाधिकारी डॉ. एस.के. मुंड तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी डॉ. तरूण गहलोत एंव महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं विद्यार्थियो ने मिलकर महाविद्यालय परिसर में साफ सफाई का कार्य करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम के साथ साथ परिसर में विभिन्न प्रकार कें पेड पौधें लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम किया।

सघन पौधारोपण कार्यक्रम

4.10.2.3 छात्रसंघ चुनाव

विश्वविद्यालय के अधिनस्थ प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर में छात्रसंघ चुनाव दिनांक 27.08.2022 को निर्विरोध सम्पन्न हुए। जिसमें विशेषाधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी डॉ. एस. के. मुंड ने बताया कि महाविद्यालय छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव भी निर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से निर्विरोध सम्पन्न किया।

4.10.2.4 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का आयोजन

दिनांक 01 जून से 07 जून, 2022 तक प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया गया। विशेषाधिकारी डॉ. एस.के. मुंड ने एनएसएस शिविर के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को समाज के लिए स्वयंसेवकों के रूप में काम करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी डॉ. तरूण गहलोत, ने शिविर में स्वयंसेवकों की कार्य योजना और जिम्मेदारी का विवरण प्रस्तुत किया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का आयोजन

4.10.2.5 संविधान दिवस समारोह

संविधान दिवस हर साल 26 नवंबर को भारत के संविधान को अपनाने और संविधान के संस्थापकों के योगदान को सम्मान देने और स्वीकार करने के लिए मनाया जाता है। प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर इस दिन को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को हमारे संविधान के निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान के लिए, जिन्होंने अब तक एक महान लोकतंत्र के रूप में भारत की नियति का मार्गदर्शन किया है।

4.10.2.6 शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 15 से 30 सितम्बर 2022 तक प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा प्रथम वर्ष के विद्यार्थीयो को सहायक आचार्य डॉ. आशीष पवार द्वारा काजरी जोधपुर, प्रौद्योगिकी एंव अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उदयपुर, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर, पश्चिमी

राजस्थान दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड जोधपुर, तथा विशाल अभियांत्रिक जोधपुर मे शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

4.10.2.7 अंतर महाविद्यालय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कृषि महाविद्यालय नागौर एवं अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन कृषि महाविद्यालय जोधपुर में हर्षोल्लास से सम्पन हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रौद्योगिकी एंव कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

4.10.2.8 सार संक्षेप

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोधपुर अपने शिक्षकगणों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहायता से सफलता के नए आयाम पाने को अग्रेसित है।

5. प्रकाशन

5.1 मुख्य अनुसंधान पत्र

5.1.1 एन. ए. ए. एस. दर 6.0 एवं इससे अधिक श्रेणी के प्रमुख शोध/अनुसन्धान पत्र

1. Aechra, S., Meena, R. H., Meena, S. C., Jat, H., Doodhwal, K., Shekhawat, A. S., Verma, A. K. and Jat, L. 2022. Effect of bio fertilizers and vermi compost on physico-chemical properties of soil under wheat (*Triticum aestivum*) crop. *Indian Journal of Agricultural Sciences,* 92(8): 991-995.
2. Bairwa, K. C., Meena, G. L., Balai, H. K., Singh H., Yadav, A., Meena, M. L., Prasad, D., Meena, S and Rajput, A. S. 2022. Performance of Major Seed spice crops in Rajasthan during Pre and post-agri Export Zone periods: In context of Growth, Instability and Decomposition analysis. *Agril. Mechanization in Asia, Africa and Latin America.* 53 (02): 6067-6081.
3. Baswal, A. K., Dhaliwal, H. S., Gill, K. S. and Ozturk, B. 2022. Impact of modified atmospheric packaging films on health-promoting compounds in cold-stored 'Kinnow' mandarin (*Citrus nobilis* Lour x *C. deliciosa tenora*) fruit. *Erwerbs-Obstbau*.
4. Bijarnia, H.S., Bijarnia, S.L., Bhan, Manish, Bijarnia, Anju, Kumar, A. and Bijarnia, Arjun Lal 2022. Effect of crop established methods and weed control treatment on yield, weed density, weed dry weight, weed index and weed control efficiently in rice. *Agricultural Mechanization in Asia, Africa and Latin America*.,53 (01):2022. 5425-5432.
5. Bijarnia, S.L., Bijarnia, Sharma, A.K., Bijarnia, Anju, Bijarnia, Arjun Lal, Nitharwal, Nisha 2022. Effect of organic amendments and mustard crown in chromium contaminated soil. *Agril. Mechanization in Asia, Africa and Latin America.* 53 (1): 5391-5400.
6. Choudhary, M., Shivran, A.C., Bana, R.C., Choudhary, S., Kakraliya, M.and Lakhran, H. 2022. Influence of weed management practices under different plant rectangularity on fennel (*Foeniculum vulgare* Mill.) yield performance and nutrient effectiveness with special reference to semi–arid ecologies of Rajasthan. *Agricultural Mechanization in Asia, Africa and Latin America* 53(2): 5525-5533.
7. Dewan, A., Chaudhary, N. and Khatkar, B.S. 2022. Effects of wheat gliadin and glutenin fractions on dough properties, oil uptake, and microstructure of instant noodles. *Journal of Food Processing Preservation* https://doi.org/10.1111/jfpp.17100.
8. Dhayal, Raju, Chandrawat, B. S., Choudhary, Kavita , Mittal, G. K., Gurjar, Hemraj, Bishnoi, S.P. and Sharma, Ratan Lal 2022. Response of botanicals and enzymes activities as a defense mechanism against root knot nematode, *Meoido gynejavanicain* tomato. *Agricultural Mechanization in Asia, Africa and Latin America*. 53 (09):2, 9753-9766.
9. Doodhwal, K, Meena, R. H., Jat, G, Baradwal, H, Aechra, S, Bamboriya J S, Shekhawat A S and Yadav V. 2022. Effect of Phospho-enriched Compost and Fertility Levels on

Different Fractions of Phosphorus in Maize Crop. *Agricultural Mechanization in Asia, Africa and Latin America.* 53(1): 5289-5298.

10. Gupta, D.S., Dutta, A., Sharanagat, V.S., Kumar, J., Kumar, A., Kumar, V., Souframanien, J., Singh, Ummed., Biradar, R., Singh , A. and Sewak, S. 2022. Effect of growing environments on the minerals and proximate composition of urd beans (*Vigna mungo* L. Hepper). *Journal of Food Composition and Analysis* 114: 1-10. https://doi.org/10.1016/j.jfca.2022.104746.

11. Jain, L. K. and Parewa, H.P. 2022**.** Efficacy of herbicides on performance of chickpea (*Cicer arietinum*) in western Rajasthan. *Indian Journal of Agril. Sciences*. 92(10):1225–1229.

12. Jaiswal, R., Choudhary, K. and Kumar, R. R. 2022. STL-ELM: A Decomposition-Based Hybrid Model for Price Forecasting of Agricultural Commodities. *National Academy Science Letters*, 1-4.

13. Jakhar, D.S., Singh, R. and Singh, S.K. 2022. QTLs mapping for turcicum leaf blight resistance in maize (*Zea mays* L.). *Bangladesh Journal of Botany*. 51(2): 199-206.

14. Jakhar, D.S., Singh, S., Devesh, P., Kumar, S., Singh, A. and Srivastava, R.P. 2022. Mapping of quantitative trait loci for resistance to turcicum leaf blight in maize (*Zea mays* L.). *Emirates Journal of Food and Agriculture*. 34 (4) : 260-267.

15. Jinger, D., Dhar, S., Dass, A., Sharma, V.K., Shukla, L., Paramesh, V., Parihar, M., Joshi, N., Joshi, E., Gupta, G. and Singh, S. 2022. Residual Silicon and Phosphorus improved the growth, Yield, Nutrient Uptake & Soil Enzyme Activities of Wheat. *Silicon* 14: 8949-8964.

16. Joshi, N., Pandey, S. T., Singh, V.P., Jinger, D., Joshi, S., Paramesh, V., Parihar, M, Singhal, R and Javed, T. 2022. Direct-Seeded Rice+ Brahmi (*Bacopa monnieri*) Intercropping and Weed Management Practices Affects Weed Control Efficiency and Competitive Indices. *International Journal of Plant Production* 16(4): 1-15.https://doi.org/10.1007/ s42106-022-00222-3.

17. Joshi, R, Ramawat, N, Sah, R.P., Gogia A, Talukdar, A., Sharma, S., Kumar, A, Raje, R.S., Patil, A.N. and Kumar, D. 2022. Assessment of salt tolerance potential at the germination and seedling stages in pigeon pea (*Cajanus cajan* L.). *Indian Journal of Genetics and Plant Breeding*. Sep 30; 82(03).

18. Joshi, R, Ramawat, N, Talukdar, A, Kundu, A, Raje, R.S., Prashat, G.R. and Durgesh, K. 2022. Development of MAGIC population in pigeon pea: A powerful genetic resource for mapping, genetic analysis and identification of potential breeding lines. *Current Science*. 122(6):735

19. Juliana, P., He, X., Poland, J., Roy, K. K., Malaker, P. K., Mishra, V. K., Chand, R., Shrestha, S., Kumar, U., Roy, C., Gahyatari, N. C., Joshi A. K., Singh, R. P. and Singh, P. K.2022. Genomic selection for spot blotch in bread wheat breeding panels, full-sibs and half-sibs and index-based selection for spot blotch, heading and plant height. *Theor. Appl. Genet.* 135, 1965–1983. doi:10.1007/s00122-022-04087

20. Kumar, Dinesh, Ayant, F.Y. , Nisar, K.S. and Kumar, Suthar. 2022. on fractional q -integral operators involving the basic analogue of multivariable Aleph-function. Proc. National

Academy Science, India, *Sect. A Phys. Sci.,* Vol. 92(3).

21. Kumar, P., Baswal, A.K., Gill, K.S., Ozturk, B. and Gupta, A.2022. Impact of combination treatments of salicylic acid and ascorbic acid on fruit quality traits of ber (*Zizyphus mauritiana* L. cv. 'Umran') throughout the shelf life. *Erwebs- Obstbau***.**
22. Kumari M., Dasriya V.L., Nataraj B.H., Nagpal, R. and Behare P.V.2022. Lacticasei bacillus rhamnosus-Derived Exo poly-saccharide Attenuates D-Galactose-Induced Oxidative Stress and Inflammatory Brain Injury and Modulates Gut Micro biota in a Mouse Model. *Microorganisms*.17;10(10): 2046. doi:10.3390/microorganisms 10102046 PMID: 36296322; PMCID: PMC9611687.
23. Kumari, P., Godika, S., Ghasolia, R.P., Deora, A., Meena, S., Choudhary, S., Nain, Y., Chopra, S., Kumar, S. and Kumar, L. 2022. Incidence and Detection of Seed Mycoflora of Pearl Millet and Their Deteriorative Effect on Plant Health. *Agril. Mechanization in Asia, Africa and Latin America.* 53(2): 5901-5912.
24. Kumari, P., Godika, S., Ghasolia, R.P., Goyal, S.K., Khan, I., Deora, A., Meena, S., Kumar, S. and Kumar, L. 2022. Validation of stable resistance in pearl millet hybrids to ergot disease caused by *Claviceps fusiformis*. *Agril. Mechanization in Asia, Africa and Latin America.* 53(2): 5967-5974.
25. Kumhar, B.L., Agrawal K.K., Jha, A.K., Kumar V., Kantwa, S.R. and Choudhary, M.2022. Productivity and economic viability of grass-based cropping systems. *Range Mgmt. & Agroforestry.* 43 (1) : 167-171.
26. Lakhran, H., Sharma, O.P., Bajiya, R., Choudhary, M., Kanwar, S. and Choudhary, J.R. 2022. Interactive effect of thermal environments and bio-regulators on wheat (*Triticum aestivum*). *Indian Journal of Agricultural Sciences.* 92(3): 320–323.
27. Lakhran, H., Sharma, O.P., Jatav, H.S., Bajiya, R. and Sharma, S. 2022. Mitigation Strategies of Heat Stress in Wheat (*Triticum aestivum* L.) through Adjustment in Sowing Temperature & Application of Bio-regulators. *Communs. in Soil Science and Plant Analysis.* doi: 10.1080/ 00103624.2022. 2094394.
28. Malhotra, N., Sharma, S., Sahni, P., Singh, B. and Sharma, S. P. 2022. Nutritional composition, techno-functionality, in-vitro starch digestibility, structural characteristics and storage stability of sweet potato flour and mash supplemented specialty pasta. *LWT-Food Science & Technology*, 113886.
29. Meena, A. K., Swaminathan, R. and Nagar, R. 2022. Occurrence of three new species of crickets (Orthoptera: Gryllidae: Gryllinae) in India. *Transactions of the American Entomological Society*148 (1) 113-129. DOI: https://doi.org/10.3157/061.148.0107
30. Meena, A. K., Swaminathan, R. and Swaminathan, T. 2022. First report of the female *Acanthogryllus asiaticus* Gorochov, 1990 (Orthoptera: Gryllidae: Gryllinae) from India and updated description of two crickets of Gryllini. *Zootaxa* 5125 (2): 144-156. DOI: https://doi.org/10.11646/zootaxa.5025.2.3
31. Meena, G.L., Sharma, L., Bairwa, K.C., Meena, P.C. and Sharma, H. 2022. Growth and variability in sorghum production in Bhilwara district vis-à-vis Rajasthan. *Agricultural Mechanization in Asia, Africa and Latin America,* 53(06): 8829-8837.

32. Meena, S.S., Srivastava, A., Meena, H.M., Singh, V.K., Kumar, V. and Meena, B.R. 2022. Consequences of agro-forestry and Rice-Wheat Based Cropping System on Soil Micronutrients Status in Mollisols of Uttarakhand. *Communications in Soil Science and Plant Analysis* 53(16): 1-12.

33. Meena, V.P., Khinchi, S.K., Bairwa, D.K., Hussain, A., Kumawat, K.C. and Anvesh, K. 2022. Bio-efficacy of Chemical Insecticides and Bio pesticides against Gram Pod Borer, *Helicoverpa armigera* (Hubner) and Spotted Pod Borer, *Maruca testulalis* (Geyer) on Greengram [Vigna radiata (L.) Wilczek]. *Legume Research-An International Journal* 45: (3): 385-390.

34. Mehriya, M. L., Singh, D., Verma A. , Saxena, S.N., Alataway, Abed, Al-Othman, Ahmed A., Dewidar, Ahmed Z. and Mattar, Mohamed A. 2022. Effect of Date of Sowing and Spacing of Plants on Yield and Quality of Chamomile (*Matricaria chamomilla* L.) Grown in an Arid Environment. *Agronomy*, 12, 2912.

35. Mehriya, M.L., Geat, N. and Sarita, S. 2022. Influence of sulphur and bio-regulators on growth, yield and oil content of cumin (*Cuminum cyminum*). *Indian Journal of Agril. Sciences*, 92(1): 40-44.

36. Parewa, H.P.,Yadav, J.; Meena, V.S.; Sarkar, D., Meena, S.K., Rakshit, A. and Datta, R. 2022. Improved Nutrient Management Practices for Enhancing Productivity and Profitability of Wheat under Mid-Indo-Gangetic Plains of India. *Agriculture*. 12,1472.

37. Phuke, R.M., He, X.; Juliana, P.; Kabir, M.R., Roy, K.K., Marza, F., Roy, C., Singh, G.P., Chawade, A., Joshi, A.K. and Singh, P.K. 2022. Identification of Genomic Regions and Sources for Wheat Blast Resistance through GWAS in Indian Wheat Genotypes. *Genes* , *13*, 596.https://doi.org/10.3390/genes13040596

38. Prasad, D., Prakash, V., Meena, R.S. and Bairwa, S.K. 2022. Performance of Chickpea (*Cicer arietinum*) Frontline demonstrations in Rajasthan. *Indian Journal of Agricultural Sciences* 92 (2): 254–257.

39. Rathore, S.S., Babu, S., Singh, V.K., Shekhawat Kapila, Singh, R.K., Upadhyay, P.K., Hashim, M., Sharma, K.C., Jangir, Rameti and Singh, R. 2022. Sulfur Sources Mediated the Growth, Productivity and Nutrient Acquisition Ability of Pearlmillet–Mustard Cropping Systems. *Sustainability*, 14 (14857):2-17.

40. Roy, C., Kumar, S., Ranjan, R. D., Kumhar, S. R. and Govindan V. 2022. Genomic approaches for improving grain zinc and iron content in wheat. *Front. Genet.* 13:1045955 doi: 10.3389/fgene.2022. 1045955

41. Sahni, P, Sharma, S, Singh, B and Bobade, H 2022. Cereal bar functionalized with non-conventional alfalfa and dhaincha protein isolates: quality characteristics, nutritional composition and antioxidant activity. *Journal of Food Science and Tech.* 59, 3827–3835

42. Samota, M.K., Sharma, M., Kaur, K., Sarita, Yadav, D.K., Pandey, A.K., Tak, Y., Rawat, M., Thakur, J. and Rani, H.2022. Onion anthocyanins: Extraction, stability, bioavailability, dietary effect, and health implications. *Frontiers in Nutrition*, 9:917617. doi:10.3389/fnut.2022.917617

43. Sarkar, D., Rakshit, A., Parewa, H.P., Danish, S., Alfarraj, S and Datta, R. 2022. Bio-priming

with compatible rhizospheric microbes enhances growth and micronutrient uptake of red cabbage. *Land*, 11, 536.

44. Satyavathi, C.T., Tomar, R.S,Ambawat, S., Kheni, J.K., Padhiyar, S.M., Desai, H., Bhatt, S.B., Shitap, M.S., Meena, R.C., Singhal, T., Sankar, M, Singh S.P. and Khandelwal, V. 2022. Stage specific comparative trans criptomic analysis to reveal gene networks regulating iron and zinc content in pearl millet *[Pennisetum glaucum* (L.) R. Br.]. *Scientific Reports* Doi.10.1038/s41598-021-04388-0

45. Seema , A.K. Ghosh , Kuntal, Mouli Hati , Nishant, Kumar, Sinha , Nilimesh Mridha and Biswabara, Sahu. 2022. Regional soil organic carbon prediction models based on a multivariate analysis of the Mid-infrared hyper spectral data in the middle Indo-Gangetic plains of India. *Infrared Physics and Technology (Elsevier)*.

46. Sharma, B., Kumawat, K.C., Tiwari, S., Kumar, A., Dar, R.A., Singh, Ummed and Cardinale, M. 2022. Silicon and plant nutrition: Dynamics, mechanisms of transport, and role of silicon solubilizer microbiomes in sustainable agriculture. *Pedosphere*. DOI: https://doi.org/10.1016/j.pedsph.2022.11.004.

47. Singh, D., Sharma, D., Jhalani, A., Sharma, P.K. and Sharma, D. 2022. Characterization of homogeneous acid catalyzed biodiesel production from palm oil: Experimental investigation and numerical simulation. *Environmental Science and Pollution Research* (In Production).

48. Singh, M., Ameta, K. D., Kaushik, R.A., Dubey, R.B., Rajawat, K.S., Singh, P., Meena, V.K., Kumar, A. and Meena, R. 2022. Estimation of Ranking in Bottle gourd (*Lagenaria siceraria* (Mol.) Standl.) Genotypes over Diverse Environmental Conditions in Humid and Sub-humid Southern Plains of Rajasthan (India). *Agricultural Mechanization in Asia, Africa and Latin America* 53: 8537-8550.

49. Singhal, R.K., Fahad, S., Kumar, P., Choyal, P., Javed, T., Jinger, D., Singh, P., Saha, D., Prathibha, M.D., Bose, B., Akash, H., Gupta, N.K., Sodani, R., Dev, D., Suthar, D.L., Liu, K., Harrison, M.T., Saud, S., Shah, A.N. and Nawaz, T. 2022. Beneficial elements: New Players in improving nutrient use efficiency and a biotic stress tolerance. *Plant Growth Regulation Springer*.

50. Vaghela, D. R., Pawar, A. and Sharma, D. 2022. Effectiveness of Wheat Straw Biochar in Aqueous Zn Removal: Correlation with Biochar Characteristics and Optimization of Process Parameters. *Bio Energy Research (Springer)* 1-15.

5.1.2 एन. ए. ए. एस. दर 6.0 एवं इससे कम श्रेणी के प्रमुख शोध / अनुसंधान पत्र

उपरोक्त अनुसन्धान पत्रों के अलावा कुल 218 अनुसंधान पत्रों का प्रकाशन सत्र 2022 में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं एवं जर्नल्स में हुआ।

5.2 मुख्य पुस्तकें

- अमिताव रक्षित, हनुमान प्रसाद परेवा, विनोद कुमार त्रिपाठी एवं प्रदीप कुमार मिश्र 2022. पर्यावरण प्रदूषण: सिद्धांत और व्यवहार, ISBN: 978-93-91418-76-2, साईन्टिफिक प्रकाशक, जोधपुर, भारत
- Bamboriya, J. S. 2022. Frontiers in Sustainable Soil Health And Agro-Management,978-93-92953-11-8, Vital Biotech Publication.

- Bamboriya,J.S.2022. Recent Trends In Sustainable Agriculture.978-93-92953-22-4,Vital Biotech Publication
- Choudhary, Kiran, Meena, A.K., Dalal, P.L. and Chopra, S. 2022. Plant Quarantine: An Effective Strategy of Pest and Disease Management. Advance Strategy: In Plant Protection, The Agriculture Publication, ISBN: 978-93-94142-09-1. 1-11.
- Lakhran,Hansa and Bajiya, Rohitash 2022. Farming System Sustainable Agriculture (AGRON -121). Publication No. Estt/ COA NGR /2022/507.
- Pawar, Ashish and Paul, Arjun 2022. Biochar Production and its Applications. *ISBN:978939 2851896.* Jaya Publishing House
- Ramawat, Naleeni and Bhardwaj, Vijay. 2022. Bio stimulants: Exploring Sources and Applications. https://doi.org/10.1007/978-981-16-7080-0. Online Published on. e Book ISBN 978-981-16-7080-0.Springer Singapore
- Rani Kirti, Kumar Mithlesh, Razzaq, A., Ajay B.C., Kona, P., Bera, S.K. and Wani, S.H. 2022. Recent advances in molecular marker technology for QTL mapping in plants, Edited by S. H. Wani, D. Wang and G. P. Singh; In *QTL Mapping in Crop Improvement: Present Progress and Future Perspectives*. Academic Press, Elsevier PP. 1-15. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-85243-2.00006-4.
- Singh, R.P., Singh, M, Puri, S and Prasad, D. 2022. Plant Pathology at a Glance. Daya Publishing House, A Division of Astral International Pvt. Ltd., New Delhi- 110002; Pages: 450; ISBN: 978-939-0-43582-1.

5.3 मुख्य पुस्तक अध्याय

1. Adhikari, S., Anuragi, H., Chandra, K., Hanmantrao, S., Dhaka, S.R., Jatav, H.S. and Hingonia, K. 2022. Molecular basis of plant nutrient use efficiency- concepts and challenges for its improvement. In: (eds.) Sustainable Plant Nutrition. *Elsevier* Publication, ISBN: 978-0-443-18675-2
2. Bharati, Pandey, Bhardwaj,Vijay, and Ramawat,Naleeni.2022. The Role of Bio stimulants in Plant Growth, Development and abiotic Stress Management: Recent Insights, Bio stimulants: Exploring Sources and Applications, *Plant Life and Environment Dynamics*, 1:221-238
3. Bhushan, Devidas, Meshram, Vaibhav Kisanrao Lule, Shivani Vyawahare and Rani, Rekha 2022. Application of Edible Packaging in Dairy and Food Industry. In Book Food Preservation and Packaging-Recent Process and Technological advancement edited by Jaya Shankar Tumuluru. DOI:5772/intechopen.107850
4. Chaudhary, N. and Dangi, P. 2022. Fruit and Vegetable Waste: A Taste of Future Foods. Edible Food Packaging. *In*: Poonia, A., Dhewa, T. (Eds.). Edible Food Packaging. *Springer*, Singapore.
5. Chaudhary, N., Dangi, P., Chaudhary, V., Sablania, V., Dewan, A., Joshi, S., Siddqui, S. and Yadav, A.N.2022. Probiotics and bioactive metabolite production. Probiotics for Human Nutrition in Health and Disease. *In*: Leite de Souza, E., de Brito Alves, J.L., Fusco, V. (Eds.). Probiotics for Human Nutrition in Health and Disease. *Elsevier* Academic Press.

6. Choudhary, K. B., Khandelwal, V. and Sharma, S.R. 2022. Sorghum Improvement: Male Sterility and Hybrid Breeding Approaches. *In*: Bohra *et. al.* (Eds.). Plant Male Sterility Systems for Accelerating Crop improvement. 73-89. *Springer Nature* Singapore Pvt. Ltd. https://doi.org/10.1007/978-981-19-3808-5_5.

7. Dotaniya, M.L., Meena, V. D.,otaniya, C. K., Meena, M. D., Doutaniya, R. K., Verma, R., Sanwal, R.C., Parewa, H.P., Jatav, H.S., Meena, R., Sarkar, A. and Saha, J.K.2022. Engineered Biochar as Adsorbent for Removal of Heavy Metals from Soil Medium. In: Ramola, S., Mohan, D., Masek, O., Méndez, A., Tsubota, T. (eds.) Engineered Biochar. *Springer*, Singapore.

8. Jakhar, D.S., Kumari, R., Kumar, P., Singh, R. and Kumar, A.2022. *Exserohilum turcicum* [Pass.] resistance in maize: A sustainable agricultural approach for studying plant-microbe interactions. Plant-Microbe Interaction - Recent Advances in Molecular and Biochemical Approaches - Vol 1, *Elsevier* Publication. ISBN: 9780323918756.

9. Jhalani, A., Sharma, D., Singh, D. and Sharma, P.K., 2022. Optimization of Injection Timing for a CI Engine Fuelled with Gomutra Emulsified Diesel. Lecture Notes in Mechanical Engineering Book Series. 91-100 (ISSN 2195-4364).

10. Jhalani, A., Sharma, S., Sharma, P.K. and Singh, D., 2022. Low-Temperature Combustion Technologies for Emission Reduction in Diesel Engines. Artificial Intelligence for Renewable Energy and Climate Change, John Wiley & Sons 345-370. (ISBN: 9781119771524).

11. Joshi, E., Agarwal, P., Sasode, D.S., Khambalkar, P., Bordoloi, P., Ginger, D. and Joshi, N. 2022. Aquaponics: An Innovative Sustainable Food Production Farming System. *In*: Prasad, R.P., Gill, R., Gupta, V., Bordoloi, P., Ahmed, M. Recent Advance in Agricultural Science and Technology for Sustainable India Part-II, Chapter 11, 72-78. ISBN: 978-81-953029-5-6

12. Joshi, N., Choudhary, R.S. and Joshi, S. 2022. Resource conserving techniques and weed control efficiency. *In*: Choudhary, S.K., Kumari, V., Meena, S., Singh, S. Recent Trends in Agricultural Sciences Chapter 19, 173-189. ISBN: 978-81-953236-1-6

13. Joshi, N., Joshi, S. and Yadav, D. 2022. Effect of different weed management practices on growth and yield of direct seeded rice and brahmi intercropping system. Recent advances for managing sustainable soil health and crop production from Feb 18-20. First International Conference (Virtual) organized by GKV Society, Agra.

14. Kushwah, A., Sharma, S.R., Choudhary, K. B.and Vij, K. B. 2022. Advances in Male Sterility Systems and Hybrid Breeding in Rice. *In*: Plant Male Sterility Systems for Accelerating Crop Improvement. Bohra *et al*. (eds.), 17-41. *Springer Nature* Singapore Pvt. Ltd. https://doi.org/10.1007/978-981-19-3808-5_2.

15. Pawar, Ashish and Panwar, N. L. 2022. Biomass Derived Activated Biochar for Wastewater treatment. Handbook of Sustainable Development Through Green Engineering and Technology (CRC Press Taylor & Francis, USA) *ISBN 9781003127819*

16. Thakur, Deepshikha, Shyam, Vineet, and Ramawat, Naleeni.2022. Bio stimulants and their extraction from Food and Agro-Based Industries. Bio stimulants: Exploring Sources and Applications, *Plant Life and Environment Dynamics*, 1:177-192

17. Verma, M., Jat, M.L., Kumar, S. and Meena, N. K., 2022. Bio fortification in Vegetable Crops. Research and review in Agriculture Sciences. In: Singh, Y.V. *Research and review in Agriculture sciences*. Vol. 3, Chapter-5, 79-111, ISBN-978-93-92804-00

18. Yadav, Rajnish and Sharma, Ratan Lal 2022. Agriculture microbiology (based on ICAR syllabus) ISBN 978-93-56510-0-81. 01-114. Jaya Publishing House, New Delhi-110089(India).

5.4 संगोष्ठी, सम्मलेन, सेमिनार में प्रकाशित शोध पत्र / सारांश

1. Meena, A. K. and Swaminathan, R. 2022. Effect of potassium fertilizers on major insect pests and their natural enemies in soybean. 140. In the national conference on “Food & Nutritional Security and Sustainable Agriculture” organized by Society for Agriculture Innovation and Development, Ranchi held in Hyderabad (AP) on April, 15-16.

2. Nehra, M. and Panwar, R.K. 2022. Genetics of Resistance of Chickpea (*Cicer arietinum* L.) Against Botrytis Grey Mould Disease. 53. In: In Abstracts, Medelsym: Tending Mendel's Garden for a Perpetual and bountiful Harvest organized by Genetics Club, Division of Genetics, ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, July, 19-21.

3. Regar, J.K., Misra, A.K. and Singh, Ummed. 2022. To evaluate the farm productivity and profitability of various enterprises of dairy based Integrated Farming System. 236. In: Abstracts, National Symposium on 'Innovations in Forage and Livestock Sector for Enhancing Entrepreneurship and Farm Productivity, (Eds. Palsaniya *et. al.* 2022) published and organised by Range Management Society of India, ICAR-Indian Grassland and Forage Research Institute, Jhansi, Uttar Pradesh, India during November, 1-3.

4. Regar, J.K, Misra,A.K. and Singh, U. 2022. Role of Goats in Integrated Farming Systems in National seminar cum annual conference on Prospects and potential of small ruminants production for enhancing Income under Changing Scenarios organised by CSWRI, Avikanagar, Tonk, during November,10- 12.

5. Regar, J.K., Misra, A.K. and Singh U. 2022. To evaluate the farm productivity and profitability of various enterprises of dairy based Integrated Farming System in 8th RMSI National Symposium on Innovations in forage & livestock sector for Enhancing Entrepreneurship & farm productivity organized by Range management society of India, Jhansi & ICAR-Indian Grassland Fodder Research Institute, Jhansi (UP) during November,1-3.

6. Singh, U, Choudhary, R, Jat, N.K. and Regar, J.K. 2022.Biofortified Forage Crops: An Option to Tackle the Dual Problem of Nutritional Insecurity and Hidden Hunger in 8th RMSI National Symposium on Innovations in forage & livestock sector for Enhancing Entrepreneurship & farm productivity

organised by Range management society of India, Jhansi & ICAR-Indian Grassland Fodder Research Institute, Jhansi (UP) during November,1-3.

7. Singh, U, Gadri, D.C., Kumar, M, Kumar, R and Chaturvedi, S. K. 2022. Chickpea (*Cicer arietinum* L.) Genotypes Amenable for Mechanical Harvesting: Economic and Energy Evaluation. 138. *In*: Abstracts, First International Conference (Virtual Mode), Recent Advances for Managing Sustainable Soil Health and Crop Production, (Eds. Trivedi *et. al.* 2022) Gramya KisanVikas (GKV) Society, Agra and ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, during February, 18-20.
8. Swami, H, Lekha, Chhangani, G, Meena A K and Kumawat, K. 2022. Effect of silica diatomaceous earth against storage pests infesting stored grains. 141. In the national conference on "Food & Nutritional Security and Sustainable Agriculture" organized by Society for Agriculture Innovation and Development, Ranchi held in Hyderabad (AP) on April,15-16.

5.5 प्रशिक्षण पुस्तिकाएँ

1. सन्तोष चौधरी. 2022. उद्यानिकी फसलों में नर्सरी प्रबन्धन, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर।
2. डॉ. मनमोहन पूनिया, डॉ. सेवाराम कुमावत, डॉ. गजानन्द नागल, डॉ. सरोज देवी, डॉ. सुनीता चौधरी और भागचन्द ओला 2022. बीजीय मसाला फसलों की वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकियां, कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी।
3. सुमित्रा देवी बम्बोरिया, अर्जुन सिंह जाट, लखमाराम चौधरी और मनीष जाजड़ा 2022. जीवामृत एक चमत्कारी खाद। कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर।
4. सुमित्रा देवी बम्बोरिया, अर्जुन सिंह जाट,लखमाराम चौधरी और ममता चौधरी 2022 जैविक प्रबंधन एक समन्वित मार्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर।
5. डॉ. नीशु जोशी, 2022 जीरो बजट प्राकृतिक खेती कृषि अनुसंधान उपकेंद्र सुमेरपुर No. ARSS/2022/02.
6. डॉ. नीशु जोशी, 2022 फसलों में खरपतवार प्रबंधन कृषि अनुसंधान उपकेंद्र, सुमेरपुर. ARSS/2022/01.
7. Mamta Devi Choudhary, Arjun Singh Jat, Sumitra Devi Bamboriya, AnopKumari and,L. R.Choudhary 2022. "*Kisano ka saccha mitra-Trichoderma*", Krishi Vigyan Kendra, Maulasar, No- 06.
8. Satyavathi CT, Khandelwal V,Ambawat S,Beniwal BR, Yadav SL, Kumawat MC, Bhanawariya S, Joshi P,Panwar D, Sewaliya M, and Kumar R. 2022. Vibhinn kshetron ke liye bajre ki kismein. ICAR-AICRP on Pearl millet, Jodhpur, Rajasthan, India.
9. Satyavathi CT, Khandelwal V,Sundria MM, Kumar M, Ambawat S, Yadav SL, Kumawat MC, Bhanawariya S, and Joshi P. 2022. Bajre ki unnat kheti. ICAR-AICRP on Pearl millet, Jodhpur, Rajasthan, India.
10. Choudhary, L.R., Jat, A**. S,** Bamboriya, S. D., Bhati, N. K., Choudhary, M. D., Kumari, A. (2022). "Dairy Farming- A rural Entrepreneurship". 1-20. कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर।

5.6 विस्तार / प्रसार फोल्डर्स

1. मोतीलाल मेहरिया, मनीष कुमार, शालिनी पांडेय, रमेश एवं सुरेंद्र कुमार 2022 लहसुन की वैज्ञानिक खेती निदेशक अनुसन्धान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर।

2. प्रियंका कायथ, और डॉ. सेवाराम कुमावत 2022 लम्पी स्कीन रोग (LSD), कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी।
3. निशु कँवर भाटी, अर्जुन सिंह जाट, लखमाराम चौधरी, ममतादेवी चौधरी और सुमित्रा देवी बम्बोरिया 2022 शुष्क क्षेत्रीय फल और सब्जियों का मूल्य संवर्धन।कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर।
4. हरि राम चौधरी, गोपीचन्द सिंह और भावना शर्मा 2022 कैर, कुम्मट एव सांगरी का मूल्य संवर्धन। कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन, नागौर।
5. सुमित्रा देवी बम्बोरिया, अर्जुन सिंह जाट, ममता देवी चौधरी और निशुकँवर भाटी 2022 जैविक खेती में पंचगव्य के फायदे। कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर।
6. सुमित्रा देवी बम्बोरिया, अर्जुन सिंह जाट, लखमाराम चौधरी और ममता देवी चौधरी 2022। वर्मीवाश जैविक खेती के लिए वरदान। कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर।
7. डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. नीशु जोशी, डॉ. हर्षवर्धन सिंह शेखावत, डॉ. प्रविण रंगराव पाटील एवं डॉ. राजू लाल भारद्वाज 2022 सरसों में कीट व्याधि प्रबंधन कृषि अनुसंधान उपकेंद्र सुमेरपुर।
8. डॉ. हर्षवर्धन सिंह शेखावत, डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. नीशु जोशी, डॉ. प्रविण रंगराव पाटील एवं डॉ. राजू लाल भारद्वाज 2022 तिल की उन्नत खेती, कृषि अनुसंधान उपकेंद्र, सुमेरपुर।
9. पंकज लवानिया एवं बनबारी लाल 2022। जैविक मुर्गी पालन। एस.सी.एस.पी. परियोजना।

5.7 लोकप्रिय लेख

1. ममता देवी चौधरी, सुमन चौधरी एवं सुमित्रा बम्बोरीया 2022 । कैसे करें खरीफ फसलों में कीट प्रबंधन, जोबनेर खेती 5–6।
2. हनुमान प्रसाद परेवा, अनिरूद्ध चौधरी एवं एम. पी. वर्मा 2022. मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन। खाद पत्रिका 63(5): 9–13.
3. डॉ. नीशू जोशी, डॉ सौरभ जोशी और डॉ. दिनेश जिंजर. 2022 कैसे ले मौसम की विपरित परिस्थितियो मैं अधिक उत्पादन. उन्नत कृषि (कृषि एवं किसान कल्याण विभाग) अंक 2 पृष्ठ सं–15।
4. जसवन्त कुमार रेगर और अरूण कुमार मिश्रा 2022. डेरी आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली, खेती, खंड 74, अंक 12, 39–41।
5. डॉ. नीशू जोशी, सौरभ जोशी, जीतेन्द्र शर्मा, हर्षवर्धन शेखावत एवं बी.एल.मीणा. 2022 आधुनिक कृषि पद्धति में उद्यमों का समावेश. खेती अगस्त वर्ष 75 अंक 4 पृष्ठ सं. 67-70 ।
6. संतोष चौधरी, 2022. नेट हाऊस में खीरे की खेती फल–फूल। 36–38
7. Choudhary, K.2022. Agricultural Price Forecasting for Farming Community. Agriculture & Food: e-newsletter. 4(2):4369-40.
8. H.R. Choudhary, Gopichand Singh and Bhawana Sharma2022. Impact of KVK Technology on Mustard growing Farmer in Nagaur District. *Agro spheres'-Newsletter*, 3(10), 11-14. (ISSN (E): 2582–7022).
9. Ishwar Singh, V. P. Chahal, S.K. Singh, Mahendra Kumar, Garbar Singh and Shilpa Kumari 2022. Technology integration for doubling farm income through participatory research and extension approaches in jodhpur district of Rajasthan. *Indian Farming* 71 (10):60-62.
10. Joshi, N., Joshi, S. and Jinger, D.2022. Integrated farming system for productivity and sustainability in agricultural production. *Indian Farming* 72 (03): 8-11.

11. Joshi, N., Joshi, S., Malve, S.H. and Shukla, U.N. 2022. Herbicide Resistance: Magnitude, Mechanisms, and Management. *Indian Farmer Digest*. Vol 55 (06): 04-07.

12. Kajla, S. L., Yadav, M, Yadav, S. and Yadav, V. L. 2022. Nanotechnology for Better Agriculture. *The Agriculture Magazine* **1**(8):73-75.

13. Kumari, M. 2022. Major Diseases of Bajra (Pearl Millet) and Their Effective Management. *Agri Articles* (e-Magazine for Agricultural Articles) Volume: 02, Issue: 03

14. Kumari, M., Poonia, M.K. 2022. Integrated Plant Disease Management (IDM) – Play A Key Role in "Jaivik Kheti". *Agrospheres e-Newsletter*. Volume: 03, Issue: 07

15. Lavania, P. and Bairwa K. C. 2022. Effective way to enhance farmer income through rural poultry farming & A Success story. *Poultry Punch* 38 (04): 56-60.

16. Lavania, P. and Ba irwa, K.C. 2022. Genesis of Anand pattern of co-operative dairying movement in India. *Agri Articles*, 2(03): 176-180.

17. Meena, D S, Ram, M Meena M L, Meena S 2022.Papeeta ki unnat kheti. *Marudhara Krishi* 3 (3): 13-15.

18. Pawar,Ashish 2022. Solar Thermal Pyrolysis is the Sustainable Route for Biofuel Production. Energetica India, *News Bureau.*

19. Sahu J, Regar J K and Mishra A K. 2022. Feeding and management of dairy calf. *Indian Dairyman*74 (02): 76-80.

20. Singh A., Rawat, S., V., Verma, M. 2022. Pomegranate flower regulation in arid zone region. *Agri. Articles*, 151-155.

उपरोक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष–2022 में वैज्ञानिक तकनीकियों के प्रचार–प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों/परियोजनाओं के तहत कुल 48 लेखों का अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशन किया गया।

6. क्षमता निर्माण, शिक्षण एवं भागीदारी

6.1 सम्मेलन / सेमिनार / संगोष्ठी / कार्यशाला में वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुति

1. डॉ. ममता नेहरा ने इंडियन सोसायटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नई दिल्ली द्वारा 19 से 21 जुलाई, तक आयोजित संगोष्ठी 'टेंडिंग में डल सगार्डन फॉर ए परपेचुअल एंड बौंती फुल हार्वेस्ट' में चने में ग्रेमोल्ड रोग के लिए प्रतिरोधकता की आनुवांशिकता' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति दी।
2. डॉ. उम्मेद सिंह ने 18 से 20 फरवरी, 2022 तक भाकृअनुप–आई ए आर आई, नई दिल्ली, भारत द्वारा स्थायी मृदा स्वास्थ्य और फसल उत्पादन प्रबंधन के लिए नवाचार पर आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल मोड) में 'यांत्रिक कटाई के लिए उपयुक्त काबुली चने (साइसर एरीटिनम) के जीनोटाइप्स आर्थिक और ऊर्जा मूल्यांकन' विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी। चने में ग्रे मोल्ड रोग के लिए प्रतिरोधकता की आनुवांशिकता' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति दी।
3. डॉ. उम्मेद सिंह ने रेंज मैनेजमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया, आईसीएआर–इंडियन ग्रासलैंड एंड फोरेज रिसर्च इंस्टिट्यूट, झाँसी, उत्तरप्रदेश, भारत द्वारा 1 से 3 नवम्बर, 2022 तक आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बायोफोरेजक्रॉप्सः एन आप्शन टू टैकल द ड्यूल प्रॉब्लम ऑफ न्यूट्रिशनल इनसिक्यूरिटी एंड हिडन हंगर' पर पेपर (मुख्य वक्ता) प्रस्तुति दी।
4. डॉ. जसवन्त कुमार रेगर ने 10 से 12 नवम्बर, 2022 तक भाकृअनुप–केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविका नगर, टोंक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह वार्षिक सम्मेलन में आय बढ़ाने के लिए छोटे जुगाली करने वाले पशुओं के उत्पादन की संभावना और क्षमता बदलते परिदृश्य में एकीकृत कृषि प्रणाली में बकरियों की भूमिका विषय पर पोस्टर प्रस्तुति दी।
5. डॉ. अभितेज सिंह शेखावत ने 17 से 18 जनवरी, 2022 तक सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित जौ के आर्थिक महत्व को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ में जौ की उत्पादकता पर मिट्टी और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी।
6. Dan Singh Jakhar, Assistant Professor, College of Agriculture, Sumerpur presented Oral presentation Online Conference held on September 01-02, 2022 at the "7th Edition of Global Conference on Plant Science and Molecular Biology".
7. Dr Prashant Sahni, Assistant Professor (Food Technology) delivered oral presentation on the topic "Quality attributes, amino acid profile and antioxidant activity of protein enriched cookies functionalized with non-conventional alfalfa and dhaincha protein isolates" in International Conference on "Innovative Food System Transformations for Sustainable Development in Agro-Food and Nutrition on 16-17 November, 2022 organized by Vignan University and University Malaysia Kelantan (UMK) at Vignan University,Guntur.

6.2 वैज्ञानिक सम्मेलन / सेमिनार / संगोष्ठी / कार्यशाला में वैज्ञानिकों की भागीदारी

1. डॉ. सौरभ जोशी सहायक प्राध्यापक ने 4 से 24 दिसंबर, 2021 तक आण्विक जीव विज्ञान विभाग, जैव प्रौद्योगिकी जैव सूचना विज्ञान, सीसीएसएचएयू,

हिसार, हरियाणा में ''पारंपरिक और आणविक दृष्टिकोण के माध्यम से मुख्य खाद्य फसलों के जैव–फोर्टिफिकेशन'' पर शीतकालीन विद्यालय कोर्स में भाग लिया।

2. डॉ. शक्ति सिंह भाटी सहायक प्राध्यापक ने 03 से 25 जनवरी 2022 तक अनुसंधान निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में ''कृषि में रोजगार सृजन के लिए ग्रामीण युवाओं का कौशल'' पर शीतकालीन विद्यालय कोर्स में भाग लिया।

3. डॉ. दुर्गा प्रसाद ने 18–24 जनवरी, 2022 तक मशरूम उत्पादन व्यवसाय पर केंद्रित उद्यमिता विकास कार्यक्रम पर 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

5. डॉ. रमेश ने 18 जनवरी से 7 फरवरी, 2022 तक भाकृअनुप–केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला द्वारा आयोजित किसानों की आय दोगुनी करने के लिए आलू सुधार, उत्पादन और उपयोग प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर शीतकालीन विद्यालय कोर्स में भाग लिया।

6. डॉ ममता नेहरा ने 24 जनवरी से 31 मई, 2022 के दौरान द इंटरनेशनल मक्का एंड व्हीट इम्प्रूवमेंट सेंटर (CIMMYT), मैक्सिको द्वारा आयोजित बेसिक व्हीट इम्प्रूवमेंट कोर्स–2022 (BWIC&2022) पर 90 दिवसीय ऑनलाइन कोर्स में भाग लिया।

7. डॉ. राकेश चौधरी ने 27 जनवरी से 5 फरवरी, 2022 के दौरान भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजितकृषि परिक्षणों में आँकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विकास पर 10 दिवसीय लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड) में भाग लिया।

8. सोनाली मीणा सहायक प्राध्यापक ने 1 फरवरी, 2022 से 21 फरवरी, 2022 तक सहकारिता मंत्रालय, बारामूला, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड (NADL) द्वारा आयोजित ''किसानों की आय दोगुनी करने के लिए पशुधन आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली की आधुनिक तकनीकें'' पर 21 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में भाग लिया।

9. डॉ. जसवंत कुमार रेगर ने 1 से 21 फरवरी, 2022 तक सहकारिता मंत्रालय, बारामूला, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड (NADL) द्वारा आयोजित ''किसानों की आय दोगुनी करने के लिए पशुधन आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली की आधुनिक तकनीकें'' पर 21 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में भाग लिया।

10. डॉ.कैलाश चंद बैरवा ने 5 से 25 फरवरी, 2022 के दौरान आईसीएआर–राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र और नीति अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित कृषि में निर्णय लेने की विश्लेषणात्मक तकनीक पर ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।

11. डॉ सीमा यादव ने 7 से 21 फरवरी, 2022 तक भाकृअनुप–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और चंद्रशेखर आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर (यूपी) द्वारा आयोजित सब्जियों की ऑफ सीजन संरक्षित खेती पर 15 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

12. डॉ. राकेश चौधरी ने 10 फरवरी, 2022 को पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय, MOCI, भारत सरकार द्वारा भारत के राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत आयोजित

ऑनलाइन ''आई पी जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम'' में भाग लिया।

13. डॉ एम एल मेहरिया ने 22 से 24 फरवरी, 2022 के दौरान आईसीएआर–भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान और आईसीएआर–मसालों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा आयोजित ''डेटा डिजिटलीकरण और विजुअलाइजेशन'' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

14. डॉ. हंसा लखरण, सहायक प्राध्यापक ने 23 फरवरी–15 मार्च , 2022 तक स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण के लिए फसल अवशेषों का उपयोग और प्रबंधन - सी आई ऐ ई, भोपाल द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लिया।

15. डॉ. अभितेज सिंह शेखावत ने 28 फरवरी से 4 मार्च, 2022 तक आनंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा स्मार्ट फार्मिंग ए आई, रोबोटिक्स, आई ओ टी और क्लाउड कंप्यूटिंग के अनुप्रयोग पर आयोजित 5 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

16. डॉ मनीष कुमार ने 2 से 22 मार्च, 2022 तक पौध व्याधि विभाग, एस के एन कृषि महाविद्यालय, जोबनेर द्वारा आयोजित पौध व्याधि विभाग, एस के एन कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में आयोजित ''जलवायु परिवर्तन की स्थिति में रोग परिदृश्य– चुनौतियां, अनुभव, नवाचार और भविष्य की संभावनाएं''पर शीतकालीन स्कूल में भाग लिया।

17. डॉ. रेखा कुमावत ने 2 मार्च से 22 मार्च, 2022 तक पौध व्याधि विभाग, एस के एन कृषि महाविद्यालय, जोबनेर द्वारा आयोजित पौध व्याधि विभाग, एस के एन कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में आयोजित ''जलवायु परिवर्तन की स्थिति में रोग परिदृश्य– चुनौतियां, अनुभव, नवाचार और भविष्य की संभावनाएं''पर शीतकालीन स्कूल में भाग लिया।

18. डॉ. अभितेज सिंह शेखावत ने 23 से 24 मार्च, 2022 तक शस्य विज्ञान विभाग, कृषि कॉलेज, बापटला, आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार ''जैविक खेती पर्यावरण स्वास्थ्य पर ध्यान'' में भाग लिया।

19. डॉ. अशोक कुमार मीणा ने 15–16 अप्रैल, 2022 तक सोसाइटी फॉर एग्रीकल्चर इनोवेशन एंड डेवलपमेंट, रांची द्वारा हैदराबाद, आंध्रप्रदेश में आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन ''खाद्य और पोषण सुरक्षा और सतत कृषि'' में भाग लिया।

20. डॉ. एम एल मीणा ने 30 अप्रैल से 20 मई, 2022 के दौरान एग्रो एनवायरनमेंटल एजुकेशन एंड फार्मस वेलफेयर सोसाइटी, पंजाब और जस्ट एग्रीकल्चर–पत्रिका द्वारा आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण–कार्यशाला कार्यक्रम में भाग लिया।

21. डॉ. दुर्गा प्रसाद ने 23 से 27 मई, 2022 के दौरान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट, हैदराबाद द्वारा आयोजित Pest Surveillance पर 5 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

22. डॉ. मंजू कुमारी, सहायक प्राध्यापक ने 31 मई से 12 जुलाई, 2022 तक कृषकों के लिए सांख्यिकीय तकनीकें सतत शिक्षा केंद्र IIT कानपुर, भारत द्वारा आयोजित 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम में भाग लिया।

23. डॉ. सुनीता पाण्डेय ने 13 से 31 अगस्त, 2022 के दौरान नेक्स्टजेन हेल्पर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बेसिक्स टू एडवांस्ड बायोइनफॉरमैटिक्स, जीनोमिक्स एंड एनजीएस डेटा एनालिटिक्स कार्यशाला में भाग लिया।

24. डॉ राकेश चौधरी ने 22 से 26 अगस्त, 2022 के दौरान राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद एवं भाकृअनुप–डीआरएमआर, भरतपुर द्वारा आयोजित'

अर्ध–शुष्क क्षेत्र में उद्यमिता विकास के लिए कृषि आधारित तकनीकी हस्तक्षेप' पर लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड) में भाग लिया।

25. डॉ एम एल मेहरिया ने 22 से 24 सितंबर, 2022 के दौरान मसालों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा आयोजित मसालों पर वार्षिक समूह बैठक (वर्चुअल मोड) में भाग लिया।

26. डॉ. महेश पूनिया, प्राध्यापक (उद्यान विज्ञान) ने 1–30 सितंबर 2022 के दौरान नेशनल अकैडमी ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च मैनेजमेंट आईसीएआर द्वारा आयोजित डिजिटल असेसउमन्ट एवं इवलो ान पर आयोजित ऑनलाइन कोर्स में भाग लिया।

27. डॉ. रेखा कुमावत **ने** 4 से 5 अक्टूबर 2022 के दौरान एस.के.एन.ए.यू जोबनेर द्वारा आयोजित स्थायी फसल उत्पादन और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए मृदा कार्बन पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला में ऑनलाइन भाग लिया।

28. डॉ. भेरू लाल कुम्हार ने 1 से 3 नवंबर, 2022 के दौरान रेंज मैनेजमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया आईसीएआर–आईजीएफआरआई, झांसीं द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''उद्यमिता और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए चारा और पशुधन क्षेत्र में नवाचार'' में भाग लिया।

29. डॉ. उम्मेद सिंह ने रेंज मैनेजमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया, आईसीएआर–इंडियन ग्रासलैंड एंड फोरेज रिसर्च इंस्टिट्यूट, झाँसी, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा 1–3 नवम्बर, 2022 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी' उद्यमिता और कृषि उत्पादकता बढ़ने के लिए चारा और पशुधन क्षेत्र में नवाचार' में भाग लिया।

30. डॉ. रेखा कुमावत ने 21–23 नवंबर, 2022 के दौरान आस्था फाउंडेशन, मेरठ (यूपी), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, भारत द्वारा आयोजित सतत कृषि और संबद्ध विज्ञान के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में भाग लिया।

31. Maya Sharma, Assistant Professor (APFE) participated in International Conference SSSAFS-22organised by School of Agriculture at Lovely Professional University, Phagwara, Punjab during January21-22, 2022.

32. Nema Ram, Assistant Professor, College of Agriculture, Sumerpur attended ICAR Sponsored 21 Days Winter School on "Advance production Technologies of Underutilized Vegetable Crops under Arid and Semi-Arid Conditions" organized by Department of Horticulture, SKN, College of Agriculture (SKNAU) Jobner from Feb. 21, 2022 to March 13, 2022.

33. Prashant Sahni, Assistant Professor (Food Technology) participated in International Conference on "Innovative Food System Transformations for Sustainable Development in Agro-Food and Nutrition on 16-17 November, 2022 organized by University Malaysia Kelantan (UMK) at vignan university, Guntur.

6.3 टेलीविज़न प्रस्तुति एवं रेडियों वार्तालाप

प्रस्तुति वार्तालाप	अधिकारी का नाम	प्रसारण कर्ता	प्रसारण दिनांक
टेलीविज़न प्रस्तुति–			
शुष्क क्षेत्रों में बागवानी फसलों की देखभाल कैसे करें	प्रो. आरं एलं भारद्वाज	दूरदर्शन किसान चैनल ''हैलो किसान''	08.12.2021
अनार और नींबू में पोषक तत्व प्रबंधन	प्रो. आर. एल. भारद्वाज	दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	22.12.2021
बेर के फलों को मधुमक्खी से कैसे बचाएं	प्रो. आर. एल. भारद्वाज	दूरदर्शन किसान चैनल ''हैलो किसान''	04.01.2022
खरीफ में प्याज का उत्पादन कैसे करें एवं इसके फायदे	प्रो. आर. एल. भारद्वाज	दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	15.06.2022
खरीफ की खड़ी फसलों में रोग प्रबन्धन	डॉ. प्रियंका सहायक प्राध्यापक	दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	30.08.2022
खरीफ फसलों में कीट प्रबंधन	डॉ. नेमा राम, सहायक प्राध्यापक	दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	25.07.2022
रबी फसलों की देखभाल	प्रो. उम्मेद सिंह	टेलीविजन प्रस्तुति डी डी किसान, नई दिल्ली	22.12.2021
राजस्थान में दलहन उत्पादन के लिये समसामयिक क्रियाए	प्रो. उम्मेद सिंह	टेलीविजन प्रस्तुति डी डी, जयपुर	27.06.2022
राजस्थान में दलहन उत्पादन के लिये समसामयिक क्रियाए	प्रो. उम्मेद सिंह	टेलीविजन प्रस्तुति डी डी, जयपुर	05.07.2022
रेडियों वार्तालाप			
आजादी का अमृत महोत्सव और खाद्यान्न उत्पादन	डॉ. एल. के. जैन सहायक प्राध्यापक	आकाशवाणी केन्द्र, माउण्ट आबू	10.01.2022
सब्जी उत्पादन में नवीन तकनीक (लो–टनल, ग्रीन हाउस, पॉली–हाउस)	प्रो. आर. एल. भारद्वाज	आकाशवाणी केन्द्र, माउण्ट आबू	16.1.2022
आजादी का अमृत महोत्सव में पादप रोग विज्ञान का योगदान	डॉ. एस. सी. मीणा सहायक प्राध्यापक	आकाशवाणी केन्द्र, माउण्ट आबू	19.01.2022
आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर एक नजर	डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा सहायक प्राध्यापक	आकाशवाणी केन्द्र, माउण्ट आबू	22.01.2022
आजादी का अमृत महोत्सव और दूध क्रांति	डॉ. एम.पी.वर्मा सहायक प्राध्यापक	आकाशवाणी केन्द्र, माउण्ट आबू	24.01.2022

7. पुरस्कार एवं सम्मान

सम्मान / पुरस्कार

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के 10 दशम् स्थापना दिवस, दिनांक : 14.09.2022 पर विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों हेतु निम्नलिखित अधिकारियों एवं कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

- डॉ. ईश्वर सिंह, आचार्य व निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
- डॉ. मदन मोहन कुमावत, आचार्य (कीट विज्ञान), कृषि महाविद्यालय, जोधपुर
- डॉ. रमेश चन्द मीणा, सहायक आचार्य (पादप कार्यिकी), पी.सी. यूनिट, मण्डोर–जोधपुर
- डॉ. सुप्रिया, सहायक आचार्य (पादप जैव प्रौद्योगिकी), पी.सी. यूनिट, मण्डोर–जोधपुर
- डॉ. शक्ति सिंह भाटी, सहायक आचार्य (सुत्रकृमि विज्ञान), कृषि महाविद्यालय, नागौर
- श्री महेन्द्र कुमार चौहान, अनुभाग अधिकारी, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री राजु मित्रा, निजी सहायक (कुलपति) प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री पीयुष तापड़िया, आशुलिपिक ग्रेड–द्वितीय, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री मुकेश कुमार सोनी, कनिष्ठ सहायक, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री प्रवीण कुमार, कनिष्ठ सहायक, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री तुरफान खान, फार्म मैनेजर, कृषि विज्ञान केन्द्र, गुड़ामालानी
- सुश्री बरखा गुप्ता, प्रोग्राम सहायक–कम्प्यूटर, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री राहुल बिश्नोई, तकनीकी सहायक, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर
- श्री धनराज सांखला, कनिष्ठ सहायक, परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री अभिषेक पिड़वा, कनिष्ठ सहायक, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री अर्जुन सिंह नाथावत, कम्प्यूटर सहायक, पी.सी. यूनिट, मण्डोर–जोधपुर
- श्री प्रवीण चौहान, मैन विद मशीन, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर
- श्री भगवाना राम, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, प्रशासनिक कार्यालय, कृविवि, जोधपुर

➢ डॉ. शालिनी पाण्डेय, सहायक आचार्य, कीट विज्ञानः राष्ट्रीय सम्मेलन "कृषि और संबद्ध विज्ञान और फार्मास्यूटिकल और पर्यावरण विज्ञान में हालिया प्रगति", डॉ. बी. वसंतराज डेविड फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा 1 अक्टूबर 2022 के दौरान युवा कृषि वैज्ञानिक पुरस्कार 2022 से नवाजा गया ।

➢ डॉ. दमा राम को राज्य स्तर पर सर्वश्रेठ विशेष योग्यजन व्यक्ति पुरस्कार–सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार द्वारा अंतराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस दिसंबर 3, 2022 को राज्य स्तर पर हरीशचंद्र माथुर, राजस्थान राज्य लोक सेवा प्रशासन संस्थान, OTS जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य के लिए राज्य स्तर पर सर्वश्रेठ विशेष योग्यजन व्यक्ति का पुरस्कार दिया गया।

- Dr. Shourabh Joshi, Assistant Professor, received First Prize in poster presentation session of NRS-RSC held at SKN, Agriculture University, Jobner during December,15-17,2022.
- Dr. Rakesh Choudhary, Assistant Professor, received Young Scientist award-2022 on the occasion of 6th International Conference CIABASSD-2022 organised by AEDS, UP. held on June 11-13,2022 at Kalimpong Science center, Deolo, Kalimpong, West Bengal.
- Dr. Mamta Nehra, Assistant Professor, received Best poster awarded on 21.07.2022 in the symposium "Trending mendl's Garden for a perpetual and Bountiful harvest at IARI, New Delhi.
- Dr. J.S.Regar, Assistant Professor, received Ram Singh Memorial award-2022 by Pashu Prahari magazine on 29.07.2022 for his erudite and informative article in the 'All India Articles writing competition held between July 1-27, 2022 on the topic "Application of Homeopathy in veterinary practices".
- Dr. Dan Singh Jakhar, Assistant Professor, College of Agriculture, Sumerpur awarded with "Certificate of Excellence in Peer-Reviewing" on 19th July, 2022 by Plant Cell Biotechnology and Molecular Biology Journal (International Knowledge Press).

8. मण्डल, परिषद् एवं समितियाँ

8.1 प्रबंध मण्डल

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रबंध मण्डल में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य सम्मिलित है।

1. डॉ बी. आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, पदेन अध्यक्ष
2. प्रमुख शासन सचिव, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
3. प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
4. प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
5. प्रमुख शासन सचिव, पशु पालन विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
6. डॉ आर. पी. जांगीड, पूर्व निदेशक अनसंधान, एसकेआरएयू बीकानेर, सदस्य
7. डॉ आर. एस. चावडा, पूर्व प्रोफेसर, मृदा विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य
8. श्री ललित देवडा, प्रगतिशील किसान, जोधपुर, सदस्य
9. श्री राजेन्द्र कलवानिया, कृषि उद्यमी, जोधपुर, सदस्य
10. श्रीमति कीर्ति सिंह, महिला सामाजिक कार्यकर्ता, सदस्य
11. डॉ रामअवतार शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, काजरी, जोधपुर, सदस्य
12. डॉ ईश्वर सिंह निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य
13. डॉ एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली– पदेन सदस्य, सदस्य
14. डॉ सीताराम कुम्हार, आचार्य, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य
15. श्रीमती अंजली यादव, R.Ac.S (Link Officer), कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य सचिव

8.2 अकादमिक परिषद्

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की विद्या परिषद में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य सम्मिलित है।

1. प्रो. बी. आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पदेन अध्यक्ष
2. डॉ ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
3. डॉ. सवाई दान रतनू निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – पदेन सदस्य
4. डॉ. सीताराम कुम्हार, संकाय अध्यक्ष, एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर, जोधपुर– पदेन सदस्य
5. डॉ मनमोहन सुन्दरिया, निदेशक प्राथमिकता निगरानी मूल्यांकन, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
6. डॉ वीरेन्द्र सिंह जेतावत, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
7. डॉ जीवाराम वर्मा, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
8. डॉ उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बायतु, बाडमेर– पदेन सदस्य
9. डॉ आर एल भारद्वाज, अधिष्ठाता, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली– पदेन सदस्य
10. डॉ. रामदेव सुतालिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागोर– पदेन सदस्य
11. डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
12. डॉ. सीताराम कुम्हार, विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
13. डॉ उम्मेद सिंह, विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
14. डॉ वीरेन्द्र सिंह जेतावत, विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
15. डॉ. सवाई दान रतनू, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य

16. डॉ. आर एल भारद्वाज, विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
17. डॉ. जीवाराम वर्मा, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
18. डॉ एम.सी. जैन, प्रोफेसर (उद्यान विज्ञान) एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, कोटा – नामांकित प्रख्यात कृषि शिक्षाविद्
19. डॉ. एन के शर्मा अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज), एसकेआएयू, बीकानेर – सहयोजित सदस्य
20. डॉ. ए. के. पटेल, प्रधान वैज्ञानिक, काजरी, जोधपुर – सहयोजित सदस्य
21. डॉ. सीताराम कुम्हार, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सचिव
22. डॉ. के.के. बोड़ा, सेवानिवृत विभागाध्यक्ष (पादप कार्यिकी) कृषि महाविद्यालय, जोधपुर–सहयोजित सदस्य
23. डॉ. धीरज सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली – सहयोजित सदस्य

8.3 अध्ययन मंडल

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अध्ययन मंडल (कृषि संकाय) में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित है।

1. डॉ. सीताराम कुम्हार अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : अध्यक्ष,
2. डॉ. ईश्वर सिंह, निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
3. डॉ. एस. डी. रतनू, निदेशक अनुसंधान एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
4. डॉ. विरेन्द्र सिंह जैतावत, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
5. डॉ. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय बायतु, बाड़मेरः सदस्य
6. डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, आचार्य, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
7. डॉ. आर एल भारद्वाज, विभागाध्यक्ष, उद्यानिकी, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
8. डॉ. रामदेव सुथालिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय नागौर : सदस्य
9. डॉ. जे. आर. वर्मा, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
10. डॉ. पंकज लवानिया, प्रभारी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन : सदस्य
11. डॉ. आर. सी. मीणा, प्रभारी, सामान्य विज्ञान विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
12. डॉ. एच. पी. परेवा, प्रभारी, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
13. डॉ. सरेश एन. वी., प्रभारी, कृषि वानिकी एवं वनस्पति विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
14. डॉ. रूपल धूत, प्रभारी, पुस्तकालय विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
15. डॉ. एल. नेताजीत सिंह, प्रभारी, सांख्यिकी विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
16. डॉ. निशा चौधरी, प्रभारी, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
17. डॉ. विपिन चौधरी, मुख्य वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., काज़री, जोधपुर : बाह्य नामांकित सदस्य
18. डॉ. मोहर सिंह मीणा, मुख्य वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., अटारी, जोधपुर : बाह्य नामांकित सदस्य
19. डॉ. एस. आर. कुम्हार, निदेशक, शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : नामांकित सदस्य
20. डॉ. एस. आर. कुमावत, आचार्य, प्रसार शिक्षा : नामांकित सदस्य
21. डॉ. एम. एम. कुमावत, आचार्य, कीट विज्ञान : नामांकित सदस्य
22. डॉ. नीशु जोशी, सहायक आचार्य, शस्य विज्ञान, ए. आर. एस. एस., सुमेरपुर : नामांकित सदस्य
23. डॉ. सौरभ जोशी, सहायक आचार्य, पादप जैव

प्रौद्योगिकी, कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर, विशिष्ट आमंत्रित

24. डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, आचार्य, कीट विज्ञान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर : सदस्य सचिव

8.4 अनुसंधान परिषद्

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अनुसंधान मंडल में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित है।

1. प्रो. बी.आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पदेन अध्यक्ष
2. आयुक्त, कृषि आयुक्तालय, राजस्थान सरकार जयपुर–पदेन सदस्य
3. कृषि निदेशक, राजस्थान सरकार, जयपुर–पदेन सदस्य
4. उद्यान निदेशक, राजस्थान सरकार, जयपुर– पदेन सदस्य
5. मत्स्य निदेशक, राजस्थान सरकार, जयपुर– पदेन सदस्य
6. मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान सरकार, जयपुर– पदेन सदस्य
7. निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
8. निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
9. निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
10. निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
11. निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
12. अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष कृषि महाविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
13. अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, बायतु, बाडमेर–सदस्य
14. अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली–सदस्य
15. अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागौर–सदस्य
16. क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर–सदस्य
17. क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवाना, जालोर –सदस्य
18. विभागाध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर
19. विभागाध्यक्ष, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन
20. विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान
21. विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान
22. विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान
23. विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान
24. विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा
25. विभागाध्यक्ष, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी
26. डॉ एल.एन. हर्ष, पूर्व कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर –सदस्य
27. डॉ, जब्बर सिंह सोलंकी, पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा – सदस्य
28. डॉ टी.एस. राठौड, सेवानिवृत निदेशक, आफरी, जोधपुर–सदस्य
29. श्री वी.के. पाण्डे, संयुक्त निदेशक, कृषि, जोधपुर–सहयोजित सदस्य
30. श्री जे. एन. स्वामी, उपनिदेशक, उद्यान, जोधपुर–सहयोजित सदस्य
31. डॉ जे.आर. भाखर, उपनिदेशक, कृषि विस्तार, जोधपुर–सहयोजित सदस्य
32. डॉ विजय सिंह मीणा, प्रभारी, एनबीपीजीआर, क्षेत्रीय कार्यालय,जोधपुर–सहयोजित सदस्य
33. श्री रामलाल विश्नोई, चेयरमैन–डेयरी संघ, जोधपुर–सहयोजित सदस्य
34. अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज), कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
35. निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सचिव

8.5 प्रसार शिक्षा परिषद्

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रसार शिक्षा मंडल (कृषि संकाय) में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित है।

1. प्रो. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पदेन अध्यक्ष

2. आयुक्त, कृषि आयुक्तालय, राजस्थान सरकार जयपुर–पदेन सदस्य
3. कृषि निदेशक, राजस्थान सरकार, जयपुर–पदेन सदस्य
4. उद्यान निदेशक, राजस्थान सरकार, जयपुर– पदेन सदस्य
5. मतस्य निदेशक, राजस्थान सरकार, जयपुर– पदेन सदस्य
6. मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान सरकार, जयपुर– पदेन सदस्य
7. निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
8. निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
9. निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
10. निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
11. अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष कृषि महाविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
12. अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, बायतु, बाडमेर–सदस्य
13. अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली–सदस्य
14. अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागौर–सदस्य
15. क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर–सदस्य
16. क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवाना, जालोर –सदस्य
17. विभागाध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर
18. विभागाध्यक्ष, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन
19. विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान
20. विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान
21. विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान
22. विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान
23. विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा
24. विभागाध्यक्ष, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी
25. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, जालौर–I सदस्य
26. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, जालौर–II सदस्य
27. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही–सदस्य
28. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन, नागौर–I –सदस्य
29. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर–II –सदस्य
30. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, फलोदी, जोधपुर–II–सदस्य
31. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, गुडामालानी, बाडमेर–II –सदस्य
32. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, दांता, बाडमेर–I –सदस्य
33. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, जोधपुर–I–सदस्य
34. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली–I–सदस्य
35. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली–II सदस्य
36. डॉ डी कुमार, सेवानिवृत प्रधान वैज्ञानिक, काजरी, जोधपुर–सदस्य
37. डॉ टी.एस. राठौड, सेवानिवृत निदेशक, आफरी, जोधपुर–सदस्य
38. श्री अशोक डांगा, प्रगतिशील किसान, पालडी व्यासा, तह. खींवसर, जिला नागौर–सदस्य
39. श्री नगाराम, बेडाना, तह. गुडामालानी, जिला बाडमेर–सदस्य
40. श्री मनोहर सिंह, गांव गोयली, सिरोही–सदस्य
41. संगठन प्रतिनिधी ग्रामीण विकास, राजस्थान सरकार–सदस्य
42. संगठन प्रतिनिधी, सहकारी विभाग–राजस्थान सरकार–सदस्य

43. संगठन प्रतिनिधी, कृषि उद्योग, राजस्थान सरकार–सदस्य
44. संगठन प्रतिनिधी, विकास निगम, राजस्थान सरकार–सदस्य
45. संगठन प्रतिनिधी, सिंचाई विभाग, राजस्थान सरकार–सदस्य
46. संगठन प्रतिनिधी, भारतीय खाद्य निगम, भारत सरकार–सदस्य
47. संगठन प्रतिनिधी, राष्ट्रीय बीज निगम, भारत सरकार–सदस्य
48. संगठन प्रतिनिधी, राजस्थान राज्य बीज निगम–सदस्य
49. संगठन प्रतिनिधि, इफको, भारत सरकार–सदस्य
50. संगठन प्रतिनिधि, कृभको, भारत सरकार–सदस्य
51. निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–सचिव

8.6 वित्त समिति

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के वित्त समिति (कृषि संकाय) में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित है।

1. प्रो. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पदेन अध्यक्ष
2. प्रमुख शासन सचिव, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार जयपुर–पदेन सदस्य
3. प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार जयपुर–पदेन सदस्य
4. निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–नामित सदस्य
5. श्रीमति कीर्ति सिंह, महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व अध्यक्ष मंडी समिति, जोधपुर–सदस्य
6. वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–पदेन सचिव

8.7 शिकायत निवारण समिति

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के शिकायत निवारण (कृषि संकाय) में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित है।

1. डॉ सीताराम कुम्हार, अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–समन्वयक
2. डॉ एम.एम. कुमावत आचार्य (कीट विज्ञान) कृषि महाविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
3. डॉ एम.एल. मेहरिया, सह आचार्य (शस्य विज्ञान), कृषि अनुसंधान केन्द्र मंडोर, जोधपुर–सदस्य
4. डॉ कृष्णा सहारण सहायक आचार्य (सूक्ष्म विज्ञान) कृषि महाविद्यालय, जोधपुर–सदस्य

8.8 अनुसूचित जाति–जनजाति प्रकोष्ठ

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अनुसूचित जाति–जनजाति प्रकोष्ठ (कृषि संकाय) में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित है।

1. डॉ सीताराम कुम्हार, अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर–संपर्क अधिकारी
2. डॉ पी. आर रेगर सहायक आचार्य (मृदा विज्ञान) कृषि महाविद्यालय, जोधपुर–सदस्य
3. डॉ आर.सी. मीणा, सहायक आचार्य (पौध कार्यिकी), पी.सी. यूनिट, मंडोर, जोधपुर–सदस्य

सिटी प्राइम एंकर

कृषि विवि भाभा आणविक अनुसंधान संस्थान के साथ हाइड्रोजेल उत्पाद पर कर रहा रिसर्च

पश्चिमी राजस्थान में कम पानी से होगा फसलों का उत्पादन

पश्चिमी राजस्थान में खेती के लिए किसानों को तेज गर्मी, शुष्क जलवायु,पानी की कमी आदि चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

एक्सक्लूसिव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. इन समस्याओं के चलते यहां खेती करना आसान नहीं है। ऐसा कई बार हुआ जब पानी की कमी के चलते फसलें बर्बाद हुई हैं और किसानों की मेहनत पर पानी फिरा है। खेती में पानी की कमी की समस्या अब दूर होगी, और यहां पर भी कम पानी में फसलें पैदा होगी। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय भाभा आणविक अनुसंधान संस्थान (बार्क) मुंबई के साथ मिलकर शोध कर रहा है। विश्वविद्यालय में बार्क की ओर से उत्पादित हाइड्रोजेल उत्पाद से पश्चिमी राजस्थान में कम पानी से फसलों के उत्पादन पर काम किया जा रहा है। यह उत्पाद भूमि में पानी को सोखकर पौधों को उपलब्ध कराता है। यह अपने वजन से 400 गुना अधिक पानी को रोककर रखता है। विवि ने गेहूं, जीरा, ईसबगोल व सरसो के साथ सब्जियों में टमाटर पर प्रयोग किया है, जिनके सकारात्मक परिणाम आए हैं।

सरसों के जीन प्रारूप विकसित किए

विश्वविद्यालय और बार्क रेडिएशन टेक्नोलॉजी से गेहूं, सरसो, जीरा, ईसबगोल की नई किस्में विकसित करने पर कार्य कर रहा है। जो अन्य तरीकों से विकसित किस्मों से ज्यादा कारगर होगी। इस तकनीक से इन फसलों में कटाई के बाद होने वाले नुकसान रोकने पर भी काम किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने वर्तमान में सरसो की टीएम 108-1 व टीएम 267-3 उन्नत जीन प्रारुप विकसित किए है, जो जल्द ही किस्म के रूप में किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे

बार्क के साथ एमओयू करने वाला पहला विश्वविद्यालय

जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय व बार्क के बीच अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में तथा कृषि में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए 5 वर्षीय समझौता किया गया है। समझौते के तहत बार्क व विश्वविद्यालय मिलकर महत्वपूर्ण फसलों की उन्नत व रोग रोधी किस्मों पर काम करेंगे, जो पश्चिमी राजस्थान की जलवायु के अंतर्गत अधिक उपज व गुणवत्तापूर्वक उत्पाद पैदा करने में सक्षम होगी। बार्क के साथ एमओयू करने वाला जोधपुर प्रदेश का पहला कृषि विश्वविद्यालय है।

विवि के बार्क के साथ मिलकर कर रिसर्च में सकारात्मक परिणाम आ रहे है। सभी प्रोजेक्ट्स पर कार्य प्रगति पर है। जो आने वाले समय में प राजस्थान के किसानों के लिए बहुत उपयोगी होंगे।

प्रो बीआर चौधरी, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर

बार्क के साथ मिलकर रेडिएशन टेक्नोलॉजी से विभिन्न किस्मों पर काम चल रहा है। अब तक सरसो के जीन प्रारुप आदि पर सफल प्रयोग हुए हैं।

प्रो राहुल भारद्वाज, असिस्टेंट प्रोफेसर कृषि विश्वविद्यालय

36 हैक्टेयर भूमि पर होंगे तैयार

पाली-जालोर में कृषि कार्यों का विस्तार, बनेंगे कृषि विज्ञान केन्द्र

जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय को केन्द्रों की स्थापना के लिए मिली प्रशासनिक स्वीकृति

जोधपुर @ पत्रिका. प्रदेश में कृषि क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के अधीन पाली व जालोर जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। केन्द्र सरकार के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से दो कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। यह केन्द्र किसानों व कृषि उद्यमियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगे। पाली जिले के रायपुर तहसील व जालोर जिले की रानीवाड़ा के बामनवाड़ा में गांव केन्द्रों की स्थापना होगी। दोनों केन्द्र शत-प्रतिशत वित्तपोषित होंगे। इन केन्द्रों पर प्रशासनिक भवन, किसान छात्रावास, प्रदर्शनी इकाइयों व आवासीय परिसर का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य में विवि के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ ईश्वरसिंह व उनकी टीम की ओर से किए गए प्रयासों की भूमिका रही।

राज्य सरकार ने की भूमि आवंटित

राज्य सरकार की ओर से दोनों केन्द्रों के लिए 36 हैक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। जालोर जिले के बामनवाड़ा गांव में 16 हैक्टेयर व पाली जिले के रायपुर में 20 हैक्टेयर भूमि आवंटित की है। वर्ष 2016 से भूमि आवंटन के अभाव में इन नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना नहीं हो पा रही थी।

महिला उत्थान कार्यक्रम भी

नवस्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किसानों के साथ महिला उत्थान केन्द्रित कार्यक्रमों और प्रशिक्षण शिविरों का भी आयोजन किया जाएगा। जिससे इन जिलों की महिलाओं को समाज की मुख्य धारा मे लाकर समानता का अवसर मिल सके।

16-16 पद स्वीकृत

विश्वविद्यालय को प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना के लिए 16 पद स्वीकृत किए गए है। जिनमें 7 शैक्षणिक व 9 विभिन्न श्रेणी के अशैक्षणिक पद होंगे।

शैक्षणिक पद

- 1- वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष
- 6- विषय विषेषज्ञ

अशैक्षणिक पद

- 1- फार्म मैनेजर
- 1- कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)
- 1- कार्यक्रम सहायक (लैब तकनीशियन)
- 1- सहायक
- 1- आशुलिपिक ग्रेड तृतीय
- 2- वाहन चालक
- 2- सहायक कर्मचारी

इनका कहना है...

विवि की ओर से यह प्रयास किया जाएगा कि इन नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्टाफ व आधारभूत ढांचे का निर्माण कर इन्हें शीघ्र क्रियाशील किया जाए।

प्रो बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर

प्रदेश के पांच कृषि विश्वविद्यालयों में अन्तरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट हासिल करने वाला प्रदेश का पहला विवि

जीरा, चना, सरसों की सैंकड़ों लुप्त वैरायटियों पर शोध, अब तक 23 उपयुक्त मिली

एक्सक्लूसिव

अच्छे परिणाम देने वाली किस्मों से हजारों किसान हो रहे लाभान्वित

कृषि विवि के फॉर्म में लहलहाती सरसो की लुप्त वैरायटी की फसल।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय पश्चिमी राजस्थान की प्रमुख फसलों की लुप्त हो रही वैरायटियों पर शोध कर रहा है। विवि करीब 118 वैरायटियों पर शोध कर रहा है, जिसमें अब तक 23 किस्मों के अच्छे परिणाम आए। जो पश्चिमी राजस्थान की जलवायु, मौसम व मिट्टी आदि के लिए उपयुक्त पाई गई। विवि जीरा, चना, सरसो पर कार्य कर रहा है, जिनके बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि रोम की इंटरनेशनल बायोडायवर्सिटी बोर्ड व ग्लोबल एनवॉयरमेंट फैसिलिटी (जेफ) की ओर से कृषि विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट के तहत रबी व खरीफ की अलग-अलग फसलों की लुप्त वैरायटियों का संरक्षण कर हजारों किसानों को लाभान्वित कर रहा है। प्रदेश में संचालित हो रहे 5 कृषि विवि में अन्तरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट हासिल करने वाला यह प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है। प्रोजेक्ट में राजस्थान के जोधपुर, बाड़मेर व जैसलमेर सहित तीन जिलों को शामिल किया गया है। विवि जोधपुर जिले के ओसिया के गोविन्दपुरा व मानसागर तथा बाड़मेर के चौहटन के धीरासर व धोक्षा गांव में कार्य कर रहा है।

फसल	वैरायटी पर काम चल रहा
सरसो	58
चना	40
जीरा	20

- इनमें से सरसों की 14, चना की 7 व जीरा की 2 किस्में उपयुक्त पाई गई, जिनके बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

रबी व खरीफ की लुप्त वैरायटियों पर हो रहा काम

प्रोजेक्ट के तहत विवि वर्तमान में रबी सीजन में जीरा, चना, सरसों, जौ व मसूर आदि फसलों की लुप्त किस्मों के संरक्षण के लिए शोध कर रहा है।

इनका कहना है...

विवि रबी व खरीफ सीजन के अनुसार चयनित फसलों की लुप्त किस्मों पर काम कर रहा है, जिनके अच्छे परिणाम मिले है। उपयुक्त पाई गई वैरायटियों के बीजों को किसानों को उपलब्ध कराकर उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

प्रो बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर

अब तक हुए शोध में सकारात्मक परिणाम मिले है। अच्छे परिणाम वाली किस्मों को किसानों को उपलब्ध कराया गया और आगे भी अच्छे परिणाम देने वाली किस्मों को प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

डॉ बनवारीलाल, प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर

नवाचार

कृषि विश्वविद्यालय के अधीन 6 जिलों में उगाई जाएगी

अब मारवाड़ में पैदा होगी जम्मू-कश्मीर की सेव

***अमित दवे @ पत्रिका.** जम्मू-कश्मीर की शान माने जाने वाली सेव अब मारवाड़ में भी पैदा होगी। जम्मू-कश्मीर की सुर्ख लाल व मीठे सेव का अब मारवाड़ में पैदा होने का सपना सच होगा।*

कश्मीर से लाए एक हजार पौधे

जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के नवाचार व प्रगतिशील किसानों के प्रयासों से पश्चिमी राजस्थान में जम्मू कश्मीर की समर एप्पल नाम से मशहूर किस्म एचआरएमएन-99 सेव पैदा होगी। विवि के अधीन जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही व नागौर में यह किस्म उगाई जाएगी। कृषि विवि के वैज्ञानिकों का एक दल जम्मू में इस किस्म का अध्ययन व फसल परिणाम देखने के बाद करीब 1 हजार पौधे लेकर आया हैं। विवि के अधीन छह जिलों में इस किस्म की सेव की पैदावार होगी। इस किस्म का पौधा पश्चिमी राजस्थान में नवाचार के रूप मे लगभग 10 हेक्टेयर में 4 गुणा 3 मीटर की दूरी में लगाई गया हैं।

इन स्थानों पर लगाए गए पौधे

- कृषि विज्ञान केन्द्र- गुडामालानी, सिरोही, मौलासर, अठियासन, फलोदी व केशवाना ।
- कृषि अनुसंधान केन्द्र- मंडोर- जोधपुर, केशवाना-जालोर व उप केन्द्रों पर।
- कृषि महाविद्यालय- नागौर व सुमेरपुर।

दो बार सिंचाई की जरुरत

अगले वर्ष मई-जून में फल का उत्पादन शुरू होगा। सामान्य पानी में पनपने वाले इस पौधे को सर्दी में प्रति सप्ताह एक बार तथा गर्मी में दो बार पानी की जरुरत रहती है। साथ ही यह पौधा लगभग 44-45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान सहन करने की क्षमता रखता है। पहले वर्ष प्रति पौधा 7-8 किलो तथा बड़े होने पर अधिकतम 40-50 किलो पैदावार देता है। 25 वर्ष तक खड़ा रहने वाला यह पौधा क्षेत्र की जलवायु के अनुकूल है।

पनप रहा पौधा

वर्तमान में कृषि विवि के अधीन सभी केन्द्रों के साथ विभिन्न प्रगतिशील किसानों के यहां पर अच्छी तरह से यह पौधा पनप रहा है व इनमें फुटान भी अच्छी अवस्था में हो रहा है। मई-जून तक पहली पैदावार होगी।

डॉ बीआर चौधरी, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर

पारम्परिक खेती से हटकर यह एक अलग नवाचार है। कृषि विवि की ओर से लाए सेव की नई किस्म के पौधे लगाए है। कोपलें निकली है और समयानुसार ये अच्छी तरह से पनपेंगे।

जयनारायण सांखला, प्रगतिशील किसान

कृषि विवि का दीक्षान्त समारोह 15 को, 163 को मिलेगी उपाधियां

जोधपुर @ पत्रिका. कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय में गुरुवार को 15वीं प्रबंध मण्डल की बैठक कुलपति डॉ बीआर चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डॉ चौधरी ने बताया कि विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह 15 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। समारोह मे 163 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएगी, जिनमें 2 को विद्या वाचस्पति, 23 को निष्णात व 136 विद्यार्थियों को कृषि स्नातक व 2 विद्यार्थियों को खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की निष्णात उपाधि का अनुमोदन प्रबंध मण्डल ने किया। समारोह मे कृषि संकाय के 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी दिया जाएगा। बैठक में विवि के कृषि संकाय अध्ययन मण्डल की चतुर्थ बैठक की कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया जिसके अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2022-23 से आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, शस्य विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, प्रसार शिक्षा तथा उद्यानिकी विषय की स्नातकोत्तर व विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से अनुमोदित नवीन बीएसएमए के अनुसार संचालित किया जाना स्वीकृत किया गया। अंत में सदस्य सचिव तथा कुलसचिव अरुणकुमार पुरोहित ने आभार प्रकट किया।

बैठक में ये थे मौजूद

बैठक में डॉ आरपी जांगिड़, डॉ आरएस चावड़ा, डॉ रामअवतार शर्मा, ललित देवड़ा, विवि अधिष्ठाता डॉ सीताराम कुम्हार, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ ईश्वर सिंह, निदेशक अनुसंधान डॉ एसडी रतनू कुलसचिव अरुण कुमार पुरोहित आदि ने भाग लिया।

कृषि विवि ने भी निभाई भूमिका

7 साल में 3500 क्विंटल मूंग के बीज तैयार कर वितरित किए

विदेशी दालों पर निर्भरता खत्म, हम निर्यात भी करने लगे

एक्सक्लूसिव

देश में सबसे ज्यादा मूंग का उत्पादन राजस्थान में

अमित दवे
patrika.com

जोधपुर. भारत दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है।कुछ सालों से विदेशों पर मूंग की निर्भरता को समाप्त करने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से मूंग-मोठ सहित दलहनों के उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है। इसमें जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय ने भी भूमिका निभाई और दलहन के उन्नत बीज उत्पादित कर किसानों को उपलब्ध कराए, जिसके अच्छे परिणाम आए। अब देश में दलहन का उत्पादन संतोषजनक होने से आयातित दालों की निर्भरता काफी हद तक कम हुई है। विश्वविद्यालय की ओर से सात सालों में करीब 3500 क्विंटल मूंग के उन्नत बीज तैयार किए गए, वहीं करीब 190 क्विंटल मोठ के बीज तैयार किए गए।

7 केन्द्रों पर तैयार होते हैं बीज

मण्डोर स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र के अलावा विश्वविद्यालय के अधीन संचालित नागौर, जालोर, सुमेरपुर, सिरोही, मोलासर व समदड़ी के केन्द्रों पर मूंग के उन्नत बीज तैयार किए जा रहे हैं।

विदेशी दालों पर निर्भरता खत्म करने में देश के विभिन्न कृषि संस्थानों सहित कृषि विवि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कई सालों से विवि दलहन के उन्नत बीज उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध करा रहा है। उत्पादन जारी रहेगा।

प्रो. बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

विश्वविद्यालय की ओर से मूंग-मोठ की उन्नत किस्मों के बीज तैयार किए गए हैं। जिनकी क्लीनिंग व पैकिंग चल रही है। जीएएम-4, जीएएम-5 और आईपीएम 2-3 किस्म के बीज तैयार किए गए हैं।

डॉ. सीताराम कुम्हार, अतिरिक्त निदेशक बीज, कृषि विवि जोधपुर

पालड़ी एम में बीजू बकरों का किया वितरण

नवज्योति/पोसालियाए

समीपवर्ती राजकीय पशु चिकित्सालय पालड़ी एम में गुरुवार को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के सौजन्य से सिरोही नस्ल के 20 बीजू बकरों का वितरण कलंदरी, बडावेरा, उतरा भागली के चयनित 20 बकरी पालकों को जन जाति उप योजना के तहत मुख्यमंत्री सलाहकार व विधायक संयम लोढा के मुख्य आतिथ्य में वितरण किया गया।

प्रभारी पशु चिकित्सक आवेशखान ने बताया, समारोह में करीब साठ संभागी पशुपालकों ने भाग लिया। विधायक लोढा ने पशुपालकों को सिरोही नस्ल की बकरियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस व्यवसाय को आजीविका के साधन के रूप में अपनाने को कहा,जिससे अधिक से अधिक लाभ कमा सकें।

संयुक्त निदेशक पशुपालन डॉ. जगदीश बरबड ने पशुपालकों के लिए विभाग के तहत संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लम्पी बिमारी रोकथाम के लिए सहयोगदाताओं की सराहना की। सहयोगदाता मनोहरलाल, चौथाराम, वगताराम व शंकर कुम्हार का सम्मान किया। इस मौके ठाकुर ईश्वरसिंह देवड़ा ने सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए सरकारी संस्थाओं के सम्पर्क में रहने का आव्हान किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक रामस्वरूप चौधरी, कृषि विज्ञान केंद्र सुमेरपुर के डॉ. एमपी वर्मा ने भी विचार रखे। कार्यक्रम संचालन कृषि महा विद्यालय जोधपुर के डॉ. पंकज लवानिया ने किया।

कृषि विवि लूणी के बाद खुड़ियाला को बना रहा स्मार्ट

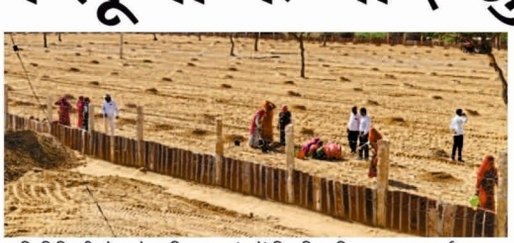

जोधपुर. कृषि विवि अन्त्योदय योजना के तहत जिले की बालेसर तहसील के खुड़ियाला गांव को स्मार्ट बना रहा है। कृषि विवि स्मार्ट गांव के रूप में खुडियाला गांव में तीन वर्षीय कार्यक्रम के तहत कृषि, स्वास्थ्य, स्वच्छता अभियान, कौशल विकास, पशु स्वास्थ्य, कृषक-वैज्ञानिक संवाद, उन्नत बीज वितरण, कृषि में तकनीकी का उपयोग आदि कृषि योजनाओं का संचालन सहित कई कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीण व किसानों के जीवन स्तर में परिवर्तन लाने संबंधित गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इसके अलावा पौधारोपण, स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न कार्यक्रम, वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविर, कौशल विकास, कम्प्यूटर साक्षरता, नशामुक्ति निवारण शिविर आदि कार्यक्रमों से ग्रामीणों को लाभान्वित कर खुड़ियाला को स्मार्ट गांव के रूप में विकसित कर रहा है। विवि की ओर से गोदित गांव में कराई जा रही गतिविधियों की रिपोर्ट प्रतिमाह राजभवन जयपुर भेजी जा रही है।

कृषि विवि की ओर से खुडियाला गांव में विकसित किया जा रहा पार्क।

पहले लूणी को लिया था गोद

कृषि विश्वविद्यालय की ओर से सबसे पहले वर्ष 2018 में लूणी गांव को गोद लेकर स्मार्ट बनाया गया। राजभवन ने विवि के कार्य को देखते हुए कार्य के लिए एक वर्ष और बढ़ाया, जिसका कार्य दिसम्बर 2021 में पूरा हुआ है।

हाल ही में, गांव में डेयरी प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को प्रशिक्षण दिया गया। आगामी दिनों में एससी वर्ग की महिलाओं को मसाला पिसाई की प्रोसेसिंग इकाई लगाने में सहायता कर मसाला पिसाई व पैकिंग का कार्य कराया जाएगा।

महेन्द्र कुमार नोडल अधिकारी, स्मार्ट विलेज खुड़ियाला

विद्यार्थी उपाधि को आजीविका का साधन नहीं, किसानों के जीवन स्तर सुधारने में भागीदार बनें

कृषि विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह का ऑनलाईन आयोजन

विद्यार्थियों को मिली उपाधियां व स्वर्ण पदक

कृषि विवि के ऑनलाइन दीक्षान्त समारोह में हिस्सा लेते अतिथि।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जोधपुर. कृषि विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह मंगलवार को ऑनलाइन आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल व कुलाधिपति मिश्र ने बताया कि उपाधि प्राप्त कर विद्यार्थी मात्र इसे अपनी आजीविका का साधन न समझें बल्कि किसानों के जीवन स्तर को सुधारने व खुशहाली में भागीदार भी बनें। उन्होंने वैज्ञानिकों से ऐसी कृषि तकनीकें विकसित करने का आह्वान किया, जो कम पानी में अधिक गुणवत्तायुक्त पैदावार दे सकें। साथ ही, उन्होंने समेकित रासायनिक प्रबंधन, जैविक खेती, भूमि की उर्वरकता शक्ति को बनाए रखने व जनसंख्या वृद्धि के अनुसार पैदावार बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

समारोह के मुख्य अतिथि अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं। प्रदेश में आजादी के बाद पहली बार कृषि का अलग से बजट पेश होने जा रहा है, जिसका लाभ किसानों को मिलेगा। सरकार की ओर से कृषि विश्वविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो बीआर चौधरी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि प्रदेश के कृषि मंत्री लालचंद कटारिया थे।

कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष व अधिष्ठाता डॉ सीताराम कुम्हार, परीक्षा नियंत्रक डॉ मनमोहन सुंदरियां, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ ईश्वरसिंह, निदेशक अनुसंधान डॉ एसडी रतनू सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों ने सफल किसानों की प्रेरणादायी कहानियां पुस्तक का विमोचन किया। अंत में कुलसचिव अरुणकुमार पुरोहित ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

163 को मिली उपाधि, 7 को स्वर्ण पदक

- 136 कृषि स्नातक विद्यार्थी
- 23 स्नातकोत्तर विद्यार्थी
- 02 विद्या वाचस्पति विद्यार्थी
- 02 खाद्य विज्ञान व प्रौद्योगिक स्नातकोत्तर विद्यार्थी

इनको मिले स्वर्ण पदक

- विज्ञान स्नातक कृषि (ऑनर्स) - दशरथसिंह चूंडावत
- विज्ञान निष्णात (कृषि) शस्य विज्ञान - विरेन्द्र
- विज्ञान निष्णात (कृषि) आनुवांशिकी व पादप प्रजनन - रेणु रानी
- विज्ञान निष्णात (कृषि) उद्यान विज्ञान - सोनुकुमारी
- विज्ञान निष्णात (कृषि) पौध व्याधि विज्ञान - पुजा यादव
- विज्ञान निष्णात (कृषि) कीट विज्ञान - निशा चौधरी
- विज्ञान निष्णत (कृषि) प्रसार शिक्षा - लोकेन्द्रसिंह किशनावत

सिटी प्राइम एंकर

सुपर फूड में शामिल चिया में पोषक तत्वों की भरमार

सुपर फूड चिया बन रही मरुधरा की नई पहचान, शुरू किया शोध

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. हेल्थ का पॉवर हाउस कही जाने वाली चिया सीड्स पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से अनुसंधान किया जा रहा हैं। चिया फसल की उत्पादकता, गुणवत्ता, पौष्टिकता आदि बढ़ाने पर शोध शुरू किया गया है। चिया के जरिए मारवाड़ के किसानों की आय बढ़ाने और प्रसंस्करण इकाइयों पर बातचीत चल रही हैं।

कई बीमारियों में कारगर

चिया में प्रोटीन, फाइबर तथा ओमेगा 3 भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये मोटापे, मधुमेह, हृदय सम्बन्धित रोगों, उच्च रक्तचाप आदि बीमारियों के लिए लाभदायक साबित हुए हैं।

उच्च पोषक तत्व

चिया बीज का रंग भूरा, सफेद, ग्रे और काला होता है।उच्च गुणवत्तायुक्त फाइबर चिया सीड्स में भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखने में सहायक होते हैं। इन गुणों के चलते ये बीज शरीर की अंदरूनी ताकत को बनाए रखने और सुधारने में सहायक साबित हो रहे हैं।

भारत में चिया फसल पर अनुसंधान विकास के प्राथमिक चरण में है। कृषि विवि में भी चिया के जननद्रव्य परीक्षणों के आधार पर क्षेत्रीय परिस्थितियों में बेहतर निष्पादन करने वाले जीनप्रारूपों को किस्म के रूप में विमोचित करवाने के लिए प्रयास जारी है।

डॉ राहुल भारद्वाज, पादप प्रजनक, कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विश्वविद्यालय में सुपरफूड में शामिल चिया सहित विभिन्न फसलों पर रिसर्च किए जा रहे हैं। अब उनके परिणाम भी मिल रहे हैं, जो सकारात्मक है।

प्रो बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय

100 ग्राम बीज से पोषण

ओमेगा3-	17.6 ग्राम
ओमेगा6-	5.8 ग्राम
प्रोटीन-	16.54 ग्राम
कैल्शियम-	631 मिग्रा
आयरन-	7.72 मिग्रा
मैग्नीशियम -	2.72 मिग्रा
फॉस्फोरस-	860 मिग्रा
पोटेशियम-	407 मिग्रा
सोडियम-	16 मिग्रा
जिंक-	4.58 मिग्रा

युवाओं को कृषि शिक्षा से जोड़ना उद्देश्य

जोधपुर @ पत्रिका. स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय सभागार में कृषि शिक्षा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर चौधरी ने बताया कि कृषि शिक्षा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य अधिकाधिक युवाओं को कृषि शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और देश को कृषि के क्षेत्र में समृद्धता प्रदान करना है उन्होंने विश्वविद्यालय शिक्षकों से आह्वान किया कि वे शिक्षण कार्य को रूचिपूर्ण बनाए, जिससे विद्यार्थी इसे मात्र डिग्री प्राप्त करने का माध्यम न समझे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. ईश्वरसिंह नियेशक अनुसंधान डॉ. एसडी रत्नू सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बाड़मेर के 32 गांवों के 5 हजार परिवारों में आएगी खुशियां

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले में विषम परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे 32 गांवों के 5 हजार परिवारों में खुशियां आएंगी। इसके लिए जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय को यह जिम्मा सौंपा गया है। बाड़मेर लिग्नाइट माइनिंग कम्पनी लि. ने विवि की एकीकृत ग्रामीण आजीविका पहल के माध्यम से करीब 8.80 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट स्वीकार किया है। प्रोजेक्ट के तहत कृषि व पशुपालन में नवाचार, नवीन तकनीकियों, आधुनिक कार्यप्रणाली से यहां के किसानों के आर्थिक व सामाजिक जीवन स्तर में सुधार लाया जाएगा

प्रोजेक्ट के तहत बाड़मेर की 3 तहसीलों शिव, बायतु व बाड़मेर को शामिल किया गया है।

यह कार्य होंगे

करीब 500 हेक्टेयर भूमि का संरक्षण कर जैव विविधता के साथ कृषि पारिस्थिति तंत्र को विकसित किया जाएगा। ओरण व गोचर भूमि में प्राकृतिक वनस्पतियों को संरक्षण व संवर्द्धन किया जाएगा।

कम समय व कम पानी में तैयार होने वाली फसलों के प्रति किसानों को प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जाएगा।

वैज्ञानिक विधि से खडीन, टांका व विभिन्न जल संरक्षण स्त्रोतों का निर्माण साथ सूक्ष्म सिंचाई प्रबंधन पर जोर दिया जाएगा।

बागवानी आधारित गांवों को विकसित किया जाएगा, जिससे किसानों को चारे की समस्या का निदान होगा।

भूमिहीन व महिलाओं को दक्षता प्रदान करते हुए उनमें विपणन के गुण विकसित किए जाएंगे।

रास आई एमपीएमएच-17

जिले में 70 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में बुवाई

प्रदेशभर के किसान बाजरा की हाइब्रिड किस्म में दिखा रहे रुचि

एमपीएमएच 17 में जिंक-आयरन ज्यादा

जोधपुर @ पत्रिका. मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में विकसित हाइब्रिड बाजरा की नई किस्म एमपीएमएच-17 किसानों को रास आई है। एमपीएमएच-17 किस्म पौष्टिकता व गुणवत्ता के कारण किसानों को रास आने लगी है, इसी कारण इस वर्ष भी किसानों ने एमपीएमएच-17 की बुवाई में ज्यादा रुचि दिखाई है। इस बार जिले में करीब 70 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमपीएमएच-17 की बुवाई हुई है। नई किस्म में आयरन व जिंक तत्वों की अधिकता पाई जाती है, जो कुपोषण को समाप्त करने में भी कारगर साबित होगी। यह किस्म पश्चिमी राजस्थान के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में अधिक उत्पादन देने में सक्षम है। इस किस्म का सिट्टा बालोंयुक्त तथा दाना पीला-भूरा गोलाकार होता है, जो खाने में स्वादिष्ट होता है।

सबसे पहले दइकड़ा में बुवाई

कृषि विवि की ओर से विकसित हाइब्रिड किस्म एमपीएमएच-17 को वृहद् स्तर पर सबसे पहले जिले के दइकड़ा गांव में लगाया गया था। जहां करीब 300 से अधिक किसानों ने इस किस्म की एक साथ बुवाई की थी। अन्य किस्मों की तुलना में इस किस्म के अच्छे परिणाम आए थे। इसके बाद, यह किस्म पूरे राजस्थान में लोकप्रिय हो गई और अब सबसे ज्यादा इसी किस्म की बुवाई की जा रही है।

अन्य किस्मों से ज्यादा बेहतर

- सिट्टे के पकने तक पौधे हरी अवस्था में रहते हैं, जो गर्मी के दिनों में पशुओं के पौष्टिक चारे के रूप में उपयोग में लाए जा सकते है।
- नई हाईब्रिड बीज में अधिक तापमान सहन करने की शक्ति।
- इस किस्म के दोनों पैतृकों (नर व मादा) में अधिक तापमान सहन करने की शक्ति हैं।
- दोनों पैतृकों की ऊंचाई 2.5 फीट की होती हैं, इनसे तैयार संकर बाजरे की ऊंचाई लगभग 7 फीट तक की होती हैं।
- इस किस्म में राजस्थान के देशी बाजरी के सभी गुण विद्यमान हैं।
- पक्षियों से होने वाले नुकसान से बचने के लिए रोयेंदार सिट्टे होते हैं।
- संकर बाजरे के सिट्टे की लम्बाई पैतृकों के मुकाबले अधिक हैं।
- इस संकर बाजरे के नर पैतृक के पौधों का फुटाव निरंतर जारी रहता हैं, जिससे संकर बीज उत्पादन के लिए मादा पैतृक को परागणों की लगातार आपूर्ति होती रहती हैं।

विवि की ओर से विकसित बाजरा की हाइब्रिड किस्म एमपीएमएच-17 अच्छा उत्पादन दे रही है। यह पश्चिमी राजस्थान की जलवायु के अनुकूल है।

प्रो. बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

गांव के अधिकांश किसान एमपीएमएच-17 की ही बुवाई कर रहे है। यह किस्म हर साल अच्छा उत्पादन दे रही है।

मोहनराम सारण, अध्यक्ष, दइकडा ग्राम सेवा सहकारी समिति

कृषि विश्वविद्यालय: 68 पद भरे जाएंगे, प्रशासनिक व संस्थागत ढांचा होगा मजबूत

डेयरी टेक्नोलॉजी व एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में पदों का टोटा होगा खत्म

पत्रिका plus रिपोर्टर

जोधपुर. कृषि विश्वविद्यालय में डेयरी टेक्नोलॉजी व एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग संकायों में रिक्त पदों का टोटा खत्म होगा। इससे इन नए संकायों के विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा व शिक्षण कार्य में गति आएगी। राज्य सरकार की ओर से कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक व संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ता देने के लिए शैक्षणिक व अशैक्षणिक वर्ग के 68 विभिन्न पदों की स्वीकृति दी गई हैं। जिसके अनुसार शैक्षणिक वर्ग के 34 पद जिनमें 12 पद एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, 10 पद डेयरी टेक्नोलॉजी व 12 पद कृषि संकाय के लिए स्वीकृत हुए हैं। इनके अलावा, 24 पद अशैक्षणिक वर्ग में व संविदा आधार पर 12 पदों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पद स्वीकृत

राज्य सरकार की ओर से हाल ही में नवस्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर-पाली व कृषि विज्ञान केन्द्र बामनवाड़ा-रानीवाड़ा के लिए 16-16 पदों को भरे जाने की स्वीकृत पहले ही की जा चुकी है।

इन पदों के लिए स्वीकृति

डेयरी टेक्नोलॉजी
- 1 पद प्रोफेसर के
- 2 पद सह प्राध्यापक
- 7 पद सहायक प्राध्यापक
- 10 पद अशैक्षणिक वर्ग

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- 1 पद प्रोफेसर
- 3 पद सह प्राध्यापक
- 8 पद सहायक प्राध्यापक
- 10 पद अशैक्षणिक वर्ग

कृषि संकाय
- 1 पद अधिष्ठाता
- 2 पद सह प्राध्यापक
- 9 पद सहायक प्राध्यापक
- 9 पद अशैक्षणिक वर्ग

राज्य सरकार की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय में 7 पद स्वीकृत किए गए है। जिनमें वरिष्ठ निजी सहायक का 1, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी का 1, सॉफ्टवेयर इंजीनियर का 1, कम्प्यूटर प्रोग्रामर का 1, वाहन चालक के 2 व कनिष्ठ अभियंता के 1 पद स्वीकृत किए गए है।

राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के चहुमुंखी विकास के लिए वित्तीय सहायता सहित नवीन पदों की स्वीकृति दी है। जल्द ही, इन सभी पदों को शीघ्र ही भरे जाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रो. बी.आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

न्यू एज : खुड़ियाला गांव लिया गोद, किसानों को जानकारी देने सहित कई नवाचार

कृषि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ युवाओं- ग्रामीणों को बना रहा स्मार्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. कृषि अब रोजगार का जरिया बन रही है और युवाओं का भी रुझान बढ़ रहा है। कृषि को युवाओं से जोड़ने के लिए कृषि विश्वविद्यालय नवाचार कर रहा है। इसीलिए कृषि विश्वविद्यालय ने बालेसर तहसील के खुड़ियाला गांव को स्मार्ट बना रहा है। कृषि विवि स्मार्ट गांव के रूप में खुड़ियाला गांव में कृषि, स्वास्थ्य, स्वच्छता अभियान, कौशल विकास, पशु स्वास्थ्य, कृषक-वैज्ञानिक संवाद, उन्नत बीज वितरण, कृषि में तकनीकी का उपयोग आदि योजनाओं का संचालन सहित कई कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं, ग्रामीण व किसानों के जीवन स्तर में परिवर्तन लाने संबंधित गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इसके अलावा स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न कार्यक्रम, वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविर, कौशल विकास, कम्प्यूटर साक्षरता, नशामुक्ति निवारण शिविर आदि कार्यक्रमों से युवाओं व ग्रामीणों को लाभान्वित कर खुड़ियाला को स्मार्ट गांव के रूप में विकसित कर रहा है।

16 बीघा में विकसित कर रहा पार्क

विवि गांव में ग्राम पंचायत के सहयोग से मिली करीब 16 बीघा जमीन पर पार्क विकसित कर रहा है। जिसमें विवि ने विभिन्न प्रकार के 1550 पौधें लगाए है व गांव वालों के सहयोग से उनकी देखभाल कर रहा है। इसके अलावा, विवि ने किसानों को पेस्टीसाइड्स स्प्रे मशीन वितरित की, बाजरा-अरण्डी आदि फसलों के उन्नत बीजों की जानकारी दी, एससी-एसटी योजना के तहत गांव के युवाओं के लिए पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

विश्वविद्यालय की इस योजना से युवाओं के साथ गांव भी स्मार्ट होगा। किसानों सहित ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। चरणबद्ध तरीके से कार्य कर ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रो बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

मार्केटिंग के लिए आठ कम्पनियों से एमओयू

देश में बाजरा उत्पादन के लिए तैयार 100 क्विंटल हाइब्रिड बीज

जोधपुर कृषि विवि ने विकसित किए एमपीएमएच- 17 किस्म के उन्नत बीज

जोधपुर @ पत्रिका. जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय देश में बाजरा उत्पादन के लिए हाइब्रिड किस्म एमपीएमएच-17 के उन्नत बीज तैयार कर रहा है। गत 4-5 वर्ष से विवि इस किस्म के बीज तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा रहा है, जिसके अच्छे परिणाम आए है। विश्वविद्यालय की ओर से तैयार नई किस्म की सफलता से देश की प्रमुख आठ बीज उत्पादक कम्पनियों ने कृषि विश्वविद्यालय के साथ एमओयू किया है। इसमें राजस्थान, गुजरात, आंध्रप्रदेश, हैदराबाद, दिल्ली आदि की कम्पनियां शामिल है। इस बार भी विवि ने करीब 100 क्विंटल एमपीएमएच-17 किस्म के उन्नत बीज तैयार कर किसानों व कम्पनियों को उपलब्ध कराए है, जो अपने खेतों में बीज उत्पादन कर किसानों को विक्रय करेगी।

नई किस्म में पौष्टिकता अधिक

विश्वविद्यालय में तैयार बाजरा की एमपीएमएच-17 किस्म पौष्टिकता व गुणवत्ता के कारण धूम मचा रही है। नई किस्म में आयरन व जिंक तत्व की अधिकता है, जो कुपोषण को समाप्त करने में कारगर साबित हुई है। विवि ने अपने केन्द्रों पर प्रारंभिक प्रयोग में बीज तैयार किए थे, जिसके अच्छे परिणाम आए। इस बार विश्वविद्यालय ने हाइब्रिड किस्म एमपीएमएच-17 के करीब 100 क्विंटल से अधिक बीज तैयार किए है, जो किसानों-कम्पनियों को वितरित किए गए है।

सूखाग्रस्त क्षेत्रों में अधिक उत्पादन

यह किस्म पश्चिमी राजस्थान के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में अधिक उत्पादन देने में सक्षम है। कम बारिश के बावजूद यह फसल 80 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म का सिट्टा बालोंयुक्त तथा दाना पीला-भूरा गोलाकार होता है, जो खाने में स्वादिष्ट होता है। इसकी खड़ी फसल में सिट्टों में चिड़ियों से नुकसान की संभावना भी नहीं रहती है।

विवि की ओर से विकसित की गई नई किस्म एमपीएमएच-17 के अच्छे परिणाम मिल रहे है। बीज उत्पादक कम्पनियों से एमओयू होने से बीज उत्पादन की मात्रा बढ़ने के साथ देशभर में बीज की उपलब्धता हो रही है।

प्रो. बी.आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

स्विट्जरलैण्ड के जर्नल में प्रकाशित शोधपत्र को मिली हाई रेटिंग

अमित दवे
patrika.com

कृषि विवि के फार्म में कैमोमाइल चाय के पौधे।

जोधपुर. जोधपुर. प्राचीन जड़ी-बुटियों में से एक कैमोमाइल चाय की खेती अब थार के रेगिस्तान में की जाएगी। कृषि विश्वविद्यालय ने दक्षिणी पूर्वी यूरोप के कैमोमाइल चाय के पौधे पर करीब दो साल से चल रहे शोध में सफलता हासिल की है, जिसमें कैमोमाइल चाय का प राजस्थान की जलवायु, तापमान में बुवाई करने का उपयुक्त समय अक्टूबर का अंतिम सप्ताह पाया गया, वहीं उत्पादन फरवरी-मार्च में होता है। इसके अलावा पौधों की ज्योमेट्री पर रिसर्च कर पौधे को 40 गुणा 10 की दूरी पर 40 सेमी व एक पौधे से दूसरा पौधा 10 सेमी की दूरी पर बुवाई करने पर अच्छा परिणाम आया। कैमोमाइल चाय के लिए जर्मन व रोमन पौधे उपयुक्त होता है। विश्वविद्यालय में जर्मन पौधे पर रिसर्च चल रहा है।

इंटरनेशनल एग्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित

हाल ही में स्विट्जरलैण्ड से प्रकाशित होने वाली इंटरनेशनल एग्रोनॉमी जर्नल में कैमोमाइल चाय पर रिसर्च कर रहे जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. मोतीलाल मेहरिया का शोध पत्र छपा। जिसे कम समय में हाई रेटिंग मिली है।

तेल के रंग से गुणवत्ता होती है तय

- कैमोइल चाय में पानी गेहूं से कम और सरसों से अधिक चाहिए।
- इसकी पत्तियां लम्बी, पतली व संकरी होती है।
- इसके सफेद-पीले रंग के ताजा फूलों से ब्लू ऑयल (वोलेटाइल ऑयल) निकलता है , तेल के रंग से इसकी गुणवत्ता निर्धारित होती है
- फूलों को सूखाकर चाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

कई बीमारियों में कारगर

- नींद की बीमारी इनसोम्निया और एंजायटी को दूर करती है।
- इसमें एपीजेनिन एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
- पाचन तंत्र दुरुस्त रखने के साथ ब्लड शुगर को नियंत्रित रखती है।

इनका कहना

कैमोमाइल चाय के पौधे पर दो साल से चल रहे रिसर्च अच्छी सफलता मिली है। वर्तमान में इस पर काम चल रहा है।

प्रो. बीआर चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

क्रॉपिंग टाइम व पौधे की ज्योमेट्री के बाद अब पौधे की ग्रोथ पर काम चल रहा है। इसमें सफलता मिलने पर इसके फूल ज्यादा आएंगे।

डॉ. मोतीलाल मेहरिया, वैज्ञानिक व क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि विवि जोधपुर

किसान संगठन भी कर सकते हैं भण्डार गृहों का पंजीयन

जोधपुर @ पत्रिका. किसानों को भण्डारण लाभ व भण्डारण में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए एक दिवसीय अवेयरनेस व आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाण्डागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए) के अध्यक्ष टी.के. मनोज कुमार ने बताया कि भण्डार गृहों का पंजीयन न केवल किसान बल्कि बैंकिंग और निजी और सार्वजनिक भण्डार गृह के साथ ही किसान संगठन समूह भी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 3350 सक्रिय भण्डार गृह डब्ल्यूडीआरए से पंजीकृत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी आर चौधरी ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में भण्डार गृहों की संख्या मे वृद्धि की जानी चाहिए, ताकि यह के किसानों को इसका फायदा मिल सके। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ ईश्वर सिंह ने कहा कि वर्तमान में भण्डारण की उचित व्यवस्था की बहुत आवश्यकता है। राजस्थान राज्य भण्डारण निगम के प्रबंधक लक्ष्मणसिंह परिहार ने राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही भण्डारण की विभिन्न योजनाओं व इनके लाभों की जानकारी दी।

पंचवर्षीय निरीक्षण समिति सदस्यों द्वारा तिल की फसल का अवलोकन

जीरा बीज उत्पादन

स्वच्छ भारत मिशन

जन जाति कृषकों को भण्डारण हेतु कोठियों का वितरण

अर्न्तमहाविद्यालय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिता का समापन समारोह

फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत अविशान नस्ल के मेढ़ों का वितरण

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर-342 304, राजस्थान

Website : http://www.aujodhpur.ac.in